सुविचार

सितारों तक पहुंचने की इच्छा महत्वाकांक्षा है। दिलों तक पहुंचने की इच्छा बुद्धिमानी है।

– माया एंजेलो

Daily

सच के हक में...

THE PHOTON NEWS

द फोटोन न्यूज Published from Ranchi

Ranchi ● Saturday, 11 January 2025 ● Year : 02 ● Issue : 349 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : ₹3 ● www.thephotonnews.com

E-Paper : epaper.thephotonnews.com

12

Wamiqa Gabbi Reacts After...

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने घायल बाघमारा एसडीपीओ के इलाज की ली जानकारी

PHOTON NEWS RANCHI : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने धनबाद जिले के मधुबन थाना क्षेत्र में दो गुटों के बीच गुरुवार को हुई हिंसक झड़प में घायल बाघमारा के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी पुरुषोत्तम कुमार सिंह के स्वास्थ्य के बारे शुक्रवार को जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने उनके पिता अशोक सिंह से वीडियो कॉल के माध्यम से बात कर उनके इलाज से संबंधित पूरी जानकारी ली और उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार इस कठिन समय में एसडीपीओ के परिवार के साथ पूरी संवेदनशीलता के साथ खड़ी है। उनके इलाज के लिए सरकार हर संभव सहायता प्रदान करेगी। अगर जरूरत पड़ी तो एयरलिफ्ट कर उन्हें बेहतर इलाज के लिए बाहर भेजेंगे।

वीडियो कॉल के माध्यम से पिता अशोक सिंह से बात कर जाना हाल-चाल

बोले सीएम

- जरूरत पड़ी तो एयरलिफ्ट कर बेहतर इलाज के लिए भेजा जाएगा बाहर
- राज्य सरकार अधिकारियों और कर्मचारियों की सुरक्षा को लेकर गंभीर
- सरकारी कर्मचारियों के साथ किसी भी प्रकार की हिंसा बर्दाश्त नहीं

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने राज्य सरकार के अधिकारियों और कर्मचारियों की सुरक्षा को लेकर अपनी प्रतिबद्धता जताई। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार किसी भी श्रेणी के अधिकारी और कर्मचारी की सुरक्षा को लेकर पूरी तरह से प्रतिबद्ध है।

धनबाद जिले के मधुबन थाना क्षेत्र में दो गुटों के बीच हुई थी हिंसक झड़प

घटना की जांच के आदेश

मुख्यमंत्री ने इस हिंसक घटना की गंभीरता को देखते हुए जांच के आदेश दे दिए हैं। उन्होंने कहा कि बाघमारा के मधुबन थाना क्षेत्र में हुई हिंसक झड़प की जांच का आदेश दिया गया है। जो भी लोग इस घटना में दोषी पाए जाएंगे, उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि राज्य सरकार हर स्थिति में अपने कर्मियों की सुरक्षा सुनिश्चित करेगी।

देवता थोड़े ही हूं, गलतियां हो सकती हैं पर बदइरादे से नहीं करूंगा : पीएम मोदी

NEW DELHI @ PTI : शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि वह देवता नहीं, बल्कि मनुष्य हैं और गलतियां उनसे भी हो सकती हैं, लेकिन कभी भी वह बदइरादे से गलती नहीं करेंगे। जेरोधा के सह–संस्थापक निखिल कामथ के साथ एक पॉडकास्ट में संवाद करते हुए मोदी ने यह भी कहा कि उनकी कोई राजनीतिक महत्वाकांक्षा नहीं थी पर हालात की वजह से उन्होंने प्रधानमंत्री पद का तक सफर तय किया। आम जनता से जुड़ने का कोई भी मौका न गंवाने वाले प्रधानमंत्री मोदी का यह पहला पॉडकास्ट है। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर इसे जारी किया। गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में अपने एक भाषण को याद करते हुए मोदी ने कहा कि तब उन्होंने कुछ प्रमुख बातें कही थी। उन्होंने कहा, मैंने कहा था कि मेहनत करने में कोई कमी नहीं रखूंगा। मैं मेरे लिए कुछ नहीं करूंगा। मनुष्य हूं, गलती हो सकती है। बदइरादे से गलत नहीं करूंगा।

जेरोधा के सह-संस्थापक निखिल कामथ के साथ किया संवाद

- नहीं थी कोई राजनीतिक महत्वाकांक्षा, हालात की वजह से पीएम पद तक का किया सफर
- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पूरे संवाद को किया है जारी

अहिंसा की वकालत करते थे गांधी : मोदी ने कहा कि जरूरी नहीं है कि नेता लच्छेदार भाषण देने वाला ही होना चाहिए। उन्होंने कहा, यह कुछ दिन चल जाता है। तालियां बज जाती हैं। लेकिन अंततः जीवटता काम करती है। दूसरा मेरा मत है कि भाषण कला से भी ज्यादा महत्वपूर्ण है संवाद कला। आप संवाद कैसे करते हैं। उन्होंने कहा, अब देखिए, महात्मा गांधी हाथ में अपने से भी ऊंचा डंडा रखते थे, लेकिन अहिंसा की वकालत करते थे।

मिशन नहीं, एंबिशन लेकर आएं राजनीति में

मोदी ने कहा, राजनीति में अच्छे लोग आते रहने चाहिए। वे मिशन लेकर आएं, एंबिशन लेकर नहीं। मिशन लेकर निकले हैं तो कहीं ना कहीं स्थान मिलता जाएगा। एंबीशन से ऊपर होना चाहिए मिशन। फिर आपके अंदर क्षमता होगी। प्रधानमंत्री ने सवालिया अंदाज में कहा कि आज के युग में नेता की जो परिभाषा आप देखते हैं, उसमें महात्मा गांधी कहां फिट होते हैं। उन्होंने कहा, व्यक्तित्व के लिहाज से उनका शरीर दुबला पतला था, भाषण कला न के बराबर थी।

SHARE		
संसेक्स	:	77,620.21
निफ्टी	:	23,526.50

SARAFA		
सोना	:	7,440
चांदी	:	100.00

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

युद्ध को लेकर जापान ने रूस पर लगाए नए प्रतिबंध

NEW DELHI : जापान ने यूक्रेन के विरुद्ध युद्ध को लेकर रूस के खिलाफ शुक्रवार को अतिरिक्त प्रतिबंधों को मंजूरी दे दी, जिनमें दर्जनों व्यक्तियों और समूहों की संपत्तियों पर रोक लगाना शामिल है। इसके साथ ही रूस एवं कई अन्य देशों के दर्जनों संगठनों को निर्यात किए जाने पर भी प्रतिबंध लगाए गए हैं। यह प्रतिबंध रूस को अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों से बचने में उसकी मदद करने वालों पर लगाए गए हैं। मुख्य कैबिनेट सचिव योशिमासा हयाशी ने शुक्रवार को कैबिनेट को बताया कि अतिरिक्त प्रतिबंध यूक्रेन पर रूस के आक्रमण के कारण उसके खिलाफ प्रतिबंधों को मजबूत करने के जी–7 के प्रयास के प्रति जापान की प्रतिबद्धता को दशार्ते हैं। जापान ने पहले भी कई बार प्रतिबंध लगाए हैं और नवीनतम कदम प्रधानमंत्री शिगेरु इशिबा द्वारा दिसंबर के मध्य में 'जी–7 ऑनलाइन शिखर सम्मेलन में देश की नीति की पुष्टि करने के एक महीने बाद उठाया गया है।

सफल रहा प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन : जयशंकर

BHUBNESHWAR : विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने यहां आयोजित तीन दिवसीय 18वें प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन को शुक्रवार को बहुत सफल बताया। जयशंकर आठ जनवरी को सम्मेलन की तैयारियों का जायजा लेने यहां पहुंचे थे। मंत्री ने सम्मेलन के दौरान आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों की सराहना करते हुए कहा कि बृहस्पतिवार की प्रस्तुति ने भारत और उसके प्रवासी समुदाय के बीच संबंधों को खूबसूरती से पेश किया। उन्होंने कहा, सभी ने बृहस्पतिवार का सांस्कृतिक कार्यक्रम देखा होगा, जिसमें भारत और उसके प्रवासी समुदाय के बीच संबंधों को खूबसूरती से प्रदर्शित किया गया। जयशंकर ने इस कार्यक्रम के दौरान मैसाचुसेट्स प्रौद्योगिकी संस्थान (एमआईटी) और हार्वर्ड विश्वविद्यालय के छात्रों से भी मुलाकात की।

दिल्ली की स्पेशल सेल और झारखंड की एटीएस टीम ने की संयुक्त कार्रवाई

लोहरदगा से दबोचा गया अलकायदा का संदिग्ध आतंकी शाहबाज अंसारी

PHOTON NEWS RANCHI : शुक्रवार को लोहरदगा के सेन्हा थाना क्षेत्र के चितरी गांव से अलकायदा के संदिग्ध आतंकी को दबोच लिया गया। स्पेशल सेल दिल्ली और एटीएस झारखंड टीम ने कांड संख्या 301/24 में आरोपी शाहबाज अंसारी को गिरफ्तार किया गया है। झारखंड एटीएस के एसपी ऋषभ झा ने शाहबाज अंसारी की गिरफ्तारी की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि शुक्रवार सुबह में उसे गिरफ्तार किया गया है। देश की खिलाफत करने और गंभीर आतंकी साजिश रचने को लेकर दिल्ली पुलिस ने केंद्रीय एजेंसियों और अलग-अलग राज्यों की पुलिस की मदद से वर्ष 2024 में झारखंड, दिल्ली और राजस्थान में बड़ी कार्रवाई की थी। झारखंड पुलिस के एटीएस ने अलकायदा इन इंडियन सब कॉटिनेंट के आठ संदिग्धों को गिरफ्तार किया था।

एटीएस के एसपी ऋषभ झा ने की गिरफ्तारी की पुष्टि, कहा- की जा रही आगे की कार्रवाई

- पिछले साल आतंकियों के खिलाफ झारखंड, दिल्ली, राजस्थान में की गई थी बड़ी कार्रवाई
- रांची के एक निजी अस्पताल में कार्यरत डॉ. इश्तियाक को मास्टरमाइंड के तौर पर किया गया था चिह्नित
- गंभीर आतंकी साजिश रचने के मामले में लंबे समय से फरार चल रहा था शाहबाज

- सेन्हा थाना क्षेत्र के चितरी गांव से आतंकी को किया गया है गिरफ्तार
- आज ट्रांजिट रिमांड पर ले जाया जाएगा दिल्ली

गांव में होने की मिली थी गुप्त सूचना

इसी बीच झारखंड एटीएस और दिल्ली की स्पेशल सेल को यह सूचना मिली कि शाहबाज अंसारी अपने गांव चितरी आया हुआ है, जो रांची लोहरदगा के बॉर्डर पर स्थित है। जानकारी मिलने पर उसे गिरफ्तार कर लिया गया। इस मामले में अब तक झारखंड के रांची के बरियातू से डॉ. इश्तियाक अहमद, हजारीबाग से फैजान अहमद, चान्हो से मो. मोदब्बीर, मो. रिजवान, मुफ्ती रहमतुल्लाह मजहिरी, मतिउर रहमान, एनामुल अंसारी और लोहरदगा के कुडू से इलताफ अंसारी को गिरफ्तार किया गया है।

हजारीबाग से गिरफ्तार हुआ था फैजान अहमद

पिछले वर्ष गिरफ्तार संदिग्धों में रांची के एक निजी अस्पताल में कार्यरत डॉ. इश्तियाक अहमद को मास्टरमाइंड के तौर पर चिह्नित किया गया था। उस दौरान दिल्ली पुलिस ने दिल्ली में एक संदिग्ध को गिरफ्ताएर किया था। जांच में आए तथ्यों के आधार पर 23 अगस्त 2024 को एटीएस के साथ संयुक्त टीम ने दबिश दी। सबसे पहले हजारीबाग से एटीएस की टीम ने फैजान अहमद को गिरफ्तार किया। इसके बाद दिल्ली पुलिस से मिले इनपुट के आधार पर रांची के बरियातू जोड़ा तालाब के अल हसन रेसिडेंसी में एटीएस की टीम ने दबिश दी, जहां से एटीएस की टीम ने इश्तियाक को गिरफ्तार किया था।

16 अगस्त 2024 को भी हुई थी शाहबाज के घर पर छापेमारी

16 अगस्त 2024 को एटीएस की टीम ने लोहरदगा में कुडू के हेंजला कौवाखाप गांव में छापेमारी की थी। एटीएस की टीम यहां अलताफ उर्फ इल्ताफ की तलाश में पहुंची थी लेकिन, वह घर में नहीं मिला। छापेमारी के दौरान उसके घर से दो हथियार और कई आपत्तिजनक दस्तावेज बरामद किए गए थे। इस दौरान शाहबाज के घर पर भी छापेमारी की गई थी, लेकिन वह फरार मिला था।

आज कोर्ट में किया जाएगा पेश

गिरफ्तारी के बाद संदिग्ध आतंकी शाहबाज अंसारी से पूछताछ की गई, लेकिन उसे कोर्ट में पेश नहीं किया गया। जानकारी के अनुसार, स्पेशल ब्यूरो उसे शनिवार को रांची सिविल कोर्ट में पेश करेगा। कोर्ट से आदेश मिलने के बाद उसे ट्रांजिट रिमांड पर दिल्ली ले जाया जाएगा। वहां पूछताछ के बाद अहम खुलासे की जानकारी मिलने की बात कही जा रही है। ऐसा बताया जा रहा है कि इसके बाद झारखंड से और आतंकियों की गिरफ्तारी की संभावना है। झारखंड में आतंकी गतिविधियों पर नकेल कसने के लिए हर स्तर पर तैयारी कर ली गई है।

दो नामजद संदिग्धों समेत कई अन्य लोगों को लिया गया है हिरासत में

मेरठ में एक ही परिवार के पांच लोगों की हत्या

MEERUT @ PTI : शहर की घनी आबादी वाली बस्ती सुहेल गार्डन में एक ही परिवार के पांच लोगों की हत्या कर दी गई और सभी के शव उनके अपने घर में पाए गए। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी देते हुए कहा कि मृतकों में शामिल माता-पिता के शव चादर में लिपटे पाए गए जबकि उनकी तीन बच्चियों के शव बोरे में भरकर बेड के बॉक्स में रखे गए थे। मृतकों में एक साल की बच्ची भी शामिल है। मेरठ शहर को दहला देने वाली ये हत्याएं गुरुवार की रात को सामने आईं। पुलिस ने बताया कि इन हत्याओं के लिए दो नामजद संदिग्धों समेत कई अन्य लोगों को हिरासत में लिया गया है। पुलिस ने बताया कि माता-पिता के शव चादर में लिपटे हुए थे और पांचों शवों के सिर पर गहरी चोट और गर्दन पर कटे के निशान थे। पुलिस ने मरने वालों की पहचान मोइन उर्फ मोइनुद्दीन (52), उनकी पत्नी आसमां (45) और उनकी तीन बेटियों अफशां (आठ वर्ष), अजीजा (चार वर्ष) और अदीबा (एक वर्ष) के रूप में की।

पुरानी दुश्मनी का मिल रहा संकेत

थाना लिसाड़ी गेट पुलिस के अनुसार, देर रात आसमां के भाई शमीम ने तहरीर दी जिसमें आसमां की देवरानी नजराना और उसके दो भाइयों को नामजद किया है। पुलिस ने तीन नामजद और दो अज्ञात पर मुकदमा दर्ज किया है। इनमें दो नामजद आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। एसएसपी ने आगे कहा कि मृतकों में से एक के पैर एक चादर से बंधे पाए गए, एक फोरेंसिक टीम और वरिष्ठ अधिकारी साक्ष्य एकत्र कर रहे हैं। परिवार हाल ही में इस क्षेत्र में आया था।

नई उम्मीद : दहाड़ के आधार पर पहचान कर बचाने की हर संभव होगी कोशिश

विलुप्ति की ओर बढ़ रहे तेंदुओं का होगा विशेष संरक्षण

PHOTON NEWS @ RESEARCH DESK : जैव पारिस्थितिकी तंत्र में सभी जीवों यानी पेड़–पौधों और प्राणियों का अपना महत्व होता है। उनका अस्तित्व और उनकी गतिविधियां ईकोसिस्टम के संतुलन के लिए आवश्यक है। सबके आवास और भोजन संबंधी प्राकृतिक व्यवस्था का सुरक्षित रहना भी जरूरी है। जलवायु परिवर्तन और भौगोलिक प्रतिकूलता के कारण असंतुलन पैदा होता है और जीवन के अस्तित्व पर संकट आने लगता है। जो जीव प्रतिकूलता का सामना करते हुए विलुप्ति की ओर बढ़ने लगते हैं, उनकी विशेष सुरक्षा जरूरी हो जाती है। वर्तमान स्थिति में तेंदुए विलुप्ति की ओर तेज गति से बढ़ रहे हैं, इसलिए उनकी सुरक्षा पर खास फोकस किया जा रहा है। इंटरनेशनल यूनियन फॉर कंजर्वेशन ऑफ नेचर (आईयूसीएन) की रेड लिस्ट ऑफ थ्रेटर्ड स्पीसीज के अनुसार, तेंदुओं को विलुप्त होने के रूप में सूचीबद्ध किया गया है। इसका मुख्य कारण निवास स्थान का नुकसान और मानव और वन्यजीव संघर्ष है। अब नई तकनीक से बहुत बड़े क्षेत्रों में तेंदुओं पर नजर रखने में मदद मिलेगी। आबादी का अनुमान लगाने जैसे अधिक जटिल अध्ययनों को बढ़ावा मिलेगा।

जीव वैज्ञानिकों के अनुसार, हर तेंदुए की होती है अलग प्रकार की दहाड़

अनुसंधानकर्ताओं ने दहाड़ के आधार पर उनकी सुरक्षा की निकाली तरकीब

पहली बार की गई इस प्रकार की स्टडी

हाल में हुए विशेष अध्ययन से यह महत्वपूर्ण जानकारी मिली है कि अलग–अलग तेंदुओं को उनकी दहाड़ के आधार पर पहचान की जा सकेगी। इससे उनके संरक्षण में सुविधा होगी। अध्ययन में यह तथ्य सामने आया है कि हर तेंदुए की अपनी अलग दहाड़ होती है। बड़े मांसाहारियों के पहले बड़े पैमाने पर कैमरा ट्रैप और रिकॉर्डिंग सर्वेक्षण में शोधकताओं ने 93 फीसद सटीकता के साथ उनकी आवाज से हर एक तेंदुए की पहचान का दावा किया है।

- तंजानिया के न्येरेरे नेशनल पार्क के 450 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में किया गया विशेष रिसर्च
- बड़े पैमाने पर कैमरा ट्रैप और रिकॉर्डिंग सर्वेक्षण में पहचानी गई आवाज
- अस्थायी पैटर्न का विश्लेषण करने के लिए हुआ मॉडलिंग सिस्टम का इस्तेमाल
- रिमोट सेंसिंग इन ईकोलॉजी एंड कंजर्वेशन में प्रकाशित की गई है विशेष जानकारी

एक किलोमीटर दूर से सुनी जा सकती है आवाज

विशेषज्ञों ने बताया है कि तेंदुओं की दहाड़ अनोखी होती है। इनकी कम आवृत्ति वाली दहाड़ कम से कम एक किलोमीटर दूर से सुनी जा सकती है। आमतौर पर नर तेंदुए दहाड़कर अपने क्षेत्र की रक्षा करते हैं और मादा तेंदुए साथी को आकर्षित करती हैं। अपने शावकों को बुलाती हैं। तेंदुओं की दहाड़ एक विशिष्ट गहरी और कर्कश आवाज होती है, जिसे अक्सर आरा लगाना कहा जाता है। नर और मादा दोनों तेंदुए ये आरी चलाने वाली आवाजें निकालते हैं। तेंदुए कई तरह की गुर्राहटें, झपट्टा, म्याऊं, घुरघुराहट और फुंफकारें भी निकालते हैं।

नीरज चोपड़ा चुने गए 2024 के सर्वश्रेष्ठ भाला फेंक खिलाड़ी

NEW DELHI : पेरिस ओलंपिक के रजत पदक विजेता भारतीय खिलाड़ी नीरज चोपड़ा को विश्व स्तर पर प्रसिद्ध अमेरिकी पत्रिका 'ट्रैक एंड फील्ड न्यूज' ने 2024 में भाला फेंक में दुनिया का सर्वश्रेष्ठ पुरुष एथलीट करार दिया है। पिछले साल ओलंपिक खेलों में पाकिस्तान के अरशद नदीम के बाद दूसरे स्थान पर रहने वाले 27 वर्षीय चोपड़ा ने कैलिफोर्निया स्थित पत्रिका की 2024 की रैंकिंग में शीर्ष स्थान हासिल किया है। उन्होंने ग्रेनेडा के दो बार के विश्व चैंपियन एंडरसन पीटर्स को पीछे छोड़ा। नदीम इस सूची में पांचवें स्थान पर हैं, क्योंकि उन्होंने ओलंपिक के अलावा केवल एक अन्य प्रतियोगिता पेरिस डायमंड लीग में हिस्सा लिया था जिसे वह चौथे स्थान पर रहे थे। पेरिस ओलंपिक में उन्होंने 92.97 मीटर भाला फेंककर स्वर्ण पदक जीता था जबकि चोपड़ा ने 89.45 मीटर के साथ रजत पदक हासिल किया था। यह पत्रिका 1948 से प्रकाशित हो रही है और खुद को खेलों की बाइबल मानती है। वह हर साल विश्व और अमेरिकी रैंकिंग प्रकाशित करती है। चोपड़ा 2023 की पुरुषों की भाला फेंक रैंकिंग में भी शीर्ष स्थान पर थे। चोपड़ा ने वर्ष 2024 में कोई डायमंड लीग प्रतियोगिता नहीं जीती तथा वह दोहा, लॉजेन और ब्रुसेल्स में दूसरे स्थान पर रहे। पिछले साल उनकी एकमात्र बड़ी जीत फिनलैंड के तुर्कू में पावो नूरमी खेलों में थी।

बाबूलाल मरांडी ने रघुवर को दिलाई बीजेपी की सदस्यता

लोगों का अभिवादन स्वीकार करते रघुवर। • फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS RANCHI : शुक्रवार को झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और ओडिशा के पूर्व राज्यपाल रघुवर दास ने बीजेपी की सदस्यता ग्रहण की। प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने रघुवर दास को पार्टी की सदस्यता दिलाई। सदस्यता ग्रहण करने के बाद रघुवर ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा और वीरों की पावन भूमि झारखंड राज्य की भूमि पर पुरानी भूमिका में लौटकर ऐसा लग रहा है कि जैसे मां के आंचल में वापस आया हूं। राज्यपाल होना गरिमा की बात होती है, लेकिन, संगठन का दास होना गर्व की बात होती है। उन्होंने कहा कि 10 जनवरी का दिन मेरे लिए ऐतिहासिक दिन है, जहां मैं राष्ट्र की राजनीति करने वाले एकमात्र लोकतांत्रिक पार्टी भारतीय जनता पार्टी की 1980 के बाद दूसरी बार सदस्यता ले रहा हूं। रघुवर ने कहा कि 26 अक्टूबर, 2023 को नई दिल्ली में राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा को ओडिशा का राज्यपाल बनने से पूर्व मैंने पार्टी की सदस्यता से इस्तीफा सौंपा था। यह मेरे लिए भावुक पल था। आज दूसरी बार सदस्यता लेते हुए मुझे काफी खुशी हो रही है। इसके लिए राष्ट्रीय नेतृत्व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह, राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी समेत झारखंड के हमारे प्यारे कार्यकताओं के प्रति आभार प्रकट करता हूं।

- बोले रघुवर- संगठन का दास होना गर्व की बात
- 1980 के बाद भारतीय जनता पार्टी की दूसरी बार ले रहा हूं सदस्यता
- भाजपा प्रदेश कार्यालय पहुंचने पर कार्यकर्ताओं ने किया जोरदार स्वागत

जनादेश का करता हूं सम्मान

रघुवार ने कहा कि झारखंड की जनता ने जो जनादेश दिया है, मैं उसका सम्मान करता हूं। झारखंड की जनता ने गठबंधन की सरकार को राज करने का बहुमत दिया है। 'इंडी' गठबंधन ने चुनाव में जो वादे किए थे, उसी के आधार पर उन्हें जनादेश मिला है। साथ ही जनता ने विपक्ष को भी मजबूती के साथ सरकार पर दबाव बनाने का जनादेश दिया है।

लोहरदगा में दुष्कर्म के बाद बच्ची की हत्या के दोषी को फांसी की सजा

2022 को हुई थी घटना, आरोपी ने बच्ची को गला दबाकर मारा, फिर बोरे से छिपा दिया था

AGENCY LOHARDAGA : जिले के बगडू थाना क्षेत्र अंतर्गत अरेया गांव की एक नाबालिग बच्ची से दुष्कर्म के बाद उसकी हत्या करने के दोषी को जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्रथम सह विशेष न्यायाधीश पॉस्को एक्ट अखिलेश कुमार तिवारी ने फांसी की सजा सुनाई है। अरेया निवासी आरोपी इंदर उरांव (25) को धारा 302 में दोषी पाते हुए फांसी की सजा जबकि पॉस्को एक्ट में सश्रम आजीवन कारावास (मृत्यु पर्यंत) एवं पच्चीस हजार रुपये जुर्माना की सजा दी गई है।

उल्लेखनीय है कि 24 दिसंबर, 2022 को दोपहर तीन बजे अरेया गांव में एक छोटी बच्ची सहेलियों के साथ खेल रही थी। इसी बीच इंद्र उरांव वहां पहुंचता है और छोटे-छोटे बच्चों को पांच-पांच रुपये देकर चॉकलेट खरीदने भेज देता है। एक छोटी बच्ची को 50 रुपये देकर साथ में लेकर घूमता है। जब उसकी मां बच्ची को ढूंढती है तो बच्ची नहीं मिली। मां ने इंदर उरांव से पूछा कि उसकी बच्ची कहां है तो वह घबरा गया और भागने लगा। इस दौरान महिला ने इंदर उरांव को पकड़ लिया तो उसने हाथ छुड़ाने के उद्देश्य से उसका गला दबाकर मारने का प्रयास किया। इसी बीच गांव में भीड़ इकट्ठी हो गई तो कुछ लोगों ने कहा कि बच्ची के साथ इंदर उरांव घूम रहा था। जब ग्रामीणों ने उससे कड़ाई से पूछा तो उसने बताया कि सुजीत उरांव के घर के पीछे बच्ची से रेप करने का प्रयास कर रहा था तो वह रोने लगी, जिसके कारण डर से गला दबाकर उसकी हत्या कर दी और गेंदा फूल के पौधे से उसके शरीर पर बोरा डालकर सुला दिया ताकि किसी को कुछ पता ना चल सके। इस संबंध में बगरू थाना में उसके खिलाफ मामला दर्ज हुआ था। न्यायालय ने पूरे मामले में सुनवाई करने के बाद दोषी को फांसी की सजा सुनाई। सरकार की तरफ से लोक अभियोजक मिनी लकड़ा ने बहस की जबकि बचाव पक्ष की ओर से नारायण साहू ने पक्ष रखा। न्यायालय के इस फैसले के बाद बच्ची के परिजनों ने कहा कि बच्ची तो अब इस दुनिया में नहीं है लेकिन इस सजा से वैसे लोगों को एक सबक मिलेगा, जो इस तरह के कुकृत्य करते हैं। उल्लेखनीय है कि इसके पूर्व 2014 में लोहरदगा में एक बच्ची की हत्या के दोषी अलबेल को फांसी की सजा सुनाई गई थी।

अवैध फैक्ट्री का खुलासा 30 लाख की दवा बरामद

PALAMU : पलामू प्रमंडल अंतर्गत गढ़वा जिले की मेराल थाना पुलिस ने शुक्रवार को नकली कीटनाशक दवा बनाने वाली मिनी फैक्ट्री का खुलासा किया है। बस स्टैंड के समीप कर्बला रोड में एक घर से पुलिस ने करीब 30 लाख की नकली कीटनाशक दवा लिथल क्लॉरपाईरीफॉर्म बरामद किया। पुलिस अधीक्षक गढ़वा को जानकारी मिली थी कि मेराल के एक घर में बड़े पैमाने पर नकली कीटनाशक दवा तैयार कर बेचा और आपूर्ति की जाती है। इसी आलोक में छापेमारी कर गीता देवी के घर से रेपर एवं तैयार नकली दवा जब्त की गयी। कंपनी के जांचकर्ता प्रमुख रंजीत कुमार सिंह एवं सहयोगी गोपाल कुमार झा ने नकली दवा में प्रिंट किया गया। दवा की कीमत लगभग तीस लाख रुपए बताया।

जंगली बिल्ली प्रजाति के नवजात का मिला शव, भयभीत रहे लोग

PALAMU : गढवा जिले के रमकंडा प्रखंड के बैरिया जंगल में शुक्रवार को एक जंगली जानवर के नवजात का शव मिला। मवेशी चराने गये चरवाहों की सूचना पर वनकर्मियों ने मामले की जांच की। मृत नवजात को कब्जे में लेकर इसकी पहचान के लिए भंडरिया वन परिसर ले गये। जंगली बिल्ली प्रजाति के नवजात के रूप में की गयी। हालांकि लोग तेंदुआ का बच्चा समझकर भयभीत रहे। जानकारी के अनुसार चरवाहों की सूचना पर उक्त जंगली जानवर के नवजात को देखने के लिये ग्रामीणों की भीड़ लग गयी। ग्रामीण उसे तेंदुआ का मृत बच्चा समझकर उसे गांव ले आये, जिसके बाद वनकर्मियों ने कब्जे में ले लिया।

दो बाइक की टक्कर में पति की मौत, पत्नी घायल

अस्पताल पहुंचे परिजन ● फोटोन न्यूज

KHUNTI : खूंटी-रांची मुख्य मार्ग पर तजना नदी के पास गुरुवार देर रात दो मोटरसाइकिलों के बीच हुई सीधी टक्कर में बेलांगी निवासी दिनेश महतो की मौत हो गई, जबकि दिनेश की पत्नी रानी देवी गंभीर रूप से घायल हो गई। मृतक का शुक्रवार को सदर अस्पताल में पोस्टमार्टम कराने के बाद पुलिस ने शव परिजनों को सौंप दिया। घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार दिनेश महतो और उनकी पत्नी गुरुवार रात को खूंटी से अपने गांव बेलांगी जा रहे थे। तजना नदी के पास विपरीत दिशा से आ रही एक बाइक ने दिनेश की बाइक को ठोकर मार दी। इससे दिनेश और उनकी पत्नी घायल हो गये। स्थानीय लोगों की मदद से दोनों को केएस गंगा अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने दिनेश महतो को मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष काशीनाथ महतो अस्ताल पहुंचे और मृतक के परिजनों से मिलकर ढांढस बंधाया। काशीनाथ महतो ने कहा कि दिनेश महतो भाजपा के समर्पित कार्यकर्ता थे।

BRIEF NEWS

रामगढ़ में डीसी ने बांटे कंबल

RAMGARH : रामगढ़ जिले में बढ़ती ठंड की वजह से आम जनजीवन काफी प्रभावित हुआ है। न्यूनतम तापमान 6 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच चुका है। शाम ढलने के बाद ठंड की वजह से सड़कों पर भी लोग कम ही निकल रहे हैं। लेकिन कुछ ऐसे लोग इस हाड़ कंपा देने वाली ठंड में सड़क पर ही रहने को मजबूर हैं। ठंड में लोगों के बीच रात में डीसी चंदन कुमार और एसपी अजय कुमार पहुंचे।उन्होंने उन जरूरतमंद लोगों को कंबल ओढ़ाया और ठंड से राहत दी। बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन और सड़कों पर ठंड से परेशान लोगों को जब कंबल की गर्माहट मिली, तो उन्होंने जिला प्रशासन को धन्यवाद दिया।

टाटानगर से चलने वाली 4 ट्रेनें कल से एक सप्ताह रहेंगी रद्द

JAMSHEDPUR : चक्रधरपुर रेल मंडल में विकासात्मक कार्यो के कारण टाटानगर से चलने वाली कई ट्रेनें रविवार से एक सप्ताह तक रद्द रहेंगी। रेलवे द्वारा जारी सर्कुलर के मुताबिक टाटा-आसनसोल-टाटा, टाटा-बरकाकाना-टाटा, झारग्राम-पुरुलिया, आसनसोल-टाटा-आसनसोल मेमू ट्रेन शामिल हैं। वहीं धनबाद-टाटानगर-धनबाद स्वर्णरेखा एक्सप्रेस 12, 13, 15 और 16 जनवरी को आद्रा में शॉर्ट टर्मिनेट होगी। आसनसोल-टाटानगर-आसनसोल मेमू 13 और 16 जनवरी को पुरुलिया में शॉर्ट टर्मिनेट रहेगी। इसके साथ ही रांची-हावड़ा-रांची इंटरसिटी 16 जनवरी को कोटशिला-राजाबेड़ा-जमुईटांड़-आद्रा-मिदनापुर-खड़गपुर के रास्ते चलेगी।

कोडरमा में अवैध खनन रोकने को छापेमारी, पोकलेन जब्त

KODERMA : कोडरमा ज़िले के वन्य प्राणी आश्रयणी क्षेत्र में खनन माफियाओं के द्वारा अवैध खनन बड़े पैमाने पर जारी है। वन प्रमंडल पदाधिकारी वन्य प्राणी प्रमंडल सूरज कुमार के निर्देश पर वन विभाग की टीम ने गुरुवार रात छापेमारी कर एक पोकलेन जब्त किया है। कोडरमा क्षेत्र के इंदरवा चितरपुर स्थित लोमचांची जंगल में अवैध माइका खनन को लेकर छापेमारी की गई। छापेमारी के दौरान टीम ने अवैध खनन में लगे एक पोकलेन मशीन को जब्त किया। छापेमारी के क्रम में अंधेरे का लाभ लेकर चालक फरार हो गया। इस मामले में अवैध खनन को लेकर अवैध उत्खनन में लगे लोगों को चिन्हित करते हुए आवश्यक कार्यवाही की जा रही हैं। रेंजर ने शुक्रवार को बताया कि उनलोगों के ऊपर वन अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया जाएगा। जब्त वाहनों को कोडरमा वन विभाग परिसर में जब्त कर रखा गया है। मौके पर वनपाल प्रभारी उस्मान अंसारी, छत्रपति शिवाजी, दुर्गा माहतो, गोपाल यादव के अलावे हजारीबाग की टीम भी मौजूद थी। उल्लेखनीय है कि विगत 11 दिसंबर को भी वन विभाग के द्वारा लोमचांची मे छापेमारी कर-के तीन शक्तिमान और एक पोकलेन को जब्त किया गया था।

मौके पर मिली पोकलेन मशीन

बिना हेलमेट और बिना सीट बेल्ट के चल रहे लोगों को डीटीओ ने पहनाई माला

RAMGARH : राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के अवसर पर शुक्रवार को जिला परिवहन पदाधिकारी मनीषा वत्स के नेतृत्व में सड़क दुर्घटनाओं को रोकने, यातायात नियमों का पालन कराने के लिए लोगों में जागरूकता लाने को लेकर जिले के विभिन्न चौक चौराहों पर अभियान चलाया गया। इस दौरान बिना हेलमेट और बिना सीट बेल्ट लगाए हुए चल रहे चालकों को माला पहना एवं गुलदस्ता देकर शमिंर्दा किया गया। साथ ही वाहन चलाते समय हेलमेट एवं सीट बेल्ट का प्रयोग जरूर से जरूर करने की अपील की गई। मौके पर जिला परिवहन पदाधिकारी मनीषा वत्स ने जिले के विभिन्न चौक चौराहों पर वाहन चालकों को सड़क सुरक्षा के नियमों के संबंध में जानकारी देकर लोगों को जागरूक किया।

गोमिया में पुल निर्माण में कार्यरत मुंशी को नक्सलियों ने किया अगवा

अपहरण का सुराग पाने के लिए पुलिस का सर्च ऑपरेशन जारी

PHOTON NEWS BERMO : गोमिया प्रखंड के अति नक्सल प्रभावित क्षेत्र चतरोचट्टी थाना क्षेत्र के नरकंडी गांव में पुल निर्माण कार्य में लगे मुंशी झाजी को गुरुवार रात को नक्सलियों ने अगवा कर लिया, जिसका अब तक कोई सुराग नहीं मिल सका है। घटना के 18 घंटे बाद भी पुलिस अगवा मुंशी को मुक्त करने में काफी दूर नजर आ रही है। कंस्ट्रक्शन कंपनी के मुंशी को किस उद्देश्य से अगवा किया गया है, इसका कुछ पता नहीं चल सका है। इधर, इस तरह की घटना की जानकारी मिलने के बाद गोमिया पुलिस सर्किल इंस्पेक्टर महेश प्रसाद सिंह, चतरोचट्टी थाना प्रभारी दीपक राणा समेत कई अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचकर छानबीन कर रहे हैं। जानकारी के अनुसार चिपरी और नरकंडी गांव के बीच बहने वाली कोणी नदी में उच्चस्तरीय पुल का निर्माण किया जा रहा है। बीती रात को हथियार से लैस नक्सली आए थे। नक्सली दस्ते ने मुंशी को पकड़ा और अपने साथ लेकर जंगल की ओर चले गए हैं।। बताया गया कि इस दौरान मुंशी के साथ मारपीट भी की गई है।

यहीं से हुआ मुंशी का अपहरण ● फोटोन न्यूज

पुल निर्माण कार्य मे मजदूरी कर रहे चेतलाल महतो, भीम महतो, मारवाड़ी महतो आदि ने बताया कि वे सुबह 9 बजे से 5 बजे शाम तक काम करते हैं, गुरुवार को काम समाप्त करने के बाद तक मुंशी झाजी उनके साथ थे किंतु शुक्रवार को काम पर पहुंचे तो निर्माण साईट पर पुलिस को देखकर चौक गए। पूछताछ मे पता चला कि मुंशी झाजी को रात में किसी के द्वारा अगवा कर लिया गया है। वे पुल के नजदीक ही एक किराए के मकान मे रहकर काम संभालते थे। घटना के बाद निर्माण एजेंसी के अन्य कर्मचारी भी दहशत में हैं। वहीं घटना के संबंध सर्किल इंस्पेक्टर महेश प्रसाद सिंह ने कहा पूरे मामले की जानकारी ली जा रही है, पुलिस बल की मदद से अपहृत मुंशी को ढूंढने के लिए सर्च अभियान चला जा रही है।

जेजेएमपी सुप्रीमो पप्पू लोहरा समेत तीन के घर पुलिस ने चिपकाए इश्तेहार

AGENCY PALAMU : पलामू जिले की सतबरवा पुलिस ने शुक्रवार को लातेहार जिले में लंबे समय से फरार चल रहे नक्सली संगठन जेजेएमपी के सुप्रीमो पप्पू लोहरा समेत तीन के घर पर इश्तेहार चिपकाया। घर के अलावा सार्वजनिक जगह पर इश्तेहार लगाकर सभी को न्यायालय में उपस्थित होने का निर्देश दिया है। उपस्थित नहीं होने पर कुर्की की कार्रवाई करने की चेतावनी दी है। सतबरवा पुलिस ने बालूमाथ थाना के बालू गांव में फरार उग्रवादी लवलेश जी उर्फ लवलेश गंझू के घर इश्तेहार चिपकाया। इसमें बालूमाथ पुलिस ने भी सहयोग किया। घर एवं सार्वजनिक स्थान पर इश्तेहार लगाते हुए पुलिस ने परिजन और आम लोगों से फरार उग्रवादी को जल्द कोर्ट में सरेंडर करने का निर्देश दिया। केस के अनुसंधानकर्ता सतबरवा के थाना प्रभारी विश्वनाथ कुमार राणा ने शुक्रवार को बताया कि एक सितंबर को सतबरवा थाना में (कांड संख्या 92/23) आर्म्स एक्ट और 17 सीएलए एक्ट के तहत दर्ज किया गया था। मामले में लवलेश जी उर्फ लवलेश गंझू के घर पर ढोल बजाकर इश्तेहार चिपकाया गया। उन्होंने बताया कि आरोपित करीब डेढ़ वर्षों से फरार चल है। वहीं दूसरी ओर लातेहार के सदर प्रखंड के कोने गांव में पप्पू लोहरा तथा गोदना गांव में शिव सिंह उर्फ शिव जी के घर भी इश्तेहार चिपकाया गया। इनके खिलाफ भी सतबरवा थाना में मामला दर्ज था। इसी तरह जेजेएमपी के ही शिव सिंह उर्फ शिव जी के घर पर भी इश्तेहार लगाया गया।

आरोपी के घर पोस्टर के साथ पुलिसकर्मी व स्थानीय लोग ● फोटोन न्यूज

छात्राओं ने किया नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी का भ्रमण

KHUNTI : जिले के कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय कालामाटी की कक्षा 12वीं की 64 विज्ञान छात्राओं ने हाल ही में नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एनआईटी) जमशेदपुर का शैक्षणिक दौरा किया। यह प्रेरणादायक दौरा संपूर्ण शिक्षा कवच कार्यक्रम के तहत आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य छात्राओं को प्रतिस्पर्धात्मक परीक्षाओं के लिए तैयार करना और उनके शैक्षणिक दृष्टिकोण को व्यापक बनाना है। एनआईटी जमशेदपुर के प्रोफेसर और छात्रों ने इस शैक्षणिक यात्रा का आयोजन अत्यंत सुव्यवस्थित तरीके से किया।

चुट्टूपालू घाटी में एलपीजी गैस का टैंकर पलटा, जाम हुआ एनएच 33

AGENCY RAMGARH : रामगढ़ जिले के चुट्टूपालू घाटी में शुक्रवार को एलपीजी गैस का टैंकर पलट गया। इस हादसे के बाद राष्ट्रीय राजमार्ग 33 पूरी तरीके से जाम हो गया है। गड़के मोड़ के पास एलपीजी गैस से लदा एक टैंकर अनियंत्रित होकर बीच सड़क पर पलट गया, जिससे रांची-पटना मुख्य मार्ग एनएच 33 का घाटी इलाका पूरी तरह जाम हो गया। एलपीजी गैस टैंकर पारादीप से काठमांडू जा रहा था। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची रामगढ़ पुलिस ने हाइड्रा और क्रेन के साथ-साथ फायर ब्रिगेड की गाड़ियों को बुलाकर एलपीजी गैस से भरे टैंकर को उठाने का प्रयास कर रही है। एलपीजी गैस टैंकर से कोई गैस लीक नहीं हुई और किसी तरह की कोई हानि नहीं हुई। गैस कंटेनर के चालक मो. शमशेर आलम ने बताया कि घाटी के ऊपर रुककर उसने चाय पी और फिर उसने टैंक को बाहर निकाला। घाटी में उसने देखा कि आगे एक ट्रेलर खराब हो गया है, उसने जैसे ही गाड़ी से पास लिया पीछे से रेलवे स्लैब लदे एक खुले ट्रेलर ने उसे साइड से जोरदार टक्कर मार दी और हजारीबाग की ओर भाग गया। इस टक्कर से वह अनियंत्रित हो गया और डिवाइडर से टकराया और सड़क के बीचोंबीच पलट गया। टैंकर में ज्वलनशील पदार्थ एलपीजी गैस थी और उसे नेपाल के काठमांडू ले जाया जा रहा था। रामगढ़ थाना प्रभारी कृष्ण कुमार ने बताया कि घाटी क्षेत्र में एलपीजी गैस टैंकर के दुर्घटनाग्रस्त होने की सूचना मिली थी, जिसके बाद क्रेन हाइड्रा और फायर ब्रिगेड को बुलाकर टैंकर को उठाने का प्रयास किया जा रहा है। दुर्घटना के कारण घाटी पूरी तरह से जाम हो गया है।

घटनास्थल पर टैंकर को सीधा करता लिफ्टर ● फोटोन न्यूज

39 ज्ञान केंद्रों का हुआ उद्घाटन, उपायुक्त ने जिलेवासियों से पुरानी किताबें दान करने का किया आग्रह

पंचायत भवन में तैनात किए जाएंगे रात्रि प्रहरी

- डिजिटल पंचायत योजना को प्रभावी बनाने के लिए डीसी ने दिए दिशा-निर्देश
- कहा- सभी पंचायतें की जाएंगी सुविधाओं से लैस

AGENCY RAMGARH : रामगढ़ जिला पंचायती राज कार्यालय की ओर से किए जा रहे कार्यों को लेकर शुक्रवार को डीसी चंदन कुमार की अध्यक्षता में समाहरणालय में समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक के दौरान जिला पंचायतीराज पदाधिकारी निशा कुमारी सिंह के द्वारा पीपीटी प्रेजेंटेशन के माध्यम से पंचायती राज कार्यालय द्वारा किए जा रहे कार्यों, संचालित योजनाओं आदि की जानकारी उपायुक्त, उपविकास आयुक्त सहित अन्य उपस्थित अधिकारियों को दी गई। पंचायत सुदृढ़ीकरण योजना के तहत जिले के अलग-अलग प्रखंडों में स्थित पंचायत भवनों में किए जाने वाले कार्यों की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने पंचायत भवनों में वर्तमान में रात्रि प्रहरी की व्यवस्था से संबंधित प्रतिवेदन 3 दिनों के अंदर उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। साथ ही प्राप्त राशि के व्यय हेतु योजना बनाते हुए एक सप्ताह के अंदर प्रतिवेदन उपलब्ध कराने का निर्देश दिया।

बैठक करते उपायुक्त चंदन कुमार (लाल कोट में) ● फोटोन न्यूज

पंचायत ज्ञान केंद्र की समीक्षा के क्रम में जिला पंचायती राज पदाधिकारी द्वारा जानकारी दी गई की पूर्व से चिन्हित 47 पंचायत में 39 पंचायत में पंचायत ज्ञान केंद्र का उद्घाटन 10 जनवरी 2025 को किया जा रहा है। जिस पर उपायुक्त ने शेष पंचायतों में भी जल्द से जल्द पंचायत ज्ञान केंद्र शुरू करने के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए। मौके पर उपायुक्त ने जिले वासियों को पंचायत ज्ञान केंद्र के सफल संचालन के लिए पुरानी किताबें दान कर अथवा किसी अन्य माध्यम से सहयोग करने के प्रति जागरूक करने का निर्देश दिया। डिजिटल पंचायत योजना के अंतर्गत हो रहे विकास कार्यों की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने पंचायत भवनों के माध्यम से जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र सहित निर्गत किए जाने वाले अन्य दस्तावेजों को लेकर डिजिटल पंचायत योजना का प्रभावी संचालन सुनिश्चित करने के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिए। 15 वे वित्त आयोग के तहत हो रहे कार्यों के संबंध में उपायुक्त ने टाइड एवं अनटाइड फंड के तहत ली गई योजनाओं एवं उनके तहत पूर्ण किए गए कार्यों की जानकारी लेते हुए जल्द से जल्द लंबित कार्यों को पूर्ण करने का निर्देश दिया।

चौकीदार पद के लिए 424 अभ्यर्थियों ने लगाई दौड़

HAZARIBAG : हजारीबाग जिला अंतर्गत चौकीदार के रिक्त पदों पर सीधी नियुक्ति के लिए शुक्रवार को प्रथम दिन का 414 अभ्यर्थियों ने दौड़ लगाई। कर्जन ग्राउंड में हुई शारीरिक परीक्षा में महिला वर्ग से 62 एवं पुरुष वर्ग से 362 अभ्यर्थी शामिल हुए। ज्ञात हो कि चौकीदार पदों पर नियुक्ति के लिए हुई लिखित परीक्षा में कुल 677 उत्तीर्ण हुए हैं, जिनमें 424 अभ्यर्थियों ने आज दौड़ लगाई। शेष बचे अभ्यर्थियों की शारीरिक माप एवं जांच परीक्षा का आयोजन 11 जनवरी को को कर्जन ग्राउंड, नियर पुराना बस स्टैण्ड, हजारीबाग में किया जाएगा। अभ्यर्थी सुबह 6 बजे से कर्जन ग्राउंड, हजारीबाग में उपस्थित होकर दौड़ में हिस्सा लेंगे। इसके साथ ही उन्हें आवश्यक कागजात लाना अनिवार्य होगा।

रेलवे में 1036 पदों के लिए वैकेंसी, रांची में 22 पोस्ट

JAMSHEDPUR : रेलवे भर्ती बोर्ड की ओर से टीचर, लाब्रेरियन, ट्रांसलेटर, स्टाफ एंड वेलफेयर इंस्पेक्टर समेत अन्य 1036 पदों के लिए वैकेंसी निकाली गई है। इस भर्ती के ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। 6 फरवरी तक फॉर्म भरे जाएंगे। इसमें प्राइमरी टीचर से लेकर मिडिल और हाई-हायर सेकेंडरी टीचर तक के पद हैं। जानकारी के मुताबिक सबसे अधिक पद रेलवे भर्ती बोर्ड गुवाहाटी के लिए 169, जबकि बिलासपुर के 153 पद हैं। इसी तरह आरआरबी कोलकाता 130, मुंबई के तहत 112 पद, चेन्नई 76, प्रयागराज 88, भोपाल 66, पटना, 54, मालदा 41, गोरखपुर 49, चंडीगढ़ 22, जम्मू-श्रीनगर 3, अहमदाबाद 4, अजमेर 9, बंगलुरू 12, रांची 22, सिकंदराबाद 16 पद। परीक्षा के लिए आवेदन शुल्क 500 रुपये है। परीक्षा में शामिल होने पर इसमें से 400 रुपये वापस हो जाएंगे। इसी तरह महिलाओं के लिए यह शुल्क 250 रुपये है। परीक्षा में शामिल होने पर पूरे पैसे वापस हो जाएंगे।

मालूम हो कि रेलवे भर्ती बोर्ड की परीक्षाओं में विभिन्न कारणों से फॉर्म निरस्त किए जाते हैं। इसलिए आवेदन करते समय इस पर जरूर ध्यान दें। फॉर्म निरस्त होने के कुछ कारण बताए गए हैं। जैसे आवेदन में जिस फोटो का उपयोग कर रहे हैं, वह अच्छी क्वालिटी का होना चाहिए। चेहरा साफ दिखना चाहिए। खराब फोटो, ग्रुप फोटो, फुल बॉडी व्यू, साइड व्यू, फोटोकॉपी फोटोग्राफ समेत अन्य होने पर फार्म निरस्त हो जाएगा। इसी तरह आवेदन में हस्ताक्षर ब्लॉक व कैपिटल लेटर में नहीं करें, इससे भी फार्म निरस्त होगा। इसलिए रनिंग हैंडराइटिंग में ही हस्ताक्षर करें।

BRIEF NEWS

मौसम विज्ञान विभाग के 150 साल पूरे होने पर लगा हेल्थ कैंप

RANCHI : भारत मौसम विज्ञान विभाग द्वारा स्थापना के 150 वर्ष पूरा होने पर देशभर में कई कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। 15 जनवरी तक कार्यक्रम होंगे। इसी क्रम में मौसम केंद्र रांची ने शुक्रवार 11 से 3 बजे तक एक हेल्थ कैंप लगाया गया। यह कैंप पुराने टर्मिनल भवन स्थित सम्मेलन कक्ष में लगाया गया। आर्किड हॉस्पिटल की ओर से लगाए गए इस कैंप में 15 लोगों ने रक्तदान किया। वहीं फ्री में बीपी, शुगर, ईसीजी, एसपीओ, पल्स और आंखों की जांच की गई। इसमें मौसम केंद्र के अलावा एयरपोर्ट अथॉरिटी के कर्मी, बीसीएएस, एयरलाइंस, सीआईएसएफ के जवानों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। इससे पहले बैडमिंटन प्रतियोगिता में 25 खिलाड़ियों ने भाग लिया।

रांची उपायुक्त से मिलीं क्षेत्रीय पासपोर्ट पदाधिकारी

RANCHI : राज्य की क्षेत्रीय पासपोर्ट पदाधिकारी (आईएफएस) मनिता के. ने शुक्रवार को रांची के उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री से मुलाकात की। समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में उपायुक्त से यह उनकी अनौपचारिक मुलाकात थी। मौके पर उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने उन्हें मोमेंटो एवं शॉल भेंट किया।

रांची में दिनदहाड़े फ्लैट का ताला तोड़कर नकद सहित लाखों की चोरी

RANCHI : शहर के कांके रोड के विद्यापति नगर स्थित ईश्वरी एन्क्लेव में दिनदहाड़े शुक्रवार को लाखों का चोरी का मामला प्रकाश आया है। फ्लैट के मालिक यशवंत सिंह के मुताबिक, घर में कोई नहीं था। दो लोग कार में आये और घर का ताला तोड़कर सात लाख रुपये नकदी और 25 लाख रुपये के आभूषण चोरी कर फरार हो गये। घटना सीसीटीवी में कैद हो गई है। इस संबंध में यशवंत सिंह ने अज्ञात दो चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कराया है। डीएसपी संजीव बेसरा ने बताया कि वारदात की जांच-पड़ताल की जा रही है। सीसीटीवी फुटेज मिला है। जल्द ही आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया जायेगा।

राज्यपाल से पूर्व सांसद और लेफ्टिनेंट जनरल ने की मुलाकात

RANCHI : राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से पूर्व सांसद रवींद्र कुमार राय ने शुक्रवार को राजभवन में शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान राय ने राज्यपाल को नव वर्ष की शुभकामनायें दीं। राज्यपाल ने भी उन्हें नूतन वर्ष की शुभकामनायें दीं। इसके अलावा राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से लेफ्टिनेंट जनरल राम चंद्र तिवारी, जीओसी-इन-सी, पूर्वी कमान ने राजभवन में शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान तिवारी ने राज्यपाल को नव वर्ष की शुभकामनायें दीं। राज्यपाल ने भी उन्हें नूतन वर्ष की शुभकामनायें दीं।

आईटी टावर से युवाओं को मिलेगा रोजगार

मुख्यमंत्री हेमंत ने की सराहना, जियाडा की देखरेख में किया गया विकसित

यह तकनीकी एवं डिजिटल व्यवसायों के लिए बनेगा एक प्रमुख केंद्र

PHOTON NEWS RANCHI : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में झारखंड राज्य सरकार ने तकनीकी और डिजिटल विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। नामकुम रांची में स्थित अत्याधुनिक आईटी टावर राज्य को डिजिटल युग की नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए तैयार है। मुख्यमंत्री ने अपने सोशल मीडिया हैंडल ह्यएक्सह्न पर इस परियोजना की सराहना करते हुए लिखा है कि आईटी टावर झारखंड के युवाओं के लिए कौशल विकास और रोजगार के नए अवसर पैदा करेगा। यह राज्य को तकनीकी और औद्योगिक क्षेत्र में अग्रणी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। आईटी टावर झारखंड

औद्योगिक क्षेत्र विकास प्राधिकरण (जियाडा) की देखरेख में विकसित किया गया है। यह तकनीकी एवं डिजिटल व्यवसायों के लिए एक प्रमुख केंद्र बनेगा। इसका क्षेत्रफल लगभग 40 हजार वर्ग फीट है और इसकी संरचना जी प्लस 5 फ्लोर की है।

30 वर्षों के लिए मिलेगा पट्टा

इसके अलावा रांची क्षेत्रीय कार्यालय ने नामकुम औद्योगिक क्षेत्र में स्थित आईटी टावर के दीर्घकालिक पट्टे के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं जो 30 वर्षों के लिए होंगे। आवेदन की अंतिम तिथि 15 फरवरी 2025 है। झारखंड सरकार इस परियोजना के माध्यम से राज्य को डिजिटल रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। आईटी टावर राज्य के औद्योगिक और आर्थिक विकास में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगा। इसका लाभ आने वाले समय में व्यवसाय के साथ-साथ युवाओं को भरपूर मिलेगा।

तोपचांची झील को पर्यटक स्थल के रूप में पहचान देना प्राथमिकता : सीएम

RANCHI : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि झारखंड में पर्यटन की अपार संभावनाएं विद्यमान हैं। राज्य सरकार धनबाद जिला स्थित तोपचांची झील को एक आकर्षक पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने निमित्त बेहतर कार्य योजना के साथ आगे बढ़ रही है। तोपचांची झील का पर्यावरण के अनुरूप सौंदर्यीकरण कराकर एक बेहतरीन पर्यटन स्थल के रूप में पहचान देना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड प्रकृति की आंचल में बसा राज्य है। यह राज्य जंगलों, पहाड़ियों और नदियों से घिरा है। इस राज्य की खूबसूरती से देश एवं दुनिया के लोग परिचित हों, इस निमित्त टूरिज्म की संभावनाओं पर विशेष कार्य किया जा रहा है।

रांची में नालंदा साइबर क्राइम गैंग के तीन बदमाश हुए गिरफ्तार

अपराधियों की जानकारी देते पुलिस अधिकारी। ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS RANCHI : राजधानी पुलिस ने साइबर थाने के सहयोग से नालंदा बिहार के तीन साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। तीनों साइबर अपराधी रांची में किराए का मकान लेकर वहां से साइबर ठगी का धंधा चला रहे थे। साइबर अपराधियों के अड्डे से कई डिजिटल एविडेंस भी बरामद किए गए हैं। साइबर पुलिस की सहयोग से रांची में बिहार के नालंदा के रहने वाले तीन साइबर ठगों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। रांची के सीनियर एसपी चंदन कुमार सिन्हा को यह सूचना मिली थी कि रांची के खेलगांव में कुछ साइबर अपराधी पनाह लिए हुए हैं। वहीं से देश भर में साइबर ठगी की वारदातों को अंजाम दे रहे हैं। जानकारी मिलने के बाद रांची के सिटी एसपी के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया। जिसमें साइबर थाने की टीम भी शामिल थी। साइबर अपराधियों को गिरफ्तार करने के लिए बनाई गई टीम को यह सूचना मिली कि खेलगांव इलाके में ही एक निर्माणधीन मकान में कुछ संदिग्ध लोग रह रहे हैं, जो लैपटॉप और विभिन्न तरह के उपकरण का प्रयोग दिन भर करते रहते हैं। जानकारी पुख्ता होने के बाद साइबर डीएसपी श्रीनिवास सिंह के नेतृत्व में एक टीम ने उस मकान पर छापा मारा और वहां से तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया। जांच में तीनों साइबर अपराधी निकले। गिरफ्तार साइबर अपराधियों में बिहार के नालंदा के रहने वाले मनोरंजन कुमार, निक्कू कुमार और अखलेश कुमार शामिल हैं। बिहार का नालंदा जिला साइबर अपराधियों का नया गढ़ बनता जा रहा है। नालंदा के साइबर अपराधी हाल के दिनों में झारखंड में सबसे ज्यादा एक्टिव हुए हैं। खास कर राजधानी रांची में किराए का मकान लेकर सबसे ज्यादा नालंदा के साइबर अपराधी ठगी की घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं। इससे पहले भी आधा दर्जन नालंदा के साइबर अपराधी राजधानी रांची से गिरफ्तार हो चुके हैं।

छापेमारी में ये सामान हुए बरामद

छापेमारी के दौरान साइबर अपराधियों के पास से 6 आईफोन, 6 स्मार्टफोन, विभिन्न बैंकों के 9 एटीएम, फर्जी बैंक खाते और चेक बुक के साथ-साथ 16 सिम कार्ड और एक कार बरामद की गई है। रांची के डीएसपी राजकुमार मेहता ने बताया कि गिरफ्तार साइबर अपराधी रिलायंस फाइनेंस कंपनी के नाम पर लोन देने के साथ-साथ डायरेक्ट अपॉइंटमेंट, बैंक कस्टमर केयर, फ्लिपकार्ट कस्टमर केयर आदि के विभिन्न प्रकार से एप बनाकर लोगों से साइबर ठगी किया करते थे। मामले को लेकर रांची के साइबर थाना में एफआईआर दर्ज की गई है।

कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने लापुंग में की मीटिंग, अधिकारियों को दी चेतावनी

सरकारी योजनाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं

15 दिनों में जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र जारी करने का निर्देश, बगैर काम पूरा हुए राशि की कर ली गई निकासी

PHOTON NEWS RANCHI : शुक्रवार को कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने लापुंग प्रखंड कार्यालय में बैठक की। इसमें उन्होंने अधिकारियों को 15 दिनों के अंदर जन्म और मृत्यु प्रमाण पत्र जारी करने की प्रक्रिया को सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। कृषि मंत्री ने कहा कि ग्रामीण इलाकों में अक्सर इस संबंध में शिकायतें आती हैं, जहां लोग प्रमाण पत्र हासिल करने के लिए पंचायत सचिवालय और प्रखंड कार्यालयों के चक्कर लगाते हैं। उन्होंने पंचायत सचिवों को तत्काल इस कार्य को पूरा करने का निर्देश दिया है। उन्होंने सख्त लहजे में कहा कि सरकारी योजनाओं में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक के दौरान मंत्री ने कुआं निर्माण में हुई गड़बड़ी को लेकर नाराजगी जताई। उन्हें जानकारी मिली थी कि बगैर काम पूरा हुए राशि की निकासी कर ली गई है। इतना ही नहीं निकासी के

अधिकारियों के साथ कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की। ● फोटोन न्यूज

बाद योजना के पैसे का बंदरबांट भी कर ली गई। उन्होंने अधिकारियों को सख्त चेतावनी दी कि सरकारी योजनाओं किस कार्यान्वयन में लापरवाही ना बढ़ती जाए। ऐसा करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। चाहे वह कृषि, पशुपालन या अन्य किसी विभाग की योजना हो। उन्होंने कहा कि लाभार्थियों को समय पर योजना का लाभ मिलना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों व कर्मचारियों से कहा कि जहां भी अड़चनें हो, वहां त्वरित समाधान होना चाहिए।

प्रभावित इलाकों में लगेगा कैंप

कृषि मंत्री ने लापुंग में हाथी और जंगली भालू के आतंक को लेकर भी चिंता व्यक्त की। उन्होंने अधिकारियों को बचाव के लिए सुरक्षा उपायों के लिए कैंप लगाने का निर्देश दिया। इस कैंप के माध्यम से हाथियों को भगाने के लिए टॉर्च और पटाखों का उपयोग कैसे किया जाए इसकी जानकारी दी जाएगी। इसके अलावा लोगों को सतर्क रहने के उपाय भी बताए जाएंगे। इसके बाद मंत्री लापुंग के कृषक पाठशाला पहुंची और वहां का निरीक्षण किया। कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग के द्वारा 27 एकड़ में इस कृषक पाठशाला को धरातल पर उतारा गया है। जहां उन्नत कृषि की तकनीकी जानकारी के साथ बकरी और मछली पालन का प्रशिक्षण दिया जाता है। मंत्री ने अधिकारियों को इस परियोजना को और अधिक सुदृढ़ करने के लिए दिशा-निर्देश भी दिए।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की ट्रेनिंग में सर्विस की गुणवत्ता पर दिया गया जोर

PHOTON NEWS RANCHI : शुक्रवार को नामकुम स्थित एनएचएम कार्यालय में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसका उद्देश्य स्वास्थ्य विभाग के कार्यक्रमों और योजनाओं के सफल क्रियान्वयन के लिए रणनीति बनाने के साथ कार्रवाई की दिशा तय करना था। बता दें कि स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह के निर्देश पर स्टेट रिव्यू मिशन (एसआरएम) का गठन किया गया है, जो राज्य स्तर पर निरीक्षण करेगी। वहीं कार्यप्रणाली में सुधार के लिए आवश्यक कदम उठाये जायेंगे। एसआरएम के तहत 12 टीमों का गठन किया गया है, जो जिला अस्पताल, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, रेफरल अस्पताल

स्वास्थ्य मिशन की बैठक में शामिल अधिकारी। ● फोटोन न्यूज

और स्वास्थ्य उपकेंद्रों का दौरा कर प्रतिवेदन तैयार करेंगी। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अभियान निदेशक अबु इमरान ने कहा कि हमारा मुख्य उद्देश्य मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना है। इसके लिए हमें मानव संसाधन का सही उपयोग और एक मजबूत रणनीति बनानी होगी। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग द्वारा दी जा रही सुविधाओं के कमियों का आंकलन और उनके सुधार के लिए राज्य स्तरीय टीम के गठन पर जोर दिया। अभियान निदेशक ने कॉमन रिव्यू मिशन की हाल ही में की गई फाइंडिंग्स और कार्रवाई की जानकारी भी ली। निदेशक प्रमुख स्वास्थ्य सेवाएं डॉ चंद्र किशोर साही ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं में वंचित और अभावग्रस्त लोगों के लिए विशेष भागीदारी सुनिश्चित करना आवश्यक है। नेशनल हेल्थ सिस्टम रिसोर्स सेंटर की सलाहकार मोना गुप्ता और लीड कंसल्टेंट श्वेता ने पीपीटी के माध्यम से आवश्यक जानकारी प्रदान की।

कम होने का नाम नहीं ले रहा ठंड का कहर, सुबह में छाया रह रहा कोहरा

RANCHI : शुक्रवार को भी राजधानी रांची सहित झारखंड के अन्य इलाकों में ठंड का कहर जारी रहा। यह स्थिति अभी ऐसी ही रहेगी। सुबह में कोहरा और दिन में कनकनी का एहसास। धूप के बावजूद लोगों का ठंड का एहसास हो रहा है। मौसम विभाग की मानें तो फिलहाल कनकनी से राहत नहीं मिलेगी। वहीं अगले कुछ दिनों तक सुबह में कोहरा छाया रहेगा। इसके बाद दिन में आंशिक बादल छाए रहेंगे। अगले चार दिनों तक सुबह में कोहरा छाया रहेगा। 11, 12 और 13 जनवरी को आसमान में बादल छाए रहने की संभावना जताई गई है। मौसम केंद्र के अनुसार, राज्य में अगले दो दिनों में न्यूनतम तापमान में कोई बड़ा बदलाव नहीं होगा। हालांकि अगले तीन चार दिनों में न्यूनतम तापमान में 3 से 4 डिग्री की बढ़ोतरी होने की संभावना जताई जा रही है।

ट्राइबल एंटरप्रेन्योरशिप को बढ़ावा देने का हो रहा प्रयास : जितेंद्र सिंह

PHOTON NEWS RANCHI : शुक्रवार को सीआईआई झारखंड और सीआईआई फाउंडेशन ने ऑड्रे हाउस में झारखंड ट्राइबल एंटरप्रेन्योरशिप समिट का आयोजन किया। समिट में हेरिटेज होराइजन ट्राइबल इनोवेटर्स फोरम पर चर्चा हुई। इसमें मुख्य अतिथि झारखंड सरकार के उद्योग विभाग के सचिव जितेंद्र कुमार ने कहा कि राज्य सरकार ट्राइबल एंटरप्रेन्योरशिप को बढ़ावा देने के लिए कई योजनाओं और सब्सिडी का लाभ दे रही है। इसके अलावा ट्राइबल एंटरप्रेन्योरशिप पॉलिसी का ड्राफ्ट तैयार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार ट्राइबल युवाओं को उद्यमिता के क्षेत्र में आगे बढ़ाने के लिए काम कर रही है और विभाग से सुझाव देने की अपील की। सीआईआई झारखंड के चेयरमैन रंजोत सिंह ने कहा कि ट्राइबल एंटरप्रेन्योरशिप तेजी से बढ़ रहा है और कई युवा इस क्षेत्र में सफल हो रहे हैं। समिट में बसंत तिर्की ने आदिवासी उद्यमिता बोर्ड का गठन करने की जरूरत बताई। समिट में विशेषज्ञों ने ट्राइबल एंटरप्रेन्योरशिप के अवसरों और चुनौतियों पर अपने विचार साझा किए।

ब्राउन शुगर के कारोबार का सरगना गिरफ्तार

RANCHI : ब्राउन शुगर के कारोबार के सरगना कन्हैया कुमार सहित तीन तस्करों को रांची की सुखदेव नगर थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इनके पास से 11.48 ग्राम ब्राउन शुगर, चार मोबाईल फोन, बाइक और दो हजार 300 रुपये नकदी बरामद किया गया है। सिटी एसपी राजकुमार मेहता ने शुक्रवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि विद्यानगर स्थित बड़ा मैदान के पास ब्राउन शुगर का मुख्य सरगना कन्हैया कुमार और उसके साथी खरीद-बिक्री कर रहे हैं। सूचना के बाद कोतवाली डीएसपी के नेतृत्व में छापेमारी कर सरगना सहित तीन को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरोपितों में अरगोड़ा निवासी कन्हैया कुमार, हिमांशु ठाकुर और राकेश कुमार शामिल हैं।

नई पहल : राजधानी को क्लीन बनाने के लिए नगर निगम ने बढ़ाया कारगर कदम

रांची में अब वेस्ट कलेक्शन के साथ होगा पॉल्यूशन कंट्रोल

स्वच्छता कॉरपोरेशन को सौंपी गई है शहर को चकाचक बनाने की जिम्मेदारी

37 नए इलेक्ट्रिक वाहनों से किया जाएगा डोर टू डोर कूड़ा उठाव

VIVEK SHARMA @ RANCHI

रांची नगर निगम शहर में सफाई को लेकर अब हर स्तर पर तत्पर हो चुका है। सफाई व्यवस्था को और बेहतर बनाने की नई पहल की गई है। इसके तहत घरों से वेस्ट कलेक्शन के लिए इलेक्ट्रिक वाहनों को तैनात किया गया है। इससे न केवल वेस्ट कलेक्शन होगा बल्कि इससे पॉल्यूशन भी नहीं होगा। ऐसे में वेस्ट कलेक्शन के साथ रांची नगर निगम पॉल्यूशन कंट्रोल में भी अहम भूमिका निभाएगा। बता दें कि रांची नगर निगम क्षेत्र में वेस्ट कलेक्शन के लिए चयनित एजेंसी स्वच्छता कॉरपोरेशन ने 23 वार्डों में वेस्ट कलेक्शन की प्रक्रिया शुरू कर दी है। वहीं बेहतर सफाई के उद्देश्य से स्वच्छता कॉरपोरेशन ने 37 नए इलेक्ट्रिक वाहनों का इस्तेमाल शुरू किया है। स्वच्छता कॉरपोरेशन के अधिकारियों ने बताया कि इन इलेक्ट्रिक वाहनों से वेस्ट कलेक्शन की प्रक्रिया इको फ्रेंडली हो जाएगी। ये इलेक्ट्रिक वाहन न केवल वेस्ट कलेक्शन कार्य को और अधिक कुशल बनाएंगे, बल्कि प्रदूषण को भी कम करेंगे। नगर निगम ने इस पहल के तहत सभी नागरिकों से अपील की है कि वे अपने घरों और प्रतिष्ठानों में कूड़े का अलग-अलग स्टोरेज करने को बढ़ावा दें। गीला और सूखा कूड़ा अलग-अलग करके उसे नगर निगम के वेस्ट कलेक्शन वाहनों में डालें।

सूखा और गीला कचरा के लिए वाहनों में बना है सेपरेट चैंबर

ग्रीन सिटी बनाने के लिए किया जा रहा प्रयास

स्वच्छता कॉरपोरेशन ने शहर के विभिन्न वार्डों में वेस्ट कलेक्शन कार्य में सुधार के लिए कई कदम उठाए हैं। नागरिकों से लगातार सहयोग की अपील की जा रही है। अब इलेक्ट्रिक वाहनों के साथ नगर निगम ने वेस्ट मैनेजमेंट और शहर की स्वच्छता को नई दिशा देने का प्रयास किया है। सूखा और गीला कचरा को अलग करने को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाने की अपील की जा रही है। इस पहल से रांची शहर को एक स्वच्छ और ग्रीन सिटी बनाने में मदद मिलेगी।

ईंधन का बचेगा खर्च

नगर निगम के अधिकारियों ने कहा कि इलेक्ट्रिक वाहनों का उपयोग करने से न केवल वेस्ट कलेक्शन में तेजी आएगी, बल्कि प्रदूषण में भी कमी आएगी। ये वाहन पर्यावरण के लिए अनुकूल हैं और नगर निगम द्वारा प्रदूषण कम करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इसके अलावा ईंधन पर होने वाला खर्च भी बचेगा। चूंकि डीजल से चलने वाली वेस्ट कलेक्शन गाड़ियों में हर महीने लाखों रुपए के डीजल भरवाए जाते थे। अब इलेक्ट्रिक वाहनों के आने से निगम को फ्यूल का खर्च बचेगा। नगर निगम ने भी 4 दर्जन गाड़ियों को इलेक्ट्रिक वाहनों में कंवर्ट करने की प्रक्रिया शुरू की है। इससे भी पॉल्यूशन में कमी आएगी।

भाजपा का आदिवासी विरोधी चेहरा फिर आया सामने : कांग्रेस

RANCHI : झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास द्वारा फिर से भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण करने पर प्रदेश कांग्रेस मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा ने तंज कसा है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा का आदिवासी विरोधी चेहरा एक बार फिर सामने आया है। उन्होंने कहा कि रघुवर दास जब झारखंड के मुख्यमंत्री थे, तो उन्होंने आदिवासियों की अस्मिता से जुड़े सीएनटी और एसपीटी एक्ट में संशोधन का प्रस्ताव लाया था। अब उन्हें अचानक संस्कृति की याद आई है। यह किसी से छिपा नहीं है कि अपने शासनकाल में उन्होंने झारखंड की अस्मिता और संस्कृति को खत्म करने का प्रयास किया। राकेश सिन्हा ने आगे कहा कि रघुवर दास की सदस्यता ग्रहण के साथ ही यह साफ हो गया है कि भाजपा में टूट का खतरा बढ़ गया है। यहीं कारण है कि भाजपा के कई बड़े नेता रघुवर दास के सदस्यता ग्रहण समारोह में शामिल नहीं हुए। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि जब भाजपा विधायक दल का नेता चुनने में असमर्थ रही थी।

श्री श्याम मंदिर में धूमधाम से मनाई गई पुत्रदा एकादशी

PHOTON NEWS RANCHI : शुक्रवार को अग्रसेन पथ स्थित श्री श्याम मंदिर में पुत्रदा एकादशी का उत्सव धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर मंदिर में श्री श्याम देव को नवीन वस्त्र पहनाकर स्वर्ण आभूषणों से अलंकृत किया गया। साथ ही गुलाब, रजनीगंधा, जरबेरा, गुलदाऊदी, बेला, गेंदा जैसे फूलों से प्रभु का मनमोहक श्रृंगार किया गया। मंदिर में विराजमान शिव परिवार और बजरंगबली का भी विशेष श्रृंगार किया गया। देर शाम पावन ज्योत प्रज्वलित की गई। इसमें भक्तों ने आहुति डालकर कर मनोवांछित फल की कामना की। इस दौरान श्री श्याम मण्डल के सदस्यों ने गणेश वंदना के साथ संगीतमय संकीर्तन की शुरूआत की। देर रात सभी भजनों पर झूमते रहे। श्याम

प्रभु को विभिन्न प्रकार के मिष्ठान, फल, मेवा, रबड़ी और मगही पान का भोग अर्पित किया गया। महाआरती के प्रसाद वितरण किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में चंद्र प्रकाश बागला, धीरज बंका, गोपी किशन ढांढनीया, राजेश सारस्वत, प्रियांश पोद्दार, विकास पाड़िया, विवेक ढांढनीया, नितेश केजरीवाल, ज्ञान प्रकाश बागला और जितेश अग्रवाल का विशेष सहयोग रहा।

समाचार सार

रौनियार वैश्य संघ ने मंत्री को किया सम्मानित

CHAIBASA : रौनियार वैश्य संघ (गुप्ता समाज), चाईबासा के पदाधिकारियों ने शुक्रवार को राजस्व, निबंधन एवं भूमि सुधार व परिवहन विभाग के मंत्री दीपक बिरुवा के आवास पर सम्मानित किया। इस दौरान संघ के संरक्षक अधिवक्ता राजाराम गुप्ता, अध्यक्ष जयदीप प्रसाद गुप्ता, उपाध्यक्ष राजकिशोर साहू, उपाध्यक्ष मनीष कुमार गुप्ता, सचिव महावीर राम प्रसाद, कोषाध्यक्ष छोटूलाल गुप्ता आदि मौजूद थे।

मंत्री दीपक बिरुवा ने बांटे कंबल

CHAIBASA : राज्य के राजस्व, निबंधन एवं भूमि सुधार व परिवहन विभाग के मंत्री दीपक बिरुवा ने शुक्रवार को नवागांव पंचायत में ग्रामीणों के बीच कंबल वितरण किया। मंत्री ने सभी को नववर्ष की शुभकामना दी, वहीं ग्रामीणों से गांव की समस्याओं से अवगत हुए। इस अवसर पर झींकपानी के प्रमुख प्रदीप तामसोय, 20 सूत्री अध्यक्ष सोंगा बिरुली, मुखिया अंजना तामसोय, क्षेत्र के बुद्धिजीवी भगवान गोप, समाजसेवी संजीव गोप, सुंदर गोप आदि भी मौजूद थे।

पंचायत भवन निर्माण में गड़बड़ी की शिकायत

GOILKERA : मनोहरपुर के विधायक जगत माझी ने शुक्रवार को गोइलकेरा प्रखंड कार्यालय स्थित अपने कक्ष में जनता दरबार लगाया। इसमें कदमडीहा पंचायत की मुखिया द्रौपदी पुरती ने पंचायत भवन निर्माण में घटिया ईंट के इस्तेमाल की शिकायत की। वहीं कई ग्रामीणों ने गोइलकेरा प्रखंड के विभिन्न गांवों में जलमीनार निर्माण कार्य अधूरा रहने की जानकारी दी। इस पर विधायक ने मौके से ही पीएचईडी के अधिकारी को दूरभाष पर अधूरे जलमीनार को गर्मी से पूर्व पूरा करने का निर्देश दिया। अन्य ग्रामीणों ने गांवों में पेयजल, सड़क एवं खराब ट्रांसफार्मर की समस्याओं से विधायक को अवगत कराया। ग्राम रेला के मुंडा देवेंद्र अंगरिया को बिना गर्म कपड़े के देख विधायक ने तत्काल उन्हें जैकेट मुहैया कराया। जनता दरबार के पश्चात विधायक ने बीडीओ विवेक कुमार को अपने कक्ष में बुलाकर जनता से मिली शिकायतों पर संज्ञान लेने का निर्देश दिया।

कोल्हान आयुक्त सह कुलपति से मिले प्राचार्य

GHATSILA : घाटशिला कॉलेज के प्राचार्य डॉ. आरके चौधरी ने शुक्रवार को चाईबासा में कोल्हान विश्वविद्यालय के कुलपति सह आयुक्त, कोल्हान प्रमंडल हरि कुमार केशरी से मिले। प्राचार्य ने नववर्ष की शुभकामना देते हुए कॉलेज कर्मियों के 6 माह से लंबित वेतन एवं शिक्षकों की कमी से अवगत कराया। प्राचार्य ने यह भी बताया कि परीक्षा, कंटीजेंसी और खेलकूद की राशि नहीं मिलने से कॉलेज में आर्थिक संकट उत्पन्न हो गया है।

चैनपुर में लगी जिलास्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी

CHAKRADHARPUR : चक्रधरपुर प्रखंड के चैनपुर पंचायत स्थित जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान में जिलास्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन शुक्रवार को हुआ। विज्ञान प्रदर्शनी में जिले के विभिन्न विद्यालयों के 180 प्रदर्शों की प्रदर्शनी लगाई गई। बच्चों ने स्वनिर्मित प्रदर्शोंका स्टॉल लगाकर प्रदर्शन किया। जिसमें राख से बिजली बनाने, सोलर कूकर, सौर ऊर्जा, पाचन तंत्र, विद्युतधारा आदि को दिखाया गया। 18 सदस्यीय ज्यूरी टॉप प्रदर्शों का चयन किया, जिसे राज्यस्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी में भेजा जाएगा। इस मौके पर मुख्य अतिथि सांसद जोबा मांझी व विशिष्ट अतिथि विधायक सुखराम उरांव, पंचायत के मुखिया साहेब हेंब्रम, जिला शिक्षा अधीक्षक प्रवीण कुमार व बीडीओ कंचन मुखर्जी मौजूद थे।

मुख्य अभियंता ने दायीं नहर का किया निरीक्षण

GHATSILA : ओडिशा के स्वर्णरेखा परियोजना विभाग के मुख्य अभियंता रमाकांत महापात्र ने शुक्रवार को बराज डैम की दायीं नहर समेत बराज का निरीक्षण किया। उन्होंने मई तक नहर की मरम्मत करने का निर्देश बराज प्रमंडल अभियंता को दिया। इसके साथ ही गालूडीह बराज स्थित कंट्रोल रूम की व्यवस्था, बराज प्रमंडल द्वारा निर्माण की गई नहर, एफलेक्स बांध समेत संचालित कई योजना पर संतोष जताया। उन्होंने बताया कि बराज डैम में अलग-अलग कार्ययोजना के लिए ओडिशा सरकार झारखंड सरकार को स्वर्णरेखा परियोजना के लिए राशि देती है। जून में सिंचाई के लिए दायीं मुख्य नहर से ओडिशा में पानी लिया जाता है। इस दौरान परियोजना के अधीक्षण अभियंता सुरेश बेहरा, बराज अंचल अधीक्षक सुधीर कुजूर, बराज प्रमंडल कार्यपालक अभियंता संतोष कुमार, सहायक अभियंता सुधांशु मिश्रा समेत अन्य अभियंता शामिल थे।

पौरोहित्य महासंघ ने मनाया स्थापना दिवस

JAMSHEDPUR : धर्मरक्षिणी पौरोहित्य महासंघ ने शुक्रवार को गोलमुरी स्थित मिथिला सांस्कृतिक परिषद में 12वां स्थापना दिवस मनाया। अपने संबोधन में मुख्य अतिथि विधायक सरयू राय ने कहा कि केबुल टाउन स्थित लक्ष्मी नारायण मंदिर में पुरोहितों के लिए आध्यात्मिक केंद्र का निर्माण किया जाएगा, जिसमें शहर के पुरोहित इसका लाभ उठा पाएंगे। इस मौके पर विशिष्ट अतिथि मनोज कुमार चौधरी, डॉ. पवन पांडेय, कमल किशोर, मोहन ठाकुर व धर्मेश कुमार झा उर्फ लड्डू झा ने भी अपने विचार रखे। आयोजन को सफल बनाने में संस्था के अध्यक्ष पं. विपिन कुमार झा, पं. दिलीप कुमार पांडेय, पं. मुन्ना पांडेय, पं. राम अवधेश चौबे, पं. वृजकिशोर शास्त्री, पं. परशुराम पांडेय आदि सक्रिय रहे।

सभी प्रखंडों में लगा पशु चिकित्सा शिविर

JAMSHEDPUR : उपायुक्त के निर्देश पर जिला पशुपालन विभाग द्वारा शुक्रवार को जिले के सभी प्रखंडों में विशेष पशु चिकित्सा शिविर लगाया गया। शिविर में कुल 621 पशुपालक ने भागीदारी दिखाई। शिविर के दौरान 7,645 पशुओं की स्वास्थ्य जांच और उपचार किया गया।

स्कूली बच्चों को नशेड़ी बनाने वाला गिरफ्तार, मिल रही थी शिकायत

आरोपी से 136 पीस कफ सिरप और 23 लीटर देसी शराब भी हुआ बरामद

मामले की जानकारी देते पुलिस पदाधिकारी ● फोटोन न्यूज

JAMSHEDPUR : सोनारी थाना की पुलिस ने खूंटाडीह क्षेत्र से एक आरोपी मोनी बोरकर उर्फ गौतम बोरकर को गिरफ्तार किया है, जो स्कूली बच्चों में कफ सिरप और नशे के अन्य सामान वितरित करता था। पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर उसे पकड़ा और उसके पास से भारी मात्रा में नशे की सामग्री बरामद की। गौतम बोरकर के पास से पुलिस ने 107 पीस विनसेरेक्स कफ सिरप और 29 पीस ओनेरेक्स कफ सिरप बरामद किए। इसके साथ ही, पुलिस ने उसके पास से 23 लीटर देसी शराब और दो मोबाइल भी बरामद किए। बताया जाता है कि बोरकर नया युवाओं को इन कफ सिरपों का आदी बनाता था। इस अभियान में डीएसपी निरंतर तिवारी, सोनारी थाना प्रभारी कुमार सरयू आनंद, अमित चौधरी, धनंजय कुमार सिंह, उमेश सिंह सहित अन्य पुलिसकर्मी शामिल थे। पुलिस ने यह सुनिश्चित किया कि बोरकर और उसके साथी शहर में नशे के कारोबार को फैलाने में लगे थे।

कदमा में अवैध निर्माण पर चला बुलडोजर

JAMSHEDPUR : कदमा में शुक्रवार को सरकारी जमीन पर बने अवैध निर्माण पर बुलडोजर चलाकर ध्वस्त किया गया। अनमुंडल पदाधिकारी, धालभूम के आदेशानुसार कदमा थाना क्षेत्र अंतर्गत अधिसूचित क्षेत्र जमशेदपुर, वार्ड नं- 2, खाता नं- 1217, प्लॉट नं- 55/2797, सरकारी भूमि में अतिक्रमण के विरूद्ध कार्रवाई की गई है। बीपीएलई-जेपीएलई वाद में संबंधित भूमि पर किए गए अतिक्रमण के विरूद्ध वाद में पारित आदेश के आलोक में अतिक्रमणकारी को सात दिनों के अंदर अतिक्रमण हटाने का निर्देश दिया गया था। इसका अनुपालन नहीं किए जाने पर दंडाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी, सशस्त्र बल, लाठी बल एवं महिला बल की उपस्थिति में सरकारी जमीन पर किए गए निर्माण कार्य को जमींदोज करते हुए अतिक्रमण हटाया गया। अंचल अधिकारी जमशेदपुर मनोज कुमार के नेतृत्व में कार्यपालक दंडाधिकारी सुदीप्त राज तथा कदमा थाना के पुलिस पदाधिकारी व पुलिस बल द्वारा कार्रवाई की गई।

ढांचे को ध्वस्त करता बुलडोजर ● फोटोन न्यूज

नहीं टूटीं रेलवे स्टेशन के सामने की दुकानें

CHAKRADHARPUR : चक्रधरपुर रेलवे स्टेशन के सामने शुक्रवार को पूर्व घोषित आदेश के तहत शुक्रवार को दिन भर हाई वोल्टेज ड्रामा चला। दोपहर तक मजिस्ट्रेट के इंतजार में रेलवे प्रशासन और सुरक्षाबल के जवान रह गए। शाम को मजिस्ट्रेट सह अंचल अधिकारी सुरेश कुमार सिन्हा के पहुंचने पर दुकानदारों ने 15 दिन की मोहलत की मांग कर राहत देने की गुहार लगाई। शाम चार बजे मजिस्ट्रेट सुरेश कुमार सिन्हा पहुंचे, जिसके बाद दुकानदारों ने 15 दिन की मोहलत की मांग रेलवे से की। रेलवे के अधिकारियों ने दुकानदारों को मांग पत्र लिखने को कहा।जब तक दुकानदार मांग पत्र लिखते तब तक रेल अधिकारी के आदेश पर मिनी मार्केट लोहे के बैरिकेट को तोडना शुरू कर दिया गया। इसके बाद दुकानदारों ने हंगामा मचाया। दुकानदारों का गुस्सा देख रेल अधिकारी बैकफुट पर चले गए और दुकानों को तोड़ने का कार्य शुक्रवार को नहीं हो पाया है।

मजदूरों से भरा मालवाहक टेंपो पलटा 14 घायल, एक की हालत बेहद नाजुक

घायल का इलाज करते चिकित्सक ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिले के गुवा थाना क्षेत्र के ठाकुरा पुल के पास मजदूरों से भरा एक मालवाहक टेंपो पलट गया, जिससे 14 मजदूर घायल हो गए। इस दुर्घटना में 7 गंभीर और 5 को आंशिक चोट लगी। एक मजदूर की हालत बेहद नाजुक बताई जा रही है। दुर्घटना की सूचना मिलते ही गुवा थाना की पुलिस मौके पर पहुंची। सभी घायलों को तत्काल गुवा सेल अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने गंभीर रूप से घायल 7 मजदूरों को बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल चाईबासा रेफर कर दिया। इस संबंध में मजदूरों ने बताया कि ठाकुरा गांव के सामने रेलवे लाइन का निर्माण कार्य चल रहा था। यह कार्य रेलवे ठेकेदार प्रफुल्लो करा रहा है। शुक्रवार को मुंशी विकास सिंह ने नोवामुंडी के विभिन्न गांवों से आए 14 मजदूरों को बड़ाजामदा से टेंपो में भर कर लाया जा रहा था। इस बीच ठाकुरा पुल के सामने टेंपो चालक बीनू गुप्ता ने नियंत्रण खो दिया, जिसके बाद टेंपो पलट गया। इस घटना के लिए रेलवे ठेकेदार, मुंशी और टेंपो चालक को जिम्मेदार ठहराया जा रहा है। टेंपो में क्षमता से अधिक मजदूरों को लाया जा रहा था। इस घटना के बाद गुवा थाना पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस दुर्घटना के लिए जिम्मेदार सभी संबंधित पक्षों के खिलाफ कार्रवाई की तैयारी में जुटी है।

टाटानगर स्टेशन में खुला फूडकोर्ट

JAMSHEDPUR : टाटानगर रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर-1 पर फूडकोर्ट का उद्घाटन शुक्रवार को हुआ। आईआरसीटीसी के ग्रुप जनरल मैनेजर मनोज कुमार सिंह, एरिया मैनेजर अभिषेक सिंघल ने संयुक्त रूप से इसका उद्घाटन किया। दरअसल 3 माह से टाटानगर स्टेशन पर चल रहा फूडकोर्ट बंद था। नए सिरे से टेंडर कर गोयल एंड गोयल को इसे चलाने का टेंडर मिला है। अब टाटानगर के यात्रियों को खाना और नाश्ता आसानी से मिल सकेगा। इसके साथ ही पहले तल्ले पर चलने वाला जनाहार कैंटीन के लिए भी टेंडर हो गया है। 13 जनवरी को निविदा होनी है।

16 करोड़ से चकाचक होगी त्रिवेणी संगम की जर्जर सड़क

बहरागोड़ा में उपस्थित सांसद बिद्युत बरण महतो व विधायक समीर मोहंती

GHATSILA : बहरागोड़ा प्रखंड क्षेत्र के त्रिवेणी संगम स्थित एनएच-18 तथा एनएच-49 की जर्जर सर्विस रोड पीक्यूसी (ढ़लाई) के लिए सांसद बिद्युत बरण महतो व बहरागोड़ा के विधायक समीर कुमार मोहंती ने शुक्रवार को भूमिपूजन किया। इस मौके पर सांसद ने कहा कि क्षेत्र की जनता कई सालों से धूल भरी सड़क पर चलने को मजबूर थी। संवेदक को मकर संक्रांति के पश्चात जल्द से जल्द सड़क निर्माण कार्य करने का निर्देश दिया गया है। प्रोजेक्ट डायरेक्टर एकता कुमारी ने कहा कि सांसद तथा विधायक के दिशा-निदेर्शों का पालन किया जाएगा। इस मौके पर साइट इंजीनियर घनश्याम कुमार, मैनेजर टेक्निकल चंदन आशीष, जयमातादी कंस्ट्रक्शन के डायरेक्टर आकाश कुमार, विधायक प्रतिनिधि कुमार गौरव पुष्टि आदि भी उपस्थित थे।

छात्र-छात्राओं को संबोधित करते पदाधिकारी ● फोटोन न्यूज

छात्र-छात्राओं और शिक्षकों को बताए सड़क सुरक्षा के नियम

SERAIKELA : सरायकेला स्थित एनआर प्लस-टू हाई स्कूल में शुक्रवार को जागरूकता अभियान चलाया गया, जिसमें करीब 200 छात्र-छात्राओं व शिक्षकों को सड़क सुरक्षा के नियम बताए गए। जिला परिवहन पदाधिकारी गिरजा शंकर महतो ने बताया कि वाहन चलाते समय हेलमेट एवं सीट बेल्ट जैसे सुरक्षित उपकरणों के इस्तेमाल से सड़क पर होने वाले दुर्घटनाओं को कम किया जा सकता है। उन्होंने अपील की कि वाहन चलाते समय मोबाइल का प्रयोग ना करें और सीट बेल्ट एवं हेलमेट का उपयोग अवश्य करें। मोटर व्हीकल इंस्पेक्टर दिलीप कुमार ने सड़क सुरक्षा के बारे में विस्तार से बताया, तो रोड अभियांत्रिक विश्लेषक आशुतोष कुमार सिंह ने बताया कि सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल व्यक्ति की सहायता करें। इस कार्य को प्रोत्साहित करने के लिए सरकार 2,000 रुपये के साथ प्रशस्ति पत्र देती है। दुर्घटना के बाद घायल व्यक्ति को एक घंटा के अंदर अस्पताल पहुंचाने वाले व्यक्ति को पांच हजार रुपये देने का प्रावधान है।

मेघाहातुबुरु खदान में मजदूरों ने किया प्रदर्शन

स्थानांतरण रद्द करने सहित अन्य मांगों को लेकर प्रबंधन से हुई वार्ता

खदान के बाहर प्रदर्शन करते मजदूर ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिले के मेघाहातुबुरु खदान में विभिन्न मजदूर संगठनों के संयुक्त मोर्चा ने शुक्रवार को सेल प्रबंधन के खिलाफ प्रदर्शन किया और अपनी मांगों को लेकर एक घंटे तक खदान का उत्पादन ठप कर दिया। प्रदर्शन के बाद मोर्चा ने खदान के प्रभारी सीजीएम संजय कुमार सिंह को मांगपत्र सौंपा और वार्ता की। सीजीएम ने मोर्चा से 15 दिनों का समय मांगा, ताकि उनकी मांगों को उच्च अधिकारियों तक पहुंचाया जा सके।

संयुक्त मोर्चा की मुख्य मांगों में अभिजीत कुमार का स्थानांतरण रद्द हो, मेघाहातुबुरु खदान के अधिकारी अभिजीत कुमार (डीएम, एचआर) का स्थानांतरण किरीबुरु किया गया है, जिसे रद्द कर उन्हें यहीं पदस्थापित करने की मांग की गई। मोर्चा ने बताया कि उनके कार्यकाल में खदान के संचालन और कर्मचारियों के कल्याण में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। महाप्रबंधक (एचआर) विकास दयाल का स्थानांतरण चिड़िया खदान में कर दिया गया है और किरीबुरु के उप-महाप्रबंधक (एचआर) अमित कुमार विश्वास को अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। मोर्चा ने इस व्यवस्था को गलत बताते हुए खदान के लिए एक स्थायी एचआर प्रमुख की मांग की, क्योंकि अतिरिक्त प्रभार वाले अधिकारी दोनों खदानों पर समान ध्यान नहीं दे सकते। गजट में संशोधन तक खदान में बायोमीट्रिक हाजिरी शुरू न करने की मांग की गई।

सेल अस्पताल में स्त्री रोग विशेषज्ञ की स्थायी और त्वरित नियुक्ति की मांग की गई। खदान से प्रभावित सीएसआर गांवों के मरीजों को अस्पताल में सभी आवश्यक दवाएं उपलब्ध कराने की मांग की गई। संयुक्त मोर्चा ने बताया कि अभिजीत कुमार ने अपने कार्यकाल में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने लंबित संपत्ति विवादों का समाधान किया, कर्मचारियों और प्रबंधन के बीच बेहतर संबंध बनाए और ट्रेड यूनियनों के साथ संवाद को मजबूत किया। उनके प्रयासों से खदान में संगठनात्मक स्थिरता और कर्मचारियों का मनोबल बढ़ा। मोर्चा ने कहा कि एचआर प्रमुख के पद पर स्थायित्व की कमी से खदान के कामकाज पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। पूर्व में भी अतिरिक्त प्रभार के कारण कर्मचारियों की शिकायतों का समाधान देर से हुआ और आईआर समस्याएं बढ़ीं।

सुबह 9.05 बजे होगा झंडोत्तोलन, परेड के साथ निकलेंगी आकर्षक झांकियां, मुंख्यमंत्री मंईयां योजना पर रहेगा फोकस

गोपाल मैदान में होगा जिलास्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह

PHOTON NEWS JSR : गणतंत्र दिवस का जिलास्तरीय समारोह बिष्टुपुर स्थित गोपाल मैदान में होगा। इसे लेकर शुक्रवार को समाहरणालय सभागार में उपायुक्त अनन्य मित्तल की अध्यक्षता में बैठक हुई।

उपायुक्त ने समारोह को लेकर विभिन्न विभागीय पदाधिकारी को दायित्व सौंपा। उन्होंने कहा कि विभिन्न विभागों द्वारा निकाली जाने वाली झांकियों के अलावा इस वर्ष झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना समेत कुल 11 झांकी को शामिल करने का निर्णय लिया गया है। गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर 25 जनवरी को टाउन हॉल, सिदगोड़ा में सांस्कृतिक समारोह होगा, जिसमें विभिन्न स्कूलों के बच्चों द्वारा देशप्रेम से ओतप्रोत गीत-संगीत की प्रस्तुति दी जाएगी। उपायुक्त ने गणतंत्र दिवस पर सभी सरकारी भवनों व कार्यालयों में झंडोतोलन का निर्देश दिया गया। इसके साथ ही महापुरूषों की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण और राष्ट्रीय महत्व के स्मारकों की साफ सफाई किए जाने का निर्देश दिया गया। समारोह स्थल की सफाई व आवश्यक तैयारी के लिए जेएनएसी को जुस्को प्रबंधन से समन्वय बनाने, आगंतुकों के बैठने की उचित व्यवस्था, एंबुलेंस, अग्निशामक आदि व्यवस्था संबंधी दायित्व सौंपते हुए संबंधित पदाधिकारियों को निर्देशित किया गया। बैठक में वरीय पुलिस अधीक्षक किशोर कौशल, परियोजना निदेशक आईटीडीए दीपांकर चौधरी, एडीएम अनिकेत सचान, एसडीएम धालभूम शताब्दी मजूमदार, सिटी एसपी कुमार शिवाशीष, अपर उपायुक्त भगीरथ प्रसाद, नजारत उप समाहर्ता डेविड बलिहार, उप नगर आयुक्त जेएनएसी कृष्ण कुमार, स्थापना उप समाहर्ता मृत्युंजय कुमार, जिला परिवहन पदाधिकारी धनंजय, जिला कल्याण पदाधिकारी शंकराचार्य समद, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी पंचानन उरांव समेत अन्य सभी संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

समाहरणालय सभागार में बैठक को संबोधित करते उपायुक्त अनन्य मित्तल

डीसी-एसएसपी करेंगे परेड का निरीक्षण

जिला स्तरीय समारोह में इस वर्ष 1 प्लाटून जैप-6, 3 प्लाटून जिला पुलिस बल (सहायक पुलिस सहित), 1 प्लाटून जिला गृह रक्षक तथा 2 प्लाटून एन.सी.सी (महिला-पुरूष) के अलावा स्काउट एंड गाइड के प्लाटून को भी शामिल करने का निर्णय लिया गया। परेड का पूर्वाभ्यास 20 से 22 जनवरी तक होगा, 24 जनवरी को परेड का फुल ड्रेस रिहर्सल गोपाल मैदान में किया जाएगा, जिसका निरीक्षण उपायुक्त व वरीय पुलिस अधीक्षक संयुक्त रूप से करेंगे।

घाघीडीह सेंट्रल जेल का होगा विस्तार

समाहरणालय सभागार में शुक्रवार को हुई बैठक में उपायुक्त अनन्य मित्तल ने कारा सुरक्षा एवं उत्पाद विभाग की समीक्षा की। इसमें घाघीडीह कारा, साकची कारा, घाटशिला उप कारा में सुरक्षा व्यवस्था एवं कारा स्थित सेल, अस्पताल, वाच टावर, पेयजल आपूर्ति आदि आधारभूत सुविधा की आवश्यक मरम्मत व जीर्णोद्धार कार्य की समीक्षा की गई। कारागार की क्षमता वृद्धि को लेकर बैठक में विचार विमर्श किया गया तथा कारा के आसपास अवस्थित रैयती जमीन के अधिग्रहण के लिए प्रस्ताव विभाग को भेजने का निर्देश दिया गया। रेलवे स्टेशन कोर्ट का भी प्रस्ताव तैयार करने का निर्देश दिया गया। घाघीडीह कारा में पेयजल के स्थायी समाधान के लिए पीएचईडी को बागबेड़ा जलापूर्ति योजना से जोड़ने में आ रही अड़चन को मार्च से पूर्व दूर करने के लिए निर्देशित किया गया। इसके साथ ही कैदियों के लिए पेंटिंग (सोहराई) व अन्य प्रशिक्षण कार्यक्रम से जोड़ने पर विचार भी किया गया। सुरक्षात्मक दृष्टिकोण से जेल में 4-जी, 5-जी जैमर लगाने, आवश्यकतानुसार वॉकी-टॉकी उपलब्ध कराने, वाच टावर में पर्याप्त संख्या में सुरक्षाबलों की तैनाती, पुलिस पेट्रोलिंग बढ़ाने, पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था रखने का निर्देश भी दिया गया। सिक्योरिटी ऑडिट के तहत प्रशासन एवं पुलिस के पदाधिकारियों को नियमित अंतराल पर सभी कारा, उप कारा, बाल सुधार गृह, अस्पतालों के कैदी वार्ड, कोर्ट हाजत का औचक निरीक्षण करने तथा रेड करने का निर्देश भी दिया गया। अनाधिकृत रूप से जेल और आवासीय परिसर के आसपास अड्डाबाजी या अतिक्रमण करने वालों के विरूद्ध कठोर कार्रवाई का निर्देश दिया गया। प्रभावी कार्रवाई के लिए सूचनातंत्र को मजबूत करने पर बल दिया। उत्पाद विभाग को बार, दुकान, डीलरों की जांच, नकली शराब कारोबारी पर रेड, उनके विरूद्ध की गई शिकायतों पर कार्रवाई करने का निर्देश भी दिया गया।

मशरूम की खेती

मशरूम की खेती हजारों वर्षों से विश्वभर में भोजन और औषध दोनों ही रूपों में रही है। ये पोषण का भरपूर स्रोत हैं और स्वास्थ्य खाद्यों का एक बड़ा हिस्सा बनाते हैं। मशरूमों में वसा की मात्रा बिल्कुल कम होती हैं, विशेषकर प्रोटीन और कार्बोहाइड्रेट की तुलना में, और इस वसायुक्त भाग में मुख्यतया लिनोलिक अम्ल जैसे असंतप्तिकृत वसायुक्त अम्ल होते हैं, ये स्वस्थ ह्दय और ह्दय संबंधी प्रक्रिया के लिए आदर्श भोजन हो सकता है।

मशरूम उत्पादन तकनीकी

पहले, मशरूम का सेवन विश्व के विशिष्ट प्रदेशों और क्षेत्रों तक ही सीमित था पर वैश्वीकरण के कारण विभिन्न संस्कृतियों के बीच संप्रेषण और बढ़ते हुए उपभोक्तावाद ने सभी क्षेत्रों में मशरूमों की पहुंच को सुनिश्चित किया है। मशरूम तेजी से विभिन्न पाक पुस्तक और रोजमर्रा के उपयोग में अपना स्थान बना रहे हैं। एक आम आदमी को रसोई में भी उसने अपनी जगह बना ली है। उपभोग की चालू प्रवृत्ति मशरूम निर्यात के क्षेत्र में बढ़ते अवसरों को दर्शाती है।

भारत में मशरुम की प्रजातियां

भारत में उगने वाले मशरूम की दो सर्वाधिक आम प्रजातियां वाईट बटन मशरूम और ऑयस्टर मशरूम है। हमारे देश में होने वाले वाईट बटन मशरूम का ज्यादातर उत्पादन मौसमी है। इसकी खेती परम्परागत तरीके से की जाती है। सामान्यता, अपॉश्चयरीकृत कूडा खाद का प्रयोग किया जाता है, इसलिए उपज बहुत कम होती है। तथापि पिछले कुछ वर्षों में बेहतर कृषि-विज्ञान पदधातियों की शुरूआत के परिणामस्वरूप मशरूमों की उपज में वृद्धि हुई है।

आम वाईट बटन मशरूम

आम वाईट बटन मशरूम की खेती के लिए तकनीकी कौशल की आवश्यकता है। अन्य कारकों के अलावा, इस प्रणाली के लिए नमी चाहिए, दो अलग तापमान चाहिए अर्थात पैदा करने के लिए अथवा प्ररोहण वृद्धि के लिए (स्पॉन रन) 220-280 डिग्री से, प्रजनन अवस्था के लिए (फल निर्माण) = 150-180 डिग्री से; नमी= 85-95 प्रतिशत और पर्याप्त संवातन सब्स्ट्रेट के दौरान मिलना चाहिए जो विसंक्रमित हैं और अत्यंत रोगाणुरहित परिस्थिति के तहत उगाए न जाने पर आसानी से संदूषित हो सकते हैं। अत= 100 डिग्री से. पर वाष्पन (पास्तुरीकरण) अधिक स्वीकार्य है।

ऑएस्टर मशरूम

प्लयूरोटस, ऑएस्टर मशरूम का वैज्ञानिक नाम है। भारत के कई भागों में, यह ढींगरी के नाम से जाना जाता है। इस मशरूम की कई प्रजातिया है उदाहणार्थ = प्लयूरोटस ऑस्टरीयटस, पी सजोर-काजू, पी. फ्लोरिडा, पी. सैपीडस, पी. फ्लैबेलैटस, पी एरीनजी तथा कई अन्य भोज्य प्रजातियां। मशरूम उगाना एक ऐसा व्यवसाय है, जिसके लिए अध्यवसाय धैर्य और बुद्धिसंगत देख-रेख जरूरी है और ऐसा कौशल चाहिए जिसे केवल बुद्धिसंगत अनुभव द्वारा ही विकसित किया जा सकता है।

प्लयूरोटस मशरूमों की प्ररोहण वृद्धि (पैदा करने का दौर) और प्रजनन चरण के लिए 200-300 डिग्री का तापमान होना चाहिए। मध्य समुद्र स्तर से 1100-1500 मीटर की ऊचांई पर उच्च तुंगता पर इसकी खेती करने का उपयुक्त समय मार्च से अक्तूबर है, मध्य समुद्र स्तर से 600-1100 मीटर की ऊचांई पर मध्य तुंगता पर फरवरी से मई और सितंबर से नवंबर है और समुद्र स्तर से 600 मीटर नीचे की निम्न तुंगता पर अक्तूबर से मार्च है।

आवश्यक सामान

धान के तिनके - फफूंदी रहित ताजे सुनहरे पीले धान के तिनके, जो वर्षा से बचाकर किसी सूखे स्थान पर रखे गए हो।

400 गेज के प्रमाप की मोटाई वाली प्लास्टिक शीट - एक ब्लाक बनाने के लिए 1 वर्ग मी. की प्लास्टिक शीट चाहिए।

लकड़ी के सांचे - 45.30.15 से. मी. के माप के लकड़ी के सांचे, जिनमें से किसी का भी सिरा या तला न हो, पर 44.29 से. मी. के आयाम का एक अलग लकड़ी का कवर हो।

तिनकों को काटने के लिए गंडासा या भूसा कटर।

उबालने के लिए ड्रम (कम से कम दो)

जूट की रस्सी, नारियल की रस्सी या प्लास्टिक की रस्सियां

टाट के बोरे

स्पान अथवा मशरूम जीवाणु जिन्हें सहायक रोगविज्ञानी, मशरूम विकास केन्द्र, से प्रत्येक ब्लॉक के लिए प्राप्त किया जा सकता है।

एक स्प्रेयर कैसे करें

कूड़ा खाद बनाने के लिए अन्न के तिनकों (गेंहू, मक्का, धान, और चावल), मक्कई की डंडिया, गन्ने की कोई जैसे किसी भी कृषि उपोत्पाद अथवा किसी भी अन्य सेल्यूलोस अपशिष्ट का उपयोग किया जा सकता है। गेंहू के तिनकों की फसल ताजी होनी चाहिए और ये चमकते सुनहरे रंग के हो तथा इसे वर्षा से बचा कर रखा गया है। ये तिनके लगभग 5-8 से. मी. लंबे टुकडों में होने चाहिए अन्यथा लंबे तिनकों से तैयार किया गया ढेर कम सघन होगा जिससे अनुचित किण्वन हो सकता है। इसके विपरीत, बहुत छोटे तिनके ढ़ेर को बहुत अधिक सघन बना देंगे जिससे ढ़ेर के बीच तक पर्याप्त ऑक्सीजन नहीं पहुंच पाएगा जो अनएरोबिक किण्वन में परिणामित होगा।

कूड़ा खाद तैयार करना

गेंहू के तिनके अथवा उपर्युक्त सामान में से सभी में सूल्यूलोस, हेमीसेल्यूलोस और लिगनिन होता है, जिनका उपयोग कार्बन के रूप में मशरूम कवक वर्धन के लिए किया जाता है। ये सभी कूडा खाद बनाने के दौरान माइक्रोफ्लोरा के निर्माण के लिए उचित वायुमिश्रण सुनिश्चित करने के लिए जरूरी सबस्ट्रेट को भौतिक ढांचा भी प्रदान करता है। चावल और मक्कई के तिनके अत्यधिक कोमल होते है, ये कूडा खाद बनाने के समय जल्दी से अवक्रमित हो जाते हैं और गेंहू के तिनकों की अपेक्षा अधिक पानी सोखते हैं।

अत=, इन सबस्ट्रेट्स का प्रयोग करते समय प्रयोग किए जाने वाले पानी की प्रमात्रा, उलटने का समय और दिए गए संपूरकों की दर और प्रकार के बीच समायोजन का ध्यान रखना चाहिए। चूंकि कूड़ा खाद तैयार करने में प्रयुक्त उपोत्पादों में किण्वन प्रक्रिया के लिए जरूरी नाइट्रोजन और अन्य संघटक, पर्याप्त मात्रा में नहीं होते, इस प्रक्रिया को शुरू करने के लिए, यह मिश्रण नाइट्रोजन और कार्बोहाइड्रेट्स से संपूरित किया जाता है।

स्पानिंग

स्पानिंग अधिकतम तथा सामयिक उत्पाद के लिए अंडों का मिश्रण है। अण्डज के लिए अधिकतम खुराक कम्पोस्ट के ताजे भार के 0.5 तथा 0.75 प्रतिशत के बीच होती है। निम्नतर दरों के फलस्वरूप माइसीलियम का कम विस्तार होगा तथा रोगों एवं प्रतिद्वान्द्वियों के अवसरों में वृद्धि होगी उच्चतर दरों से अण्डज की कीमत में वद्धि होगी तथा अण्डज की उच्च दर के फलस्परूप कभी-कभी कम्पोस्ट की असाधारण ऊष्मा हो जाती है।

ए बाइपोरस के लिए अधिकतम तापमान 230 से (+) (-) 20 से./उपज कक्ष में सापेक्ष आर्द्रता अण्डज के समय 85-90 प्रतिशत के बीच होनी चाहिए।

कटाई

थैले को खोलने के 3 से 4 दिन बाद मशरूम प्रिमआर्डिया रूप धारण करना शुरू कर देते हैं। परिपक्व मशरूम अन्य 2 से 3 दिनों में कटाई के लिए तैयार हो जाते हैं। एक औसत जैविक कारगरहा (काटे गए मशरूम का ताजा भार जिसे एयर ड्राई सबट्रेट द्वारा विभक्त किया गया हो ङ्क100) 80 से 150 प्रतिशत के बीच हो सकती है और कभी-कभी उससे ज्यादा। मशरूम को काटने के लिए उन्हें जल से पकड़ा जाता है तथा हल्के से मरोड़ा जाता है तथा खींच लिया जाता है। चाकू का इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए। मशरूम रेफ्रीजेरेटर में 3 से 6 दिनों तक जाता बना रहता है।

मशरूम गृह/कक्ष

क्यूब तैयार करने का कक्ष

एक आदर्श कक्ष आर.सी.सी. फर्श का होना चाहिए, रोशनदानयुक्त एवं सूखा होना चाहिए। लकड़ी के ढांचे को रखने, क्यूब एवं अन्य आर.सी.सी. चबूतरा के लिए कक्ष के अंदर 2 सेमी ऊंचा चबूतरा बनाया जाना चाहिए, ऐसा भूसे के पाश्चुरीकृत थैलों को बाहर निकालने की आवश्यतानुसार होना चाहिए। जिन सामग्रियों के लिए क्यूब को बनाने की आवश्यकता है, उन्हें कक्ष के अंदर रखा जाना चाहिए। क्यूब को तैयार करने वाले व्यक्तियों को ही कमरे के अंदर जाने की अनुमति दी जानी चाहिए।

उठ्यमान कक्ष

उण्डजों के संचालन के लिए कमरा यह कमरा आरसीसी भवन अथवा आसाम विस्म (घर में कोई अलग कमरा) का कमरा होना चाहिए तथा खण्डों को रखने के लिए तीन स्तरों में साफ छेद वाले बांस की आलमारी लगाई जानी चाहिए। पहला स्तर जमीन से 100 सेमी ऊपर होना चाहिए तथा दूसरा स्तर कम से कम 60 सेमी ऊंचा होना चाहिए।

फसल कक्ष

एक आदर्श गृह/कक्ष आर.सी.सी. भवन होगा जिसमें विधिवत उष्मारोधन एवं कक्ष को ठंडा एवं गरम करने का प्रावधान स्थापित किया गया होगा। तथापि बांस, थप्पर तथा मिट्टी प्लास्टर जैसे स्थानीय रूप से उपलब्ध सामग्रियों का इस्तेमाल करते हुए स्वदेशी अल्प लागत वाले घर की सिफारिश की गई है। मिट्टी एवं गोबर के समान मिश्रण वाले स्पिलिट बांस की दीवारें बनाई जा सकती है।

कच्ची ऊष्मारोधक प्रणाली का प्रावधान करने के लिए घर के चारों ओर एक दूसरी दीवार बनाई जाती है जिसमें प्रथम एवं दूसरी दीवार के मध्य 15 सेमी का अंत्तर रखा जाता है। बाहरी दीवार के बाहरी तरफ मिट्टी का पलास्टर किया जाना चाहिए। दो दीवारों के मध्य में वायु का स्थान ऊष्मा रोधक का कार्य करेगा क्योंकि वायु ऊष्मा का कुचालक होती है। यहां तक कि एक बेहतर ऊष्मारोधन का प्रावधान किया जा सकता है यदि दीवारों के बीच के स्थान को अच्छी तरह से सूखे 8 ए छप्पर से भर दिया जाए। घर का फर्श वरीयत= सीमेंट का होना चाहिए किन्तु जहां यह संभव नही है, अच्छी तरह से कूटा हुआ एवं प्लास्टरयुक्त मिट्टी का फर्श पर्याप्त होगा। तथापि, मिट्टी की फर्श के मामले में अधिक सावधानी बरतनी होगी।

प्रणाली

छत मोटे छापर की तहो अथवा वरीयत= सीमेंट की शीटों की बनाई जानी चाहिए। छप्पर की छत से अनावश्यक सामग्रियों के संदूषण से बचने के लिए एक नकली छत आवश्यक है। प्रवेश द्वार के अलावा, कक्ष में वायु के आने एवं निकलने के लिए कमरे के आयु एंव पश्च भाग के ऊपर एवं नीचे दोनों तरफ से रोशनदानों का भी प्रावधान किया जाना चाहिए। घर तथा कक्षा ऊर्ध्वाधर एवं अनुप्रस्थ बांस के खम्भों के ढांचो का होना चाहिए जो ऊष्मायन अवधि के उपरान्त खंडों को टांगने के लिए अपेक्षित है।

अनुप्रस्थ खम्भों को ऊष्मायन आलमारी के रूप में 3 स्तरीय प्रणाली में व्यवस्थित किया जा सकता है। खम्भे वरीयत= दीवारों से 60 सेमी दूर तथा तीनों स्तरों की प्रत्येक पंक्ति के बीच में होने चाहिए, 1 सेमी की न्यूनतम जगह बनाई रखी जानी चाहिए। 3.0ङ्क2.5ङ्क2.0 मी. का फसल कक्ष 35 से 40 क्यूबों को समायोजित करेगा।

विधि

भूसे को हाथ के यंत्र से 3-5 सेमी लम्बे टुकडों में काटिए तथा टाट की बोरी में भर दीजिए। एक ड्रम में पानी उबालिए। जब पानी उबलना शुरू हो जाए तो भूसे के साथ टाट की बोरी को उबलते पानी में रख दीजिए तथा 15-20 मिनट तक उबालिए। इसके पश्चात फेरी को ड्रम से हटा लीजिए तथा 8-10 घंटे तक पड़े रहने दीजिए ताकि अतिरिक्त पानी निकल जाए तथा चोकर को ठंडा होने दीजिए। इस बात का ध्यान रखा जाए कि ब्लॉक बनाने तक थैले को खुला न छोड़ा जाए क्योंकि ऐसा होने पर उबला हुआ चोकर संदूषित हो जाएगा। हथेलियों के बीच में चोकर को निचोड़कर चोकर की वांछित नमी तत्व का परीक्षण किया जा सकता है तथा सुनिश्चित कीजिए कि पानी की बूंदे चोकर से बाहर न निकलें।

चोकर के पाश्चुरीकृत का दूसरा तरीका भापन है। इस तरीके के लिए ड्रम में थोड़े परिवर्तन की आवश्यकता होती है (ड्रम के ढक्कन में एक छोटा छेद कीजिए तथा चोकर को उबालते समय रबर की ट्यूब से ढक्कन के चारों ओर सील लगा दीजिए) टुकड़े-टुकड़े किए गए चोकर को पहले भिगो दीजिए तथा अतिरिक्त पानी निकाल दिया जाए। ड्रम में कुछ पत्थर डाल दीजिए तथा पत्थर के स्तर तक पानी उड़ेलिए।

बांस की टोकरी में रखकर गीले चोकर को उबाल दें तथा ड्रम के अंदर पत्थर के ऊपर टोकरी को रख दें। ड्रम के ढक्कन को बंद कर दें तथा रबर की ट्यूब से ढक्कन की नेमि को सील कर दीजिए। उबले हुए पानी से उत्पन्न भाप चोकर से गुजरते हुए इसे पाश्चुरीकृत करेगी। उबालने के बाद चोकर को पहले से कीटाणुरहित किए गए बोरी में स्थानांतरित कर दिजिए तथा 8-10 घंटे तक इसे ठंडा होने के लिए छोड़ दीजिए।

अब क्या करें

लकड़ी का एक सांचा लीजिए तथा चिकने फर्श पर रख दीजिए। पटसून की दो रस्सियों ऊर्ध्वाधर एवं अनुप्रस्थ रूप में रख दीजिए। प्लास्टिक की शीट से अस्तर लगाइए जिसे पहले उबलते पानी में डुबोकर कीटाणुरहित किया गया है।

5 सेमी. के उबले चोकर को भर दीजिए तथा लकड़ी के ढक्कन की मदद से इसे सम्पीडित कीजिए तथा पूरी सतह पर स्पान को छिड़किए।

स्पानिंग की प्रथम तह के उपरान्त 5 सेमी का अन्य चोकर रखिए तथा सतह पर पुन=स्थान का छिड़काव करें तथा प्रथम तह में किए गए की तरह इसे सम्पीडित कीजिए। इस प्रकार तह पर स्पान को 4 से 6 तह तक के लिए तब तक छिड़किए जब तक चोकर सांचे के शीर्ष के स्तर तक न आ जाए। एक (1) एक पैकेट स्पान का इस्तेमाल 1 क्यूब अथवा ब्लाक के लिए किया जाना चाहिए।

आगे क्या करें

अब प्लास्टिक की शीट सांचे की शीर्ष पर मोडी जाए प्लास्टिक के नीचे पहले रखी गई पटसून की रस्सियों से उसे बांध दिया जाए।

बांधने के उपरांत सांचे को हटाया जा सकता है तथा चोकर का आयताकर खंड पीछे बच जाता है।

वायु के लिए खंड के सभी तरफ छेद (2 मिमी व्यास) बनायें।

ऊष्मायन कक्ष में ब्लॉक को रख दीजिए उन्हें सरल तह में एक दूसरे के बगल रखा जाए तथा इस बात का ध्यान रखा जाए कि उन्हें फर्श पर अथवा एक दूसरे के शीर्ष पर सीधे न रखा जाए क्योंकि इससे अतिरिक्त ऊष्मा उत्पन्न होगी।

ब्लॉक का तापमान 250 से. पर रखा जाए। ब्लॉक के छिद्रों में एक तापमापक डालकर इसे नोट किया जा सकता है। यदि तापमान 250 से. से ऊपर जाता है तो कमरे में गैस भरने की सलाह दी जाती है। तथा यदि तापमान में गिरवाट आती है, तो कमरे को धीरे-धीरे गर्म किया जाना चाहिए।

यह भी करें

पूरे पयाल में फैलने के लिए स्पान को 12 से 15 दिन लगता है तथा जब पूरा ब्लॉक सफेद हो जाए तो यह निशान है कि स्पान संचालन पूरा हो गया है।

अण्डज परिपालन के उपरांत ब्लॉक से रस्सी तथा प्लास्टिक की शीट को हटा दीजिए। नारियल की रस्सी से ब्लॉक को अनुप्रस्थ रूप में बांध दीजिए तथा इसे फसल कक्ष में लटका दीजिए। इस अवस्था से आगे कमरे की सापेक्ष आर्द्रता 85 प्रतिशत से कम नहीं होनी चाहिए। ऐसे दीवारों तथा कमरे की फर्श पर जल छिड़क करके समय-समय पर किया जा सकता है। यदि फर्श सीमेंट का है, तो सलाह दी जाती है कि फर्श पर पानी डालिए ताकि फर्श पर हमेश पानी रहे। यदि खंड हल्का से सूखने का लक्षण जिससे लगे तो स्प्रेयर के माध्यम से स्प्रे किया जा सकता है।

एक सप्ताह से 10 दिन के भीतर ब्लॉक की सतह पर छोटे-छोटे पिन शीर्ष दिखाई पड़ेगे तथा ये एक या दो दिन के भीतर पूरे आकार के मशरूम हो जाएंगे।

उपज

मशरूम प्रवाह में दिखाई पड़ते है। एक क्यूब से लगभग 2 से 3 प्रवाह काटे जा सकते है। प्रथम प्रवाह की उपज ज्यादा होती है तथा तत्पश्चात धीरे-धीरे कम होने लगती है तथा एक क्यूब से 1.5 किग्रा से 2 किग्रा तक के ताजे मशरूम की कुल उपज प्राप्त होती है। इसके बाद क्यूब को छोड़ दिया जाता है तथा फसल कक्ष से काफी दूर पर स्थित एक गड्ढे में पाट दिया जाता है अथवा बगीचे अथवा खेत में खाद के रूप में इसका इस्तेमाल किया जा सकता है।

परिरक्षण

मशरूम को ताजा खाया जा सकता है अथवा इसे सुखाया जा सकता है। चूंकि वे शीघ्र ही नष्ट हो जाने वाले प्रकृति के होते हैं तो आगे के इस्तेमाल अथवा दूरस्थ विपणन के लिए उनका परिरक्षण आवश्यक है। ओयेस्टर मशरूम को परिरक्षित करने का सबसे पुराना एवं सस्ता तरीका है धूप में सुखाना।

गर्म हवा में सुखाना कारगर उपयोग है जिसके द्वारा मशरूम को डिहाइड्रेटर (स्थानीय रूप से तैयार उपस्कर) नामक उपस्कर में सुखाया जाता है मशरूम को एक बंद कमरे में लगे हुए तार के जाल से युक्त रैक में रखा जाता है तथा गर्म हवा (500 से 550 से) 7-8 घंटे तक रैक के माध्यम से गुजरती है।

मशरूम को सुखाने के बाद इसे वायुसह डिब्बे में स्टोर किया जाता है अथवा 6-8 माह के लिए पोलीबैग में सील कर दिया जाता है। पूरी तरह से सोखने के उपरांत मशरूम अपने ताजे वजन से कम होकर एक से घट कर तैरहवां भाग रह जाता है जो सुरक्षा के आधार पर अलग-अलग होता है। मशरूम को ऊष्ण जल में भिगोकर आसानी से पुन=जलित किया जा सकता है।

रोग एवं कीट

यदि मशरूम की देखभाल न की जाए तो अनेक रोग एवं पीट इस पर हमला कर देते हैं।

रोग

हरी फफूंद (ट्राइकोडर्मा विरिडे) = यह कस्तूरा कुकुरमुत्ते में सबसे अधिक सामान्य रोग है जहां क्यूबों पर हरे रंग के धब्बे दिखाई पड़ते है।

नियंत्रण =फॉर्मालिन घोल में कपड़े को डुबोइए (40 प्रतिशत) तथा प्रभावित क्षेत्र को पोंछ दीजिए। यदि फफूंदी आधे से अधिक क्यूब पर आक्रमण करती है तो सम्पूर्ण क्यूब को हटा दिया जाना चाहिए। इस बात की सावधानी रखी जानी चाहिए कि दूषित क्यूब को पुनर्संक्रमण से बचाने के लिए फसल कक्ष से काफी दूर स्थान पर जला दिया जाए अथवा दफना दिया जाए।

कीट

मक्खियां =देखा गया है कि स्कैरिड मक्खियां, फोरिड मक्खियां, सेसिड मक्खियां कुकुरमुत्ते तथा स्पॉन की गंध पर हमला करती हैं। वे भूसी अथवा कुकुरमुत्ते अथवा उनसे पैदा होने वाले अण्डों पर अण्डे देती हैं तथा फसल को नष्ट कर देती हैं। अण्डे माइसीलियम, मशरूम पर निर्वाह करते हैं एवं फल पैदा करने वाले शरीर के अंदर प्रवेश कर जाते हैं तथा यह उपभोग के लिए अनुपयुक्त हो जाता है।

नियंत्रण = फसल की अवधि में बड़ी मक्खियों के प्रवेश को रोकने के लिए दरवाजों, खिडकियों अथवा रोशनदानों पर पर्दा लगा दीजिए यदि कोई, 30 मेश नाइलोन अथवा वायर नेट का पर्दा। मशरूम गृहों में मक्खीदान अथवा मक्खियों को भगाने की दवा का इस्तेमाल करें।

कुटकी = ये बहुत पतले एवं रेंगने वाले छोटे-छोटे कीड़े होते हैं जो कुकुरमुत्ते के शरीर पर दिखाई देते हैं। वे हानिकारक नहीं होते है, किन्तु जब वे बड़ी संख्या में मौजूद होते है तो उत्पादक उनसे चिंतित रहता है।

नियंत्रण =घर तथा पर्यावरण को साफ सुथरा रखें।

शम्बूक, घोंघा = ये पीट मशरूम के पूरे भाग को खा जाते हैं जो बाद में संक्रमित हो जाते हैं तथा वैक्टीरिया फसल के गुणवत्ता पर बुरा प्रभाव डालते हैं।

नियंत्रण = क्यूब से पीटों को हटाइए तथा उन्हें मार डालिए। साफ सुथरी स्थिति को बनाये रखें।

अन्य कीटाणु

5.कृन्तक = कृन्तकों का हमला ज्यादातर अल्प कीमत वाले मशरूम हाउसों पर पाया जाता है। वे अनाज की स्पॉन को खाते हैं तथा क्यूबों के अंदर छेद कर देते हैं।

नियंत्रण =मशरूम गृहों में चूहा विष चारे का इस्तेमाल करें। चूहों की बिलों को कांच के टुकडों एवं पलास्टर से बंद कर दें।

इन बातों का भी रखें ध्यान

जब फल बनना शुरू होता है तो हवा की जरूरत बढ़ जाती है। अत=जब एक बार फल बनना शुरू हो जाता है तो आवश्यक है कि हर 6 से 12 घण्टो बाद कमरे के सामने और पीछे दिए गए वेंटीलेटर खोलकर ताजी हवा अंदर ली जाए।

जब आवरणों की परिधि ऊपर की ओर मुड़ना शुरू हो जाती है तो फल काया (मशरूम) तोड़ने के लिए तैयार हो जाते है। ऐसा जाहिर होगा क्योंकि छोटी-छोटी सिलवटें आवरण पर दिखाई पड़ने लगती है। मशरूम को काटने के लिए अंगूठे एवं तर्जनी से आधार पर डाल को पकड़ लीजिए तथा हल्के क्लाकवाइज मोड़ से पुआल अथवा किसी छोटे मशरूम उत्पादन को विक्षोभित किए बिना मशरूम को डाल से अलग कर लीजिए। काटने के लिए चाकू अथवा कैंची का इस्तेमाल मत करें। एक सप्ताह के बाद ब्लॉक में फिर से फल आने शुरू हो जाएंगे।

अमेरिकी आर्थिक नीतियां अन्य देशों को विपरीत रूप से प्रभावित कर सकती है

प्रहलाद सबनानी

वैश्विक स्तर पर अर्थशास्त्र के वर्तमान सिद्धांत (मॉडल) विभिन्न प्रकार की आर्थिक समस्याओं को हल करने के संदर्भ में बोथरे साबित हो रहे हैं। इसलिए अमेरिकी एवं अन्य विकसित देशों के अर्थशास्त्री आज साम्यवादी एवं पूंजीवादी सिद्धांतों (मॉडल) के स्थान पर वैश्विक स्तर पर आर्थिक क्षेत्र में आ रही विभिन्न समस्याओं के हल हेतु एक तीसरे रास्ते (मॉडल) की तलाश करने में लगे हुए हैं और इस हेतु वे भारत की ओर बहुत आशाभारी नजरों से देख रहे हैं।

वैश्विक स्तर पर अमेरिकी डॉलर लगातार मजबूत हो रहा है और अंतरराष्ट्रीय बाजार में अन्य देशों की मुद्राओं की कीमत अमेरिकी डॉलर की तुलना में गिर रही है। इससे, विशेष रूप से विभिन्न वस्तुओं का आयात करने वाले देशों में वस्तुओं के आयात के साथ मुद्रा स्फीति का भी आयात हो रहा है। इन देशों में मुद्रा स्फीति बढ़ती जा रही है और इसे नियंत्रित करने के उद्देश्य से एक बार पुनः ब्याज दरों में वृद्धि की सम्भावना भी बढ़ रही है। भारतीय रिजर्व बैंक को अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारतीय रुपए के अवमूल्यन को रोकने के लिए भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में से लगभग 5,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर को बेचना पड़ा है जिससे भारत का विदेशी मुद्रा भंडार अपने उच्चत्तम स्तर 70,500 करोड़ अमेरिकी डॉलर से घटकर 65,500 करोड़ अमेरिकी डॉलर के भी नीचे आ गया है। अमेरिकी डॉलर के लगातार मजबूत होने के चलते विश्व के लगभग सभी देशों की यही स्थिति बनती हुई दिखाई दे रही है। दूसरी ओर, अमेरिका में बजटीय घाटा एवं बाजार ऋण की राशि अपने उच्चत्तम स्तर पर पहुंच गई है एवं अमेरिका को इसे नियंत्रित करने के लिए अपनी आय में वृद्धि करना एवं व्यय को घटाना आवश्यक हो गया है। परंतु, 20 जनवरी 2025 को डॉनल्ड ट्रम्प के अमेरिका के राष्ट्रपति बनते ही सम्भव है कि ट्रम्प प्रशासन द्वारा आयकर में भारी कमी की घोषणा की जाय। डॉनल्ड ट्रम्प ने अपने चुनावी भाषण में इसके बारे में इशारा भी किया था। हां, सम्भव है कि आयकर को कम करने के चलते कुल आय में होने वाली कमी की भरपाई अमेरिका द्वारा कच्चे तेल के उत्पादन में वृद्धि कर इसके निर्यात में वृद्धि एवं अमेरिका में विभिन्न वस्तुओं के अमेरिका में होने वाले आयात पर कर में वृद्धि करने के चलते कुछ हद तक हो सके। परंतु, कुल मिलाकर यदि आय में होने वाली सम्भावित कमी की भरपाई नहीं हो पाती है तो अमेरिका में बजटीय घाटा एवं बाजार ऋण की राशि में अतुलनीय वृद्धि सम्भव है। जो एक बार पुनः अमेरिका में मुद्रा स्फीति को बढ़ा सकता है और फिर से अमेरिका में ब्याज दरों में कमी के स्थान पर वृद्धि देखने को मिल सकती है।

पूरे विश्व में पूंजीवादी नीतियों के चलते मुद्रा स्फीति को नियंत्रण में रखने के उद्देश्य से विभिन्न देशों द्वारा ब्याज दरों में वृद्धि की घोषणा की जाती रही है। किसी भी देश में मुद्रा स्फीति की दर यदि खाद्य पदार्थों की कीमतों में वृद्धि के चलते बढ़ रही है तो इसे ब्याज दरों में वृद्धि कर नियंत्रण में नहीं लाया जा सकता है। हां, खाद्य पदार्थों की बाजार में आपूर्ति बढ़ाकर जरूर मुद्रा स्फीति को तुरंत नियंत्रण में लाया जा सकता है। अतः यह मांग की तुलना में आपूर्ति सम्बंधी मुद्दा अधिक है। उत्पादों की मांग में कमी करने के उद्देश्य से बैंकों द्वारा ब्याज दरों में वृद्धि की जाती है, जिससे ऋण की लागत बढ़ती है और इसके कारण अंततः विभिन्न उत्पादों की उत्पादन लागत बढ़ती है। उत्पादन लागत के बढ़ने से इन उत्पादों की मांग बाजार में कम होती है जो अंततः इन उत्पादों के उत्पादन में कमी का कारण भी बनती है। उत्पादन में कमी अर्थात बहुराष्ट्रीय कम्पनियों द्वारा कर्मचारियों की छँटनी करने के परिणाम के रूप में भी दिखाई देती है। हाल ही के वर्षों में अमेरिका में जब मुद्रा स्फीति की दर पिछले लगभग 50 वर्षों के उच्चत्तम स्तर पर अर्थात 10 प्रतिशत के आसपास पहुंच गई थी, तब फेडरल रिजर्व द्वारा फेड दर (ब्याज दरों) को भी 0.25 प्रतिशत से बढ़ाकर 6.50 प्रतिशत तक लाया गया था, और यह दर लम्बे समय तक बनी रही थी। इसका प्रभाव, अमेरिका की सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में कार्य कर रही कम्पनियों पर अत्यधिक विपरीत रूप में पड़ता दिखाई दिया था और लगभग 2 लाख इंजीनियरों की छँटनी इन कम्पनियों द्वारा की गई थी। अतः मुद्रा स्फीति को नियंत्रण में लाने के उद्देश्य से ब्याज दरों में लगातार वृद्धि करने का निर्णय अमानवीय है एवं इसे उचित निर्णय नहीं कहा जा सकता है। ब्याज दरों में वृद्धि करने का परिणाम वैश्विक स्तर पर कोई बहुत अधिक सफल भी नहीं रहा है। अमेरिका को मुद्रा स्फीति की दर को नियंत्रण में लाने के लिए लगभग 3 वर्ष(?) का समय लग गया है और यह इस बीच ब्याज दरों को लगातार उच्च स्तर पर बनाए रखने के बावजूद सम्भव नहीं हो पाया है।

भारत में भी भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा मुद्रा स्फीति को नियंत्रित करने के उद्देश्य से रेपो दर (ब्याज दर) में पिछले लगभग 22 माह तक कोई परिवर्तन नहीं किया गया था एवं इसे उच्च स्तर पर बनाए रखा गया था जिसका असर अब भारत के आर्थिक विकास दर पर स्पष्टः दिखाई दे रहा है एवं वित्तीय वर्ष 2024-25 की द्वितीय तिमाही में भारत में सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर गिरकर 5.2 प्रतिशत रही है, जो वित्तीय वर्ष 2023-24 में 8.2 प्रतिशत की रही थी। आर्थिक विकास दर में वृद्धि दर का कम होना अर्थात देश में रोजगार के कम अवसर निर्मित होना एवं नागरिकों की आय में वृद्धि की दर का भी कम होना भी शामिल रहता है। अतः लंबे समय तक ब्याज दरों को ऊंचे स्तर पर नहीं बनाए रखा जाना चाहिए।

यह सही है कि मुद्रा स्फीति को एक दैत्य की संज्ञा भी दी जाती है और इसका सबसे अधिक विपरीत प्रभाव गरीब वर्ग पर पड़ता है। अतः किसी भी देश के लिए इसे नियंत्रण में रखना अति आवश्यक है। परंतु, मुद्रा स्फीति को नियंत्रण में रखने हेतु लगातार ब्याज दरों में वृद्धि करते जाना भी अमानवीय कृत्य है। ब्याज दरों में वृद्धि की तुलना में विभिन्न उत्पादों की बाजार में आपूर्ति बढ़ाकर मुद्रा स्फीति को तुरंत नियंत्रण में लाया जा सकता है। विभिन्न देशों की सरकारों द्वारा उत्पादों की आपूर्ति बढ़ाने हेतु प्रयास किए जाने चाहिए। आपूर्ति बढ़ाने के प्रयासों में इन उत्पादों के उत्पादन में वृद्धि करना भी शामिल होगा, कम्पनियों द्वारा उत्पादन में वृद्धि करने के साथ साथ रोजगार के नए अवसरों का निर्माण भी किया जाएगा। इस प्रकार के निर्णय देश की अर्थव्यवस्था के लिए हितकारी एवं लाभदायक साबित होंगे।

अमेरिका द्वारा आर्थिक क्षेत्र से सम्बंधित की जा रही विभिन्न घोषणाओं जैसे चीन एवं अन्य देशों से आयात की जाने वाली वस्तुओं पर आयात कर में 60 प्रतिशत से 100 प्रतिशत तक की वृद्धि करना, अमेरिका पर लगातार बढ़ रहे ऋण को कम करने हेतु किसी भी प्रकार के प्रयास नहीं करना, अमेरिकी बजटीय घाटे का लगातार बढ़ते जाना, विदेशी व्यापार के क्षेत्र में व्यापार घाटे का लगातार बढ़ते जाना, विभिन्न देशों द्वारा डीडोलराईजेशन के प्रयास करना आदि ऐसी समस्याएं हैं जिनका हल यदि शीघ्र ही नहीं निकाला गया तो अमेरिकी अर्थव्यवस्था के साथ साथ अन्य देशों की अर्थव्यवस्थाएं भी विपरीत रूप से प्रभावित हुए बिना नहीं रह सकेंगी।

प्राचीन भारत के इतिहास में मुद्रा स्फीति जैसी परेशानियों का जिक्र नहीं के बराबर मिलता है। भारतीय आर्थिक दर्शन के अनुसार भारत में उत्पादों की उपलब्धता पर विशेष ध्यान दिया जाता रहां है अतः वस्तुओं की बढ़ती मांग के स्थान पर बाजार में वस्तुओं की आपूर्ति ही अधिक रही है। ग्रामीण इलाकों में 50 अथवा 100 ग्रामों के क्लस्टर के बीच हाट (बाजार) लगाए जाते थे जहां स्थानीय स्तर पर निर्मित वस्तुओं/उत्पादों/खाद्य पदार्थों को बेचा जाता था। स्थानीय स्तर पर निर्मित की जा रही वस्तुओं को स्थानीय बाजार में ही बेचने से इन वस्तुओं के बाजार मूल्य सदैव नियंत्रण में ही रहते थे। अतः वस्तुओं की मांग की तुलना में उपलब्धता अधिक रहती थी। कई बार तो उपलब्धता का आधिक्य होने के चलते इन वस्तुओं के बाजार में दाम कम होते पाए जाते थे। इस प्रकार मुद्रा स्फीति जैसी समस्याएं दिखाई नहीं देती थीं। जबकि वर्तमान में, विभिन्न देशों के बाजारों में विभिन्न उत्पादों की उपलब्धता पर ध्यान ही नहीं दिया जा रहा है, इन वस्तुओं की मांग बढ़ने से इनकी कीमतें बढ़ने लगती हैं, और, इन कीमतों पर नियंत्रण करने के उद्देश्य से यह प्रयास किया जाने लगता है कि किस प्रकार इन वस्तुओं की मांग बाजार में कम की जाय, इसे एक नकारात्मक निर्णय ही कहा जाना चाहिए।

वैश्विक स्तर पर अर्थशास्त्र के वर्तमान सिद्धांत (मॉडल) विभिन्न प्रकार की आर्थिक समस्याओं को हल करने के संदर्भ में बोथरे साबित हो रहे हैं। इसलिए अमेरिकी एवं अन्य विकसित देशों के अर्थशास्त्री आज साम्यवादी एवं पूंजीवादी सिद्धांतों (मॉडल) के स्थान पर वैश्विक स्तर पर आर्थिक क्षेत्र में आ रही विभिन्न समस्याओं के हल हेतु एक तीसरे रास्ते (मॉडल) की तलाश करने में लगे हुए हैं और इस हेतु वे भारत की ओर बहुत आशाभारी नजरों से देख रहे हैं। प्राचीन भारतीय आर्थिक दर्शन इस संदर्भ में निश्चित ही वर्तमान समय में आ रही विभिन्न प्रकार की आर्थिक समस्याओं के हल में सहायक एवं लाभकारी सिद्ध हो सकता है।

संपादकीय

सहकार से बनेगी बात

सुप्रीम कोर्ट में बुधवार को मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति को लेकर बनाए गए 2023 के नये कानून की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई हुई। अब अगली सुनवाई 4 फरवरी को होगी। लोगों को याद होगा कि सुप्रीम कोर्ट ने 2 मार्च 2023 के अपने निर्णय में मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति के लिए प्रधानमंत्री, नेता प्रतिपक्ष और प्रधान न्यायाधीश को शामिल करते हुए एक चयन समिति का गठन किया था। इसके बाद संसद ने एक नया कानून बनाया जिसमें प्रावधान है कि चयन समिति में प्रधानमंत्री, एक केंद्रीय कैबिनेट मंत्री, नेता प्रतिपक्ष या लोक सभा में सबसे बड़े विरोधी दल के नेता शामिल होंगे। महत्त्वपूर्ण बात यह है कि इस चयन समिति से प्रधान न्यायाधीश को हटा दिया गया। इस नये कानून को लेकर विवाद है। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एड़ीआर) और मध्य प्रदेश की कांग्रेस नेता जय ठाकुर ने शीर्ष अदालत में दायर अपनी अर्जी में कहा है कि केंद्र सरकार ने अदालत के फैसले का आधार बदले बिना इसे बदल दिया। एड़ीआर की ओर से पेश वरिष्ठ वकील प्रशांत भूषण का विश्वास है कि सरकार चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति को नियंत्रित नहीं कर सकती। इससे लोकतंत्र को खतरा है। ऐसा प्रतीत होता है कि नये कानून में चयन समिति से प्रधान न्यायाधीश को हटाने के पीछे सरकार की मंशा यही रही होगी कि उसे किसी तरह की दुविधा का सामना न करना पड़े और उसे इस बात की भी आशंका रही होगी कि अगर मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति में प्रधान न्यायाधीश और नेता प्रतिपक्ष दोनों ने अपना विरोध दर्ज कर दिया तो सरकार के सामने एक असहज स्थिति पैदा हो सकती है। हालांकि गैर-सरकारी संगठन एड़ीआर और वरिष्ठ वकील प्रशांत भूषण की ओर से उठाई आपत्तियां भी विचारणीय है और इसे सिरे से खारिज नहीं किया जा सकता। अब देखने वाली बात यह है कि इस अहं मसले पर सुप्रीम कोर्ट क्या फैसला देता है। मामले की सुनवाई करते हुए शीर्ष अदालत

चिंतन-मनन

सिद्धांत गौण है, सत्ता प्रमुख

पिछले दिनों में राष्ट्रीय रंगमंच पर जिस प्रकार का राजनीतिक चरित्र उभरकर आ रहा है, वह एक गंभीर चिंता का विषय है। ऐसा लगता है, राजनीति का अर्थ देश में सुव्यवस्था बनाए रखना नहीं, अपनी सत्ता और कुर्सी बनाए रखना है। राजनीतिज्ञ का अर्थ उस नीति-निपुण व्यक्तित्व से नहीं है, जो हर कीमत पर राष्ट्र की प्रगति, विकास-विस्तार और समृद्धि को सर्वोपरी महत्व दे; किंतु उस विदूषक-विशारद व्यक्तित्व से है, जो राष्ट्र के विकास और समृद्धि को अवनति के गर्त में फेंककर भी अपनी कुर्सी को सर्वोपरि महत्व देता हो। राजनेता का अर्थ राष्ट्र को गति की दिशा में अग्रसर करने वाला नहीं, अपने दल को सत्ता की ओर अग्रसर करने वाला रह गया है। यही कारण है कि आज राष्ट्र गौण है, दल प्रमुख है। सिद्धांत गौण है, सत्ता प्रमुख है। चरित्र गौण है, कुर्सी प्रमुख है।

एक राजनेता में राष्ट्रीय चरित्र, न्याय-सिद्धांत और नेतृत्व क्षमता के गुणों की आवश्यकता नहीं, किंतु आज कुशल राजनेता वही है, जो अपने दल के लिए राष्ट्र के साथ भी विश्वासघात कर सकता हो, अपनी कुर्सी के लिए अपने दल के साथ भी विश्वासघात करने का जिसमें साहस या दुस्साहस हो।

बहुत बार मन में प्रश्न उभरता है, क्या राजनीति का अपना कोई चरित्र नहीं होता अथवा सत्ता प्राप्ति के लिए राष्ट्र, समाज, दल और व्यक्ति की विश्वासपूर्ण भावनाओं के साथ खिलवाड़ करना ही राजनीति का चरित्र होता है? जनता की कोमल भावनाओं का शोषण करके सत्तासीन होने के बाद क्या राजनेता का व्यक्तित्व जनता और राष्ट्र से भी बड़ा हो जाता है?

यदि ऐसा नहीं है तो आज की राजनीति क्यों अपने प्रिय पुत्रों, संबंधियों और चमचों-चाटुकारों के चप्रव्यूह में फंसकर रह गई है? राष्ट्र को स्थिर नेतृत्व प्रदान करने के नाम पर क्यों सिद्धांतहीन समझौते और स्तरहीन कलाबाजियां दिखाई जा रही हैं? संप्रदायवाद, जातिवाद, भाषावाद और प्रांतवाद को भड़का करके क्यों सत्ता की गोटियां बिठाई जा रही हैं? आज की राजनीति को देखकर मन ग्लानि और वितृष्णा से भर जाता है। आखिर यह सबकुछ कब तक चलता रहेगा?

लाल बहादुर शास्त्री पुण्य तिथि पर विशेषः ईमानदार और सादगीपूर्ण नेतृत्व की मिसाल

ईमानदार कर्तव्यनिष्ठ व्यक्तित्व के धनी और भारत के द्वितीय प्रधानमंत्री को उनकी गरिमानुरूप याद नहीं किया जाता। शास्त्री जी भारत के ऐसे कुछ गिने चुने सपूतों में से हैं जिनका भारत की स्वतंत्रता और स्वतंत्र भारत में बड़ी अहम भूमिका रही है। उन्होंने जहाँ भारत की आजादी के लिये जी जान एक किया तो वहीं स्वतंत्र भारत के नव निर्माण में अपना जीवन दिया। ऐसे महान चरित्र के स्वामी थे शास्त्री जी। भारत का यह लाल दो अक्टूबर सन् 1904 को उत्तर प्रदेश स्थित मुगलसराय में जन्मा था। इनके पिता का नाम शारदा प्रसाद श्रीवास्तव था। ये पेशे से अध्यापक थे। शास्त्री जी को अपने पिता का सानिध्य ज्यादा दिनों तक नही प्राप्त हो सका, मात्र दो वर्ष की अल्पायु में ही उनके पिता का स्वर्गवास हो गया था। इसके बाद वे अपने नाना के यहाँ उन्नाव चले गये। बचपन से ही उन्होंने आर्थिक व सामाजिक समस्याओं का सामना किया। इन्हीं सब के चलते उनके व्यक्तित्व में दृढ़ता एवं जुझारूपन का रुझान बढ़ता चला गया, और जो बाद में उनके व्यक्तित्व का एक प्रमुख पहचान बना। उनका यही आत्मबल एक दिन उन्हें स्वतंत्रता संग्राम सेनानी से लेकर कांग्रेस महासचिव, रेल मंत्री और प्रधानमंत्री पद तक प्रतिष्ठित किया।

लाल बहादुर ने 1925 में काशी विद्यापीठ से परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त किया एवं 1927 में इनका विवाह हो गया। शास्त्री जी जब युवा थे तब की एक घटना का उल्लेख है, यह घटना उनके आत्म बल, सहनशीलता दृढप्रतिज्ञ स्वभाव का एक उदाहरण है। वे विद्यालय जाने के नदी पार कर पढ़ने जाते थे, तो इसी क्रम में वे रामनगर गंगातट पर नाव घाट के पास पहुँचे तो उन्होंने देखा कि नाव में बैठने के लिये उनके पास पैसे तो हैं नहीं। नाव वाले ने भी बैठाने से इंकार कर दिया, और तो और अन्य सहपाठी जो नाव में बैठे थे, उन्होंने उनका उपहास किया। पर वे क्रोधित होने की बजाय

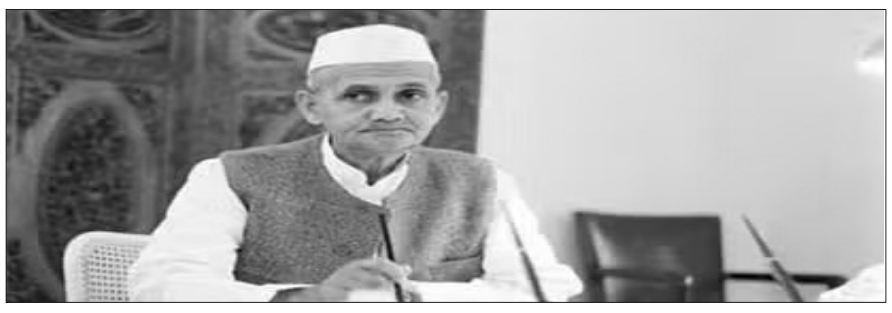

तुरंत कपड़े उतारकर फिर पुस्तकें व कपड़े एक हाथ में रखकर पानी में कूद पड़े और तैरकर उस पार पहुँच और समय पर ही अपनी उपस्थिति स्कूल में दर्ज कराई। ऐसा एक बार नही अनेक बार हुआ। घर की आर्थिक स्थिति ने भी उन्हें ऐसा करने के लिये मजबूर किया।

जब ललितादेवी के साथ उनका व्याह हुआ तो उन्होंने पहले से ही दहेज एवं विवाह के तामझाम के लिये मना कर दिया था। लड़की वालों के यहां एकदम सादगीपूर्ण विवाह संपन्न हुआ था। शास्त्री जो सर्वगुण सम्पन्न व्यक्ति थे। देश, समाज और जनता के आम जरुरतों उनकी समस्याओं पर ही चिंतन विशेष तौर पर करते थे। ये नेकी के साक्षात मूर्ति थे। शास्त्री जी अपने किशोरावस्था से ही स्वतंत्रता संग्राम में कुद पड़े थे। स्वतंत्रता संग्राम के उनके साथी गोविंद वल्लभ पंत, रफी अहमद किदवई. डॉ. राजेंद्र प्रसाद, जयनारायण व्यास महावीर त्यागी, कामरेड रामकिशन, आचार्य कृपलानी, मोहम्मद अब्दुल कलाम आजाद, सी. राजगोपालाचारी, गफ्फार खान शंकर राव देव, बाबू पुरुषोत्तम दास टेंडन, बाबा मग सिंह और प्रकाश नारायण आदि थे। इनके साथियों पर भी इनकी छाप का गहरा असर हुआ। गाँधीजी के साथ उन्होंने असहयोग आंदोलन के संचालन पर खूब मेहनत की।

1947 में भारत आजाद हुआ. और नेहरूजी भारत के पहले प्रधानमंत्री बने। 1951 में नेहरूजी जब भारत के प्रधानमंत्री एवं कांग्रेस अध्यक्ष थे, तब उन्होंने शास्त्रीजी को कांग्रेस का महासचिव नियुक्त किया। कुछ समय बाद नेहरु जी ने उन्हें रेल व परिवहन विभाग का मंत्रीपद सौपा। उनके ईमानदारी का परिचय इस पद पर भी देखने को मिला. जबकि एक रेल दुर्घटना की जिम्मेदारी अपने ऊपर लेते हुये उन्होंने पद से इस्तीफा दे दिया। नेहरू हर जी के लाख कहने पर भी इस्तीफा वापस नहीं लिया। यह था उनका कर्तव्य एवं दायित्व बोध ऐसी नैतिकता और सदभावता आज कहीं देखने को नहीं मिलती। दूसरे आम चुनाव मे लाल बहादुर पुनः भारी मतों से जीतकर संसद में पहुँचे और पुनः परिवहन, यातायात और उद्योग मंत्रालय का कार्यभार सम्हाला। कुछ समय बाद सन् 1960 में गृहमंत्री गोविंद वल्लभ पंत के अस्वस्थ हो जाने पर शास्त्री जी को गृह मंत्रालय का भी कार्यभार सम्हालना पड़ा। ऐसे ही जब एक बार किसी कपड़ा मिल का अवलोकन कर रहे थे तव वहाँ के अधिकारियों व कर्मियों ने शास्त्री जी की पत्नी के लिये उन्हें एक उत्तम किस्म की साडी भेंट करनी चाही, तभी उन्होंने उसका दाम पूछा और कहा कि इतने ऊंचे दाम की साड़ी मैं नहीं खरीद सकता, जबकि वे भेंट करना चाहते थे लेकिन उन्होंने उसे वापस कर दिया। क्या ऐसी सादगी, एवं ईमानदारी व भोलापन आज के किसी मंत्री, या अधिकारी में है?

सन 1964 के 27 मई को प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू की मृत्यु के बाद सभी के सामने यह सवाल था कि अब भारत का अगला प्रधानमंत्री कौन होगा..? आखिरकार सर्वसम्मति से शास्त्रीजी को प्रधानमंत्री बनाया गया। इसका मुख्य कारण था. उनका व्यवहार एवं व्यक्तित्व, चरित्र की सादगी। जिससे सभी प्रभावित थे। निम्न वर्ग के प्रति उनकी हमदर्दी प्रसिद्ध है। उनका लक्ष्य हमेशा भारत से गरीबी और बेरोजगारी दूर करने का रहा। वहीं वे अनुशासन के बड़े पाबंद थे। दूसरों से भी अनुशासन की इच्छा रखते थे। शास्त्री जी के शासनकाल में ही पाकिस्तान ने भारत पर हमला कर दिया था। वहाँ के शासकों की यह सोच थी कि अब भारत की बागडोर कमजोर प्रधानमंत्री के हाथों में है। इससे अच्छा अवसर हमले के लिये फिर नही मिलेगा। पर उनकी आशाओं के विपरीत पाकिस्तान को मुंह की खानी पड़ी और वह युद्ध में बुरी तरह से परास्त हुआ। इसी युद्ध के दौरान शास्त्री ने भारत के सैनिकों का हौसला बढ़ाने के लिये 'जय जवान जय किसानरू का जगत विख्यात नारा दिया था।' जनवरी 1966 को ताशकंद में उनका निधन हो गया।

वर्तमान में कोई भी राजनीतिज्ञ शास्त्रीजी के दिखाये गये रास्तों पर नहीं चलना चाहता। शास्त्री जी सादगी, ईमानदारी दायित्वबोध, जनता से प्रत्यक्ष संबंध एवं दृढ़ता आज के असंयमित अशिष्ट अलोकतांत्रिक, स्वार्थी और पश्चिमी सभ्यता की ओढने वाले हमारे देश के कर्णधारों को रास नहीं है। अभी भी हमारे नेता मंत्री एवं अधिकारी उनके बताये मार्ग पर चले तो देश विकास की ऊंचाइयों और नैतिकता को स्पर्श कर लेगा।

'क्या हुआ गर मिट गये. अपने वतन के वास्ते।
बुलबुले कुरबान होते हैं, चमन के वास्ते। ।'

-सुरेश सिंह बैस 'शाश्वत'

बिगड़े.बोल : कब समझदार बनेंगे माननीय

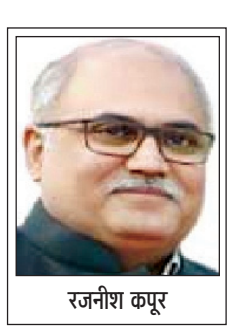

रजनीश कपूर

चुनावी सभा हो या संसद सदन जब भी नेताओं के बोल बिगड़ते हैं तो सुर्खियां बनते देर नहीं लगती। परंतु सोचने वाली बात यह है कि जहां एक ओर हमारे देश में राजनेताओं की एक जमात ऐसी थी जो नैतिकता का पालन करती थी। वहीं दूसरी ओर बीते कुछ वर्षों से राजनेताओं के बयानों में आपको अभद्रता के कई उदाहरण मिलेंगे। दल चाहे कोई भी हो नेताओं की जबान फिसलते देर नहीं लगती। फिर वो चाहे किसी पुरुष नेता का महिला के संदर्भ में दिया गया बयान हो, किस धर्म या जाति विशेष के लोगों के खिलाफ दिया गया बयान हो या किस महिला नेता का किसी आम आदमी को धमकाने वाला बयान हो। नेता अपनी कुर्सी की गर्मी और अहंकार के चलते सभी हदें पार कर देते हैं।

बीते कुछ दिनों में अलग-अलग दलों के नेताओं द्वारा जिस तरह की बयानबाजी देखने को मिली है उससे यह बात तो साफ है कि नेता सुर्खियों में बने रहने के लिए किसी भी स्तर पर जा सकते हैं। ऐसे में देखना यह है कि राजनैतिक दलों का शीर्ष नेतृत्व ऐसे बेलगाम नेताओं के खिलाफ क्या कार्रवाई करता है। यदि कोई भी दल इस बात की दुहाई दे कि वे महिला सम्मान के प्रति कटिबद्ध है और वहीं उसी के दल के नेता किसी जनसभा में किसी सड़क की तुलना विपक्षी दल की किसी महिला नेता के 'गालों' से करता है तो यह बात न सिर्फ निंदनीय होनी चाहिए बल्कि ऐसे नेता को उसके शीर्ष नेतृत्व से कड़ी फटकार और सजा भी मिलनी चाहिए जिससे कि अन्य नेताओं को सबक मिले, परंतु क्या ऐसा हुआ या ऐसा होता है? यदि इसका उत्तर 'नहीं' है तो यह बात स्पष्ट है कि ऐसे अनैतिक नेताओं को उनके शीर्ष नेतृत्व की पूरी हमदर्दी और आशीर्वाद प्राप्त है। पिछले दिनों में जहां एक दल के नेता ने एक महिला नेता और एक महिला मुख्य मंत्री के लिए अभद्र भाषा का प्रयोग किया वहीं एक अन्य दल के नेता ने एक सभा में अपने क्षेत्र के वोटरों को ही दोषी ठहराया। इतना ही नहीं उनकी तुलना 'वेश्या' से भी कर डाली। उसी राज्य में एक अन्य दल के वरिष्ठ नेता ने भी अपने वोटरों को इस तरह धमकाया कि ये बयान भी सुर्खियों में छा गया। इस वरिष्ठ नेता ने तो यहां तक कह डाला कि 'सिर्फ इसलिए कि आपने वोट दिया इसका मतलब यह नहीं है कि आप मेरे मालिक हैं। क्या आपने मुझे अपना नौकर बना लिया है?' यह बात तो जगजाहिर है कि चुनावी दिनों में हर नेता अपने वोटरों के आगे-पीछे घूमते हैं। उन्हें रिझाने के लिए क्या-क्या नहीं करते, परंतु जैसे ही वे सत्ता में आते हैं तो अपना असली रंग दिखाने में पीछे नहीं हटते। ऐसे में कबीर दास जी का यह दोहा याद आता है, 'ऐसी वाणी बोलिए, मन का आपा खोये। औरन को शीतल करे, आपहुं शीतल होए'

जो हमें बचपन से ही सिखाता आया है कि चाहे कुछ भी हो हमें ऐसी भाषा बोलनी चाहिए जो सुनने वाले के मन को आनंदित करे। जहां मीठे वचन सुनने वालों को सुख देते हैं, वहीं हमारे मन को भी आनंदित करते हैं, परंतु क्या हमारे द्वारा चुने गये जनप्रतिनिधि इसका अनुसरण कर रहे हैं? या सत्ता के अहंकार में आपा खो रहे हैं। एक समय था जब नेता अपने क्षेत्र की जनता को सर-आंखों पर बिठा कर रखते थे। उनकी हर छोटी-बड़ी समस्या का हल निकालने के लिए हर कदम उठाते थे। अपने क्षेत्र के वोटर के खुशी और गम में भी परिवार की तरह ही शामिल हुआ करते थे, परंतु आजकल कुछ नेताओं को छोड़ कर ऐसे नेता आपको ढूंढे नहीं मिलेंगे। पुरानी पीढ़ी के नेता जिस सादगी से चुनाव के पहले रहते थे, चुनावों में जीतने के बाद भी वे उसी सादगी से ही नजर आते थे, परंतु आजकल के नेता चुनावों में जितनी भी सादगी दिखाएं, चाहे चुनाव जीतने के बाद सादगी से रहने के जितने भी वादे क्यों न करें, चुनाव जीतते ही अपने किए वादो से मुकरने में क्षण भर भी नहीं लगाते। बिना यह सोचे कि लोकतंत्र में जनता ही मालिक है नेता नहीं।

भारत जैसे देश के लिए कहा जाता है कि ह्यचार कोस कोस पर पानी बदले आठ कोस पर वाणी' यानी हमारे देश में विविधताओं का होना प्राचीन युगों से चला आ

रहा है। भारत में अनेक धर्मों, जातियों, विचारों, संस्कृतियों और मान्यताओं से संबंधित विभिन्नताएं हैं, किंतु उनके मेल से एक खूबसूरत देश का जन्म हुआ है, जिसे हम भारत कहते हैं। भारत की ये विविधताएं एकता में बदल गई हैं, जिसने इस देश को विश्व का एक सुंदर और सबल राष्ट्र बना दिया है। शायद इसीलिए भारत के लिए कहा गया है कि 'अनेकता में एकताः मेरे देश की विशेषता'। इसलिए हमें सभी धर्मों, विचारधाराओं और संस्कृतियों का सम्मान करना चाहिए। हमारे द्वारा चुने गए नेता, चाहे किसी भी दल के क्यों न हों, चुनाव जीतते ही यदि अपनी असभ्यता का परिचय देने लग जाएं और उनके दल द्वारा उन्हें किसी भी तरह दंड न दिया जाए। तो अगली बार जब भी ऐसे नेता जनता के सामने याचक बन कर आएं तो वोटरों द्वारा ऐसे नेताओं का बहिष्कार कर उन्हें आईना जरूर दिखाया जाए। ऐसा करने से इन असभ्य नेताओं में एक मजबूत संदेश जाएगा। तब शायद उन्हें कबीरदास जी का दोहा याद आएगा।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

The pitfalls of elevating CDS to five-star rank

An incipient debate is underway in defence and security circles on further streamlining the stature and responsibilities of the Chief of Defence Staff (CDS). The CDS was first appointed five years ago to construct jointness and integration amongst the armed forces.One of these deliberations centres on whether the CDS should be accorded the rank of a five-star officer to elevate his authority and reinforce his role at the apex of India's military hierarchy. The current CDS, General Anil Chauhan, and Gen Bipin Rawat before him were four-star appointees — like the three service chiefs. Proposals to upgrade the rank are aimed at enhancing its operational clout and aligning its standing with international practices.

India has traditionally reserved five-star ranks for those who have rendered extraordinary military service, like Field Marshals Sam Manekshaw and KM Cariappa and Marshal of the Air Force Arjan Singh. Consequently, a cross-section of service veterans argues that bestowing such an elevated status upon a CDS might just end up 'diluting' its exclusivity during peacetime. But the possibility of such an event transpiring anyhow augurs a mix of opportunities, challenges and many implications for the armed forces and civil-military ties.The CDS' position came into being nearly two decades after the Kargil Review Committee recommendations, which emphasised the need for a single-point military adviser to the government and to forge military 'jointness'. The CDS also doubles as the Permanent Chairman of the Chiefs of Staff Committee in addition to heading the Department of Military Affairs, established under the Ministry of Defence (MoD). Additionally, he executes numerous other tasks, like force modernisation and prioritising materiel purchases.However, despite these myriad responsibilities, the CDS is equal in rank to the service chiefs, albeit deemed the first among equals. Many insiders believe that this creates internal and, at times, antagonistic ambiguities in his authority.Hence, elevating him to a five-star rank could provide the CDS overarching clout to enforce decisions across the services and augment his capacity to ensure smoother execution of joint operations and reforms, particularly in the ongoing endeavour of establishing Integrated Theatre Commands (ITCs). The inference is that as a five-star officer, he could mitigate inter-service rivalries and be an effective interlocutor between the armed forces and political leadership, ensuring that military advice featured adequately in governmental strategic decisions.But such an elevation is not without complications and the potential of disrupting delicate service hierarches, which are still in the process of familiarising themselves with a CDS. Perforce, it would generate further trepidation among the three service chiefs. They would perceive it as a further diminishment of their long-established autonomy, which, in any event, was likely to be notably reduced merely to recruiting and training of manpower and providing logistic support under the proposed ITC model, at present under governmental review.Consequently, many veterans, fearful of a rupture in inter-service cooperation, maintain that the challenge in this regard lies in ensuring that a higher ranked CDS does not morph into 'over-centralisation' of power, thereby endangering collaborative decision-making. Many argue that this needs political oversight and sagacity on the part of both the government and Opposition, which though presently non-existent, could emerge in the future with tactful management.Critics of creating a five-star CDS argue that such an elevated rank would largely be symbolic and in no way enhance his operational effectiveness. This, in any case, would be managed by ITC heads, who, too, are expected to be four-star officers. The naysayers also contend that the CDS' ability to institute reforms and foster integration depends less on his stars and more on institutional support, consensus-building, resource allocation and political will. And, though a five-star designation would add lustre to the post, it could also detract focus from the substantive challenges of swift modernisation that confronts India's military.

Perils of a Chinese mega dam

India must seek suspension of work until there is mutual understanding about the project

XINHUA reported on December 25 that the Chinese Government had approved the largest-ever hydropower project in the lower reaches of the Yarlung Tsangpo river in Tibet. This announcement, reportedly made without informing India, a lower riparian state, is a reminder of the complexity of rebuilding relations with the northern neighbour.The proposed project, under preparation for several years and closely tracked by India, has major negative implications for India. As an upper riparian state, China has an unfortunate record of reluctance to cooperate, show transparency and safeguard interests of downstream states, as it is obliged to do. We have, therefore, another major irritant emerging in an already difficult relationship.Xinhua lauded the venture as a "green project" without offering details. However, a report in Hong Kong-based South China Morning Post (SCMP) said the total investment in the dam could exceed 1 trillion yuan ($137 billion). It is expected to generate nearly 300 billion kilowatt-hours (kWh) of electricity annually, more than thrice the designed capacity (88.2 billion kWh) of the Three Gorges Dam in China, presently the largest in the world.

According to the SCMP report, this would be the world's largest infrastructure project and involve drilling four to six 20-km tunnels and diversion of half the river's flow. Yet, the Chinese Foreign Office spokesperson claimed that it would have no negative impact on downstream countries (India and Bangladesh)!The proposed project is likely to be at a site in the Big Bend area of the Yarlung Tsangpo, where the river takes a U-turn and enters India just over 20 km downstream. The adverse consequences of the project for us will manifest in many ways. It will disrupt water flows in the Siang, as the river is called after entering India and is the main channel of the Brahmaputra river system. According to an Assam Government website, the catchment area of the Brahmaputra is 2,93,000 sq km in Tibet; 2,40,000 sq km in India and Bhutan; and 47,000 sq km in Bangladesh. The bulk of the waters of the river flowing in India are generated within our territory, but this mega project will significantly impact the river flows and consequently, livelihoods of residents downstream.China's development of smaller hydropower projects in the upper reaches of the Mekong (called Lancang in that country) and its cascade operations are leading to irregular fluctuations, drying out of certain areas, declining fish catches and the loss of access to fertile sediment deposits in the Lower Mekong Basin, affecting riparian residents in Myanmar, Thailand, Laos, Cambodia and Vietnam. This presages foreseen and unforeseen consequences of the proposed dam for India and Bangladesh.

Equally, there will be an ever-present danger of disasters linked to this humongous project undertaken in an ecologically fragile and earthquake-prone geography. Even if there is no damage to the dam by an earthquake, large-scale diversion and impounding of waters will affect ecosystems and biodiversity downstream. This writer recalls emergency management by a group headed by the Cabinet Secretary when an artificial lake had formed in 2004 on the Parechu river, a tributary of the Sutlej, in Tibet.

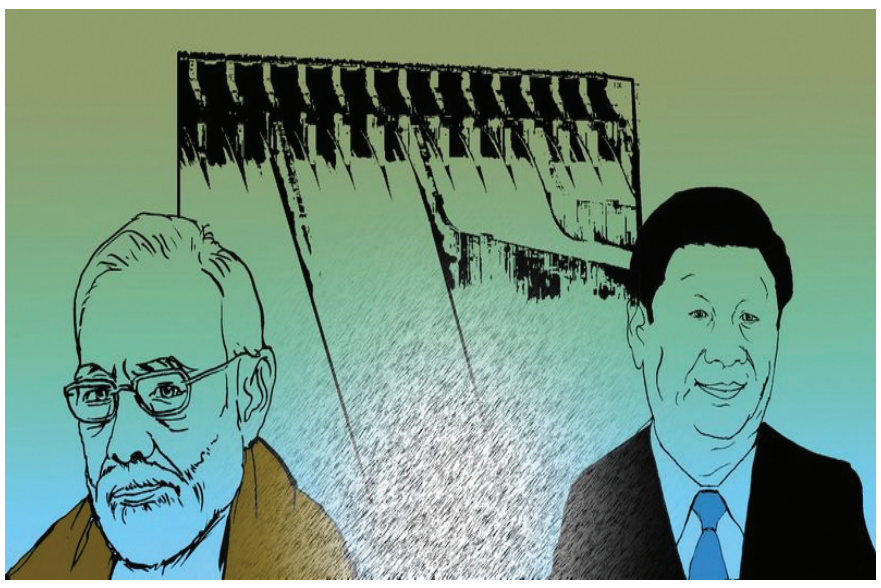

Given the relatively good relations with China at that time, we could get advance notice and data, augmented by information generated by our geospatial resources and other means. The lake did not burst before freezing over, and drained partly the next year with only limited damage downstream in India due to preventive measures. Risks stemming from the planned project will be exponentially larger, even if we do not talk of weaponisation of stored waters, as some experts are doing.It is with patient diplomacy that we have been able to put in place limited collaborative arrangements with Beijing, including three memoranda of understanding (MoUs) on the provision of monsoon season data by China for the Brahmaputra, on monsoon season data for the Sutlej (signed after the Parechu scare) and on "strengthening cooperation on trans-border rivers". The first two MoUs are renewed every five years and have now lapsed. No project has been possible under the umbrella MoU. The Chinese are niggardly in extending cooperation, not even agreeing to provide lean season data, let alone discussing broader cooperation like sharing of waters of trans-border rivers.A similar approach characterises China's dealings on trans-border rivers with other neighbours. It takes full advantage of its status as a predominantly upper riparian state vis-à-vis its co-riparians.Neither China nor India is a signatory to the United Nations Convention on the Law of the Non-Navigational Uses of International Watercourses (1997). However, two key principles of the Convention — "equitable and reasonable utilisation" of shared waters and the "obligation not to cause significant harm" to downstream states — have broad relevance. India has been a responsible upper riparian state, even providing generous terms to Pakistan under the Indus Waters Treaty despite troubled bilateral relations. Unfortunately, the same cannot be said of China.

A spokesperson for the Ministry of External Affairs remarked on January 3, "As a lower riparian state with established user rights to the waters of the river, we have consistently expressed, through expert level as well as diplomatic channels, our views and concerns to the Chinese side over mega projects on rivers in their territory. These have been reiterated along with the need for transparency and consultation with downstream countries following the latest report."

Politicising Vcs

A call for vigilance, not panic

The University Grants Commission (UGC) Draft Regulations 2025, released on Monday for public feedback, herald significant changes in higher education. While touted as reforms aligned with the National Education Policy (NEP) 2020, several provisions appear to dilute academic standards and invite undue politicisation into university administration. Most troubling is the removal of restrictions on contract teaching appointments. Under the previous guidelines, such appointments were capped at 10 per cent of an institution's total faculty. The removal of this cap risks turning critical academic positions into temporary, cost-cutting measures that prioritise convenience over quality. Contract positions, while expedient, undermine long-term institutional stability and the career prospects of the faculty.Equally contentious is the restructuring of vice-chancellor (VC) appointments. By granting chancellors — often state governors — the authority to appoint search committees, the draft centralises power in a manner that could compromise university autonomy. Moreover,

opening VC positions to industry experts and public sector professionals, while potentially bringing fresh perspectives, risks sidelining academics who understand the nuances of higher education. This redefinition of eligibility dilutes the academic integrity of university leadership. While the draft abolishes the outdated quantitative Academic Performance Indicator (API) system, replacing it with qualitative assessments, the implementation remains opaque. Criteria such as innovation, societal contributions and digital content creation are commendable but lack clear evaluation mechanisms, opening the door for favouritism.

It is argued that these changes will foster flexibility and inclusivity, yet the draft's rushed timeline for feedback — 30 days — raises concerns about genuine stakeholder engagement. Such sweeping reforms demand careful deliberation to safeguard academia from being reduced to a political battleground or a marketplace for short-term contracts. India's higher education institutions are pillars of intellectual and cultural progress. The UGC must ensure that reforms strengthen, rather than erode, their academic foundations. Anything less risks undermining the very purpose of education.

India needs its own Draghi report

We should assemble our best economists & diplomats to work on our 'foreign economic policy'

European Union (EU) has turned the spotlight on its readiness to adapt and succeed in a world already in the throes of unprecedented and wide-ranging change. It commissioned a former president of the European Central Bank, Mario Draghi, to prepare a comprehensive report on 'The Future of European Competitiveness', which was released in September 2024. Its Part A is a summary, while there is a detailed Part B running into more than 320 pages. I have read Part A and my comments are based on that document. It is for our accomplished economists to read and digest the longer document, which contains rigorous analysis based on detailed data.

In presenting the document to the European Commission, Draghi explained the backdrop to its preparation: "The starting point is that Europe is facing a world undergoing dramatic change. World trade is slowing, geopolitics is fracturing and technological change is accelerating. It is a world where long-established business models are being challenged and where some key economic dependencies are suddenly turning into vulnerabilities."These words well define the challenges that India, too, confronts today. The election of Donald Trump as US President has heightened these risks significantly.

Draghi is brutal in his diagnosis of why Europe, despite its advanced economy, intellectual capital and sophisticated finance and banking sectors, is falling relentlessly behind the US and China. It suffers from an innovation gap, it no longer leads in cutting-edge technologies and is dependent on critical minerals and inputs from a relatively small number of source countries, with which the EU is "not strategically aligned".In a contested geopolitical landscape, these dependencies have become vulnerabilities, threatening the security and autonomy of Europe. These challenges are compounded by demographic decline, which immigration is not able to offset. In any event, immigration is politically toxic.

The report focusses mainly on how the EU compares with the US and China in respect to various metrics of development, but centred on technology as its key driver. Draghi says that EU has missed the digital revolution and is falling behind in artificial intelligence. It has maintained its lead in clean-tech, but China's challenge is unrelenting. It is interesting that Draghi proposes a possible trade-off in this sector: "China may offer the cheapest and most efficient route to meeting our decarbonisation targets. But China's state-sponsored competition also represents a threat to our productive clean-tech and automotive industries."

It should come as no surprise that Draghi urges much closer integration among the EU countries to enable the scale required to compete with the US and China. Financing of larger projects would be facilitated by a Capital Union and the setting up of a Banking Union. He proposes an industrial policy that is aligned with the EU's ambitious climate targets and much greater investment in research and development.

What is more relevant for countries that are international partners of the EU is the advocacy of a "genuine EU foreign economic policy". This would include "coordinating preferential trade agreements and direct investment with resource-rich nations, building up stockpiles in selected critical areas and creating individual partnerships to secure the supply chain of key technologies".

Why is it important to study this report and follow its implementation?One, India has all along seen an integrated Europe as a potential and relatively autonomous pole in its preferred multi-polar world order. A powerful Europe, exercising relatively independent agency in world affairs, would be a better prospect for India than a bipolar world dominated by the US and China. There would be a strong incentive for India and the EU to work closely together to sustain multi-polarity.

Two, how can India locate itself as a key component in the "foreign economic policy" proposed by Draghi? India does not figure at all in the report. It is not seen as a possible partner in the EU's quest to stay relevant in the emerging world order. And yet in terms of each component of this policy, India could be a significant partner. There could be partnerships in building up stockpiles of critical minerals or in scaling up clean-tech. The Global Capability Centre model could work with European entities as well as it has with the US.Three, in clean-tech, India has ambitious plans for scaling up its renewable energy sector, including a future hydrogen economy. In addition to its strengths in clean-tech, the EU has a significant electrolyser industry that could boost this potential energy source of the future.The Draghi report could be the basis for working together with the EU to identify areas where synergy is possible, benefiting both sides.For India, Europe will remain a significant source of both technology and capital as it pursues higher but quality growth. If a trade-off to dependence on China is an option, surely India can offer that trade-off.

Finally, I think India should undertake its own economic strategy exercise on the lines of the Draghi report. We need a critical evaluation of our current economic and market strategies to determine whether they are aligned to the nature and scale of challenges that we will confront, just as the EU will. One should assemble some of our best economists and diplomats to work on our own "foreign economic policy". Flying blind in the gathering storm may stall India's growth story and, in the process, increase our geopolitical vulnerabilities.

Sarcasm to criticism: Social media reacts to L&T Chairman's 90-hour work week comment

NEW DELHI. In recent months, there has been a lot of talk about work culture and work-life balance. The tragic death of 26-year-old Anna Sebastian Perayil in 2024 led to a wider discussion in India about harmful work environments and the struggle to balance work and personal life.

Her story, unfortunately, is not an isolated one. Many employees, especially GenZ, have been vocal about their struggles in workplaces marked by stress, unrealistic expectations, and a lack of support.Despite these ongoing challenges, employees' voices continue to be dismissed by many employers and high-level executives, invalidating their need for balance and well-being.

"How long can you stare at your wife?"

Recently, SN Subrahmanyan, Chairman of Larsen & Toubro (L&T), sparked fresh controversy regarding work-life balance by advocating for 90-hour work weeks.In an undated video from what appeared to be an internal meeting, which went viral on social media on Thursday, he said, "I regret I am not able to make you work on Sundays, to be honest. If I can make you work on Sundays, I will be more happy, because I work on Sundays also."He went on to add, "What do you do sitting at home? How long can you stare at your wife? How long can the wives stare at their husbands? Get to the office and start working."

Netizens react

The internet came together once again to target another wealthy figure for their controversial views. Many online users condemned his remarks as outdated and dismissive of work-life balance.One user sarcastically commented, "How long can employees stare at screens and data managers?"Another added, "He literally said: 'Why are you even living? Take this pile of work.'"Several others found his comment about staring at one's spouse sexist and reflective of an anti-family mindset."L&T Chairman Subrahmanyan's salary is 534.57 times the median salary of L&T employees. If I'm paid 56 crore per annum plus all privileges like Larsen and Toubro chairman, forget Sunday, I'll invent more days in a week to work. All the CEOs & CFO need to SHUT UP," a user wrote on X.In response, actor Deepika Padukone took to social media to express her disagreement, writing, "Shocking to see people in such senior positions make such statements. #MentalHealthMatters."

RPG Group chairperson Harsh Goenka also sharply criticised the remarks, writing on X, "90 hours a week? Why not rename Sunday to 'Sun-duty' and make 'day off' a mythical concept!" He further added, "Working hard and smart is what I believe in, but turning life into a perpetual office shift? That's a recipe for burnout, not success. Work-life balance isn't optional, it's essential. Well, that's my view," and concluded, "Work smart, not slave."Former badminton player Jwala Gutta also took to X to criticise the statement, writing, "I mean…first of all why shouldn't he stare at his wife…and why only on a Sunday!" She called the statement misogynistic and frightening.

As the backlash intensified, L&T issued a statement defending the chairman's remarks.

Amid backlash, L&T defends its Chairman over his 90-hour work week stand

NEW DELHI. L&T has come to the defence of its Chairman SN Subrahmanyan who received heavy backlash on social media for advocating 90-hour work week.The company said on Friday that the Chairman's remarks reflect the larger ambition of nation-building, "emphasising that extraordinary outcomes require extraordinary effort".

"The Chairman's remarks reflect this larger ambition, emphasising that extraordinary outcomes require extraordinary effort. At L&T, we remain committed to fostering a culture where passion, purpose, and performance drive us forward," a company spokesperson said in a statement.Top celebrities including Bollywood superstar Deepika Padukone and Harsh Goenka, Chairperson of the RPG Group had condemned Subrahmanyan's remarks.

Earlier, Subrahmanyan had said: "I regret I am not able to make you work on Sundays, to be honest. If I can make you work on Sundays, I will be more happy, because I work on Sundays also," he said in an undated video, apparently of an internal meeting, which has gone viral on social media."What do you do sitting at home? How long can you stare at your wife? How long can the wives stare at husbands? Get to the office and start working," he further said.

"...If you have to go on top of the world, you have to work 90 hours a week," the video has him saying.

To support his views, according to reports, Subrahmanyan shared an anecdote about a conversation he had with a Chinese individual.According to him, the person claimed that China could surpass the United States because Chinese workers put in 90 hours a week compared to the 50 hours worked by Americans.

TCS headcount down by 5,370; says campus hiring on track

BENGALURU. TCS, which onboarded more employees in Q1 and Q2, reported a net decline of 5,370 employees in the third quarter. The company's total workforce as of December 31, 2024, stood at 6,07,354 and attrition rate at 13%.

The IT services company added 5,726 employees in the September quarter, and 5,452 employees in Q1. It onboarded 11,000 trainees in both first quarter and second quarter of the current financial year (FY25).During the third quarter, the company promoted over 25,000 employees and with this, the total promotion in this financial year stood at over 1,10,000.Milind Lakkad, chief HR officer, said that the company is on track to onboard 40,000 through campus recruitment this fiscal and in the next final year the company will onboard a higher number of campus hires. He said attrition is within its comfort range and going forward, they anticipate reduction in the quarterly attrition.

He said the company continues to invest in employee upskilling and overall well-being. Speaking about the new government in the US, K Krithivasan, chief executive officer and managing director, said once the government comes, the policies will be clear."We expect discretionary spending to pick up in healthcare and manufacturing. We are waiting for some clarity," he said.

Meanwhile, the company also announced its proposed acquisition of two wholly owned subsidiaries of Tata Realty and Infrastructure Limited—TRIL Bengaluru Real Estate Five Limited and TRIL Bengaluru Real Estate Six Limited—for Rs 1,625 crore.

Error in gold imports data is because of double calculation, govt clarifies

NEW DELHI. A day after 'quietly' revising the gold import data for November, the ministry of commerce has come up with an explanation for the change in the data. The ministry has said that the discrepancy in the numbers was primarily due to migration of data transmission mechanism from SEZ to Indian Customs Electronic Gateway (ICEGATE)."...it was noticed as the system was calculating both imports into SEZ and subsequent clearance into Domestic Tariff Area (DTA) as separate transactions after the migration," a statement from the commerce ministry explained.It must be noted that the Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics

(DGCI&S) on Wednesday revised India's India's gold import figure for November 2024 from $14.8 billion to $9.9 billion – a decline of 33%. For April-November, gold imports were revised 24% down from $49 billion to $37 billion. Revisions were also made in cases of silver (revised downward by 29%) and electronics imports (by 4%).According to the ministry, DGCI&S receives trade data from approximately 500+ locations and about 2.5 lakh transactions every day from different sea ports, land ports, airport and inland container depots.

The EXIM data from more than 100 SEZs was earlier captured by SEZ Online System and EXIM data for all other ports (non-SEZ locations) was captured by ICEGATE system. Both systems (ICEGATE and SEZ Online) were transmitting the EXIM data separately to DGCIS for publishing foreign trade statistics. After the decision to shift EXIM declarations from SEZ Online to ICEGATE system, the EXIM data pertaining to SEZs as well as all other ports is being captured and transmitted by ICEGATE to DGCIS.The ministry said that owing to persistence of certain technical glitches, the migration is still not complete. Both SEZ Online and ICEGATE are still capturing and transmitting mutually exclusive EXIM data to DGCIS.

Akasa Air pilots write to aviation minister against management

NEW DELHI. A group of pilots at Akasa Air has launched a personal attack on the airline's CEO Vinay Dube, claiming he has 'no control over the company'. They have claimed that Akasa Air's vice President Capt. Floyd Gracious has brought in his associates from Jet Airways and placed them in key positions of power. These allegations were detailed in an email sent on Thursday (Jan 9) to aviation minister Rammohan Naidu Kinjarapu, seeking his intervention.The letter was also sent to Director General of Director General of Civil Aviation (DGCA) Faiz Ahmed Kidwai and Secretary of the Ministry of Civil Aviation Vumlunmang Vualnam.

"CEO Dube said in his recent interview that his dream was to make Akasa Air one of the best places to work, to reach world standards in safety, customer care and have an employee-centric approach etc. Sadly, it's all blown… and Dube seems to have no control over the company. Over 40 pilots, 200 crew and 35 engineers left the company…," said the letter adding that rather than addressing the in-house issues, the company went to court gainst those individuals.Dube is an aviation industry veteran and a former CEO of Jet Airways and GoAir. Currently, Dube is the CEO and co-founder of Akasa Air, which is backed by the family of late billionaire trader Rakesh Jhunjhunwala. Akasa commenced operations in August 2022.

Akasa Air is yet to comment on the development. A query sent to the airline's management remained unanswered till the time of writing of the report. The letter added that while Akasa claimed that they have sued the pilots leaving due to breaking of legal bonds, it should be noted that the company could not pursue this case legally on 42 pilots since they had left in a perfectly legit manner.Since its early days, Akasa and its pilots have been at loggerheads. In a letter dated December 11 to aviation minister Naidu, a section of pilots sought an independent probe into the airline's management practices, training methods and safety standards. Akasa then said it has the highest levels of job satisfaction.

Recently aviation regulator DGCA pulled up the airline on multiple occasions. In late December, DGCA ordered a six-month suspension for the director of operations and the director of training at Akasa due to alleged deficiencies in pilot training protocols.

Paytm sees strong institutional growth: Mutual fund stake surges by 3.3%, total holdings up 4%

NEW DELHI. Paytm's Q3 FY2025 shareholding report highlights a significant 4% rise in institutional ownership, now totaling 68%. This growth demonstrates the increasing confidence of both domestic and global investors in the company's financial trajectory and innovative business model in India's thriving fintech landscape.Domestic mutual funds emerged as key contributors to this rise, boosting their stake by 3.3% to 11.2%.Among the notable changes, Motilal Oswal Mutual Fund increased its holding to 2.1%, showcasing strong faith in Paytm's growth prospects. Nippon Mutual Fund maintained its consistent position with a 2% stake, while Mirae Asset, despite a slight reduction, retained a substantial 4.2%, reflecting continued trust in the company's fundamentals.

Foreign Portfolio Investors (FPIs) also contributed to this upward trend, with their shareholding

increasing by 0.7%. FPI holdings rose from 115 million to 119 million shares, while the number of FPI entities investing in Paytm grew by 20 to reach 237. This uptick underscores the growing global interest in Paytm's scalable and innovative approach to financial services.

Bernstein's report India Payments: From Disruption to Monetization – Can Payments Be Profitable? positions Paytm as a leader in India's transition from a disruptive payments ecosystem to one focused on monetisation.

The report credits Paytm's ability to monetise its ecosystem through strategies like device-driven revenues, credit-based payment innovations, and increasing operating leverage as factors that set it apart in the industry. With UPI adoption continuing to grow, alongside innovations such as UPI Lite and credit-linked UPI transactions, Paytm is expected to sustain its profitability and competitive edge in the rapidly evolving fintech market.

Paytm's progress toward achieving EBITDA before ESOP breakeven by Q4 FY2025 further reinforces its strong fundamentals and appeal to institutional investors.The rising shareholding from both domestic mutual funds and FPIs reflects increasing trust in Paytm's ability to innovate and adapt while delivering long-term value in India's expanding digital economy.

Budget 2025: Looking back at tax relief measures for senior citizens in 2024

NEW DELHI. As Finance Minister Nirmala Sitharaman prepares to present her eighth Union Budget on February 1, 2025, senior citizens are hopeful for meaningful tax reforms.With inflation and the rising cost of living eroding their fixed incomes, this group anticipates measures to ease financial pressures and enhance their quality of life.

CHALLENGES FACED BY SENIOR CITIZENS

Senior citizens often rely on fixed-income investments or rental income to sustain themselves. However, these sources fall short of keeping pace with inflation, leading to financial struggles.

Restricted incomes necessitate targeted tax relief and financial support to help this vulnerable group manage their expenses effectively.

NOTABLE REFORMS IN BUDGET 2024

Last year's budget introduced several changes tailored to senior citizens. The standard deduction for family pensioners increased from Rs 15,000 to Rs 25,000, providing much-needed relief.

Salaried employees and pensioners also benefited from an increased deduction limit of Rs 75,000 under the new tax regime.

Senior citizens continue to enjoy higher exemption limits in both the old and new tax regimes. For instance, the new regime exempts income up to Rs 3 lakh, compared to Rs 2.5 lakh for regular taxpayers under the old regime.

ITR FILING MADE SIMPLER

Section 194P, introduced in Budget 2024, simplified the tax filing process for senior citizens aged 75 and above. Those meeting specific conditions—such as receiving income solely from pensions and interest—are exempt from filing income tax returns. Specified banks handle tax deductions, ensuring compliance without the need for additional filings.

TAXATION OF PENSION INCOME

Pension taxation varies based on its nature. While uncommuted pensions are fully taxable as salary, commuted pensions enjoy exemptions.

Sensex, Nifty close lower amid earnings concerns; TCS gains 6%

The S&P BSE Sensex lost 241.30 points to end at 77,378.91, while the NSE Nifty50 was down 95 points to end at 23,431.50.

NEW DELHI. Benchmark stock market indices closed lower for the third straight session, marking weekly losses due to concerns over corporate earnings. However, IT stocks rose after TCS hinted at a potential recovery in demand.The S&P BSE Sensex lost 241.30 points to end at 77,378.91, while the NSE Nifty50 was down 95 points to end at 23,431.50.Prashanth Tapse, Senior VP (Research), Mehta Equities Ltd said that markets continued its downward trajectory as rupee scaling new lows due to the strengthening dollar, which has further dampened investors' sentiment.

"Amid concerns of subdued economic growth and expectations of a slowdown in the quarterly earnings, investors cut their bet on banking and mid & small cap stocks. With expensive valuations of Indian markets at large still a concern, investors would mostly resort to stock specific activities," he added.The decline was broad-based, with all sectoral indices in red except IT stocks, which continued to rise following top IT firm TCS meeting its quarterly profit estimates. Midcap and smallcap indices were also stressed."Investor sentiment was impacted by global cues, including concerns over U.S. economic data and continued selling by foreign institutional investors. Despite a brief recovery during the day, the overall market breadth remained weak, with significantly more stocks declining than advancing," said Vaibhav Vidwani, Research Analyst, Bonanza.In today's trading session, technology stocks showed remarkable strength with Tata Consultancy Services (TCS) leading the gains, surging 5.60%, followed by Tech Mahindra which jumped 3.59%. HCL Technologies maintained the positive momentum with a 3.22% rise, while Infosys advanced 2.53%, and Wipro gained 2.51%.On the declining side, Shriram Finance faced the steepest fall, dropping 5.30%, while IndusInd Bank declined 4.29%. Adani Enterprises slipped 3.95%, followed by NTPC which fell 3.79%. Bharat Electronics Limited (BEL) rounded out the major losers with a decline of 3.72%.

"The market remains under strain, with even minor pullbacks attracting selling pressure. In the absence of any clear signs of a trend reversal, particularly in the banking index, traders are advised to use rebounds as shorting opportunities. Caution should remain a priority, with a focus on robust risk management. Additionally, as the earnings season kicks off, erratic market swings are likely to intensify. Adopting a hedged approach and maintaining disciplined position sizing is recommended for navigating the current conditions," said jit Mishra – SVP, Research, Religare Broking Ltd.

Supreme Court says no third attempt for JEE (Advanced), but leeway for dropouts

NEW DELHI. The Supreme Court on Friday granted relief to students who challenged the decision to reduce the number of attempts for the Joint Entrance Examination (Advanced) from three to two, ruling that petitioners who dropped out of their courses between Nov. 5, 2024, and Nov. 18, 2024, will be allowed to take the exam.However, the court refused to interfere with the decision of the authorities to reduce the number of attempts for JEE (Advanced).Senior Advocate K Parmeshwar, representing the petitioners, argued, "Initially, it was decided to allow three attempts, but within thirteen days, it was revoked, which is arbitrary. On Nov. 5, you held out a promise that students would be eligible. Decisions have been made based on that, which are irreversible."

Solicitor General Tushar Mehta, appearing for the Joint Admission Board (JAB), defended the move."The decision was taken after it was found that students who had enrolled in regular engineering courses were focusing on JEE exams instead of their B.Tech coursework. This decision was made in the students' interest and is a pure policy decision," he told the bench.

After hearing the arguments, a bench of Justices BR Gavai and Augustine George Masih noted: "In the press release dated Nov. 5, 2024, a clear promise was made to students that those who appeared for the Class 12 exam in 2023, 2024, and 2025 would be eligible for JEE (Advanced). If students, acting on this representation, withdrew from their courses believing they would be entitled to appear, the withdrawal of this promise on Nov. 18, 2024, cannot work to their detriment."In the peculiar facts and circumstances, without commenting on the merits of JAB's decision, students who withdrew from their courses and dropped out between Nov. 5, 2024, and Nov. 18, 2024, will be permitted to register for JEE (Advanced)."The court clarified that it was not questioning the wisdom of the authorities. "For valid reasons, if respondent No. 2 [the JAB] restricted the zone of consideration to two years instead of three, no fault could be found with it," the order stated.The court's order came in response to a plea by aspirants challenging the reduction in the attempt limit for JEE (Advanced).

On Nov. 5, 2024, the JAB announced that students would be allowed three attempts at the exam. However, just 13 days later, on Nov. 18, 2024, the decision was reversed, reducing the attempt limit to two.

Why blinding fog paralyses North India every winter

North India is engulfed in blinding fog, causing flight delays, train disruptions, and accidents. Let's discuss why the region experiences dense fog every winter.

NEW DELHI. On Friday morning, Delhi and its surrounding areas were enveloped in one of the densest fogs of the season. Satellite imagery revealed the entire Indo-Gangetic Plain--encompassing parts of India, Pakistan, Nepal, and Bangladesh--blanketed by a thick layer of fog. This recurring phenomenon occurs annually as winter arrives in the region each December and January.Here are six main reasons why the Indo-Gangetic Plain experiences dense fog every year, leading to reduced visibility and disruptions.

Temperature Inversion: During winter, the nights are longer, and the ground cools down quickly, especially in rural areas where there is less urban heat island effect. This cooling leads to a temperature inversion where the air near the ground is colder than the air above it, trapping moisture and pollutants close to the ground.

High Humidity: The proximity to the Himalayas and the rivers like the Ganga, the Yamuna, Brahmaputra, and Indus means there's a high level of moisture in the air. When the temperature drops, the relative humidity increases, leading to condensation and fog formation.Western Disturbances: Occasionally, western disturbances (moisture-laden systems from the Mediterranean sea) move into north India, bringing cooler air and sometimes rain, which can further contribute to foggy conditions by adding more moisture.

Stagnant Air Masses: The region often experiences calm or very light wind conditions in winter, which do not disperse the fog. For example, on Friday the wind speed was less than 4 km/h in Delhi. The lack of wind means that the fog does not get blown away but instead lingers over the area.Air Pollution: High levels of pollution from various activities including vehicular emissions, industrial pollution and agricultural burning (like stubble burning in parts of Punjab and Haryana) contribute to the formation of dense smog, which is a combination of smoke and fog. Pollutants act as condensation nuclei around which water droplets form, enhancing fog density.

Topography: The Indo-Gangetic Plain is a vast, flat area surrounded by the Himalayan range to the north. This topography can trap moisture and pollutants, reducing the flow of air which would otherwise dissipate the fog.In addition to causing significant disruptions in transportation, particularly affecting air, rail, and road travel, the fog also poses health risks due to its interaction with pollutants.

Protest Outside Arvind Kejriwal's House: AAP, BJP Spar Over Purvanchali Voters

New Delhi. With an eye on Purvanchali votebank in Delhi, the ruling AAP and the Opposition BJP on Friday crossed swords over the honour and welfare of migrants from Bihar and east Uttar Pradesh as both parties claimed to be their true well-wisher.While the BJP women wing held a protest outside AAP leader Arvind Kejriwal's house over his "anti-Purvanchali" comments, the former Chief Minister countered by claiming that he had given a dignified life to Purvanchalis by providing civic and health facilities in unauthorised colonies and slums where they live.

The poll-bound city is witnessing a battle over Purvanchalis with BJP protesting against Kejriwal's comment on Thursday in which he allegedly called people from Purvanchal "fake voters" and the AAP has been accusing the saffron party of indulging in politics.Kejriwal took to damage control on Friday by blaming the BJP's central government for not carrying out any development in the unauthorised colonies that are home to the community.

"People from Purvanchal come here and live in slums. Before 2014, it was difficult to live in these slums. It was a life of hell, with mud and sludge everywhere. There was no development. According to the Supreme Court and central government orders, no development could take place there. More than 90 per cent of the people in these slums are from Purvanchal. I want to ask the BJP, what have you done for slums in the last 10 years?" said Kejriwal."BJP is just a party for protesting. They only hold dharna and protest and indulge in dirty politics. They can't work for the people," he said.Delhi BJP President Virendra Sachdeva said Kejriwal's remarks last evening, where he called people from Purvanchal "fake voters," have once again revealed the dark truth of his mindset.

L&T Chairman's work-on-Sunday plan is problematic. Here's why

NEW DELHI. Work 70 hours, even 90, don't take an off on Sundays and definitely don't work from home. CEOs of major corporations often take to the internet to share advice on being the employee of the month. Recently, SN Subrahmanyan, Chairman of Larsen and Toubro (L&T), joined the league of honchos who want Indians to work more. Well, Indians are the world's second-most overworked people, according to International Labour Organisation (ILO).

Subrahmanyan sparked a controversy by advocating for working even on Sundays. Questioning how people spend their Sundays, he made remarks that have led to debates about India's work culture."I regret that I am not able to make you work on Sundays. If I could make you work on Sundays, I would be happier," Subrahmanyan said during a meeting with employees. He further asked, "What do you do sitting at home? How long can you stare at your wife?"

CEOs and chairman's of big corporates, such as Infosys co-founder Narayana Murthy, who advocated for a 70-hour work week.Even Tesla's boss, Elon Musk, has been a strong proponent of all work and no play. But Indians are paying a heavy cost for overworking.

HOW INDIANS OVERWORK, PAY WITH BURNOUT

India's work culture comes with significant consequences. Reports indicate that Indians are among the most overworked people in the world, with burnout rates alarmingly high.Actor Deepika Padukone addressed this issue on social media, criticising such statements for their potential impact on mental health.She posted, "Shocking to see people in such senior positions make such statements. #mentalhealthmatters (sic)."

This is true for a country which is the second-most overworked.According to the International Labour Organization (ILO), India ranks as the second most overworked country globally, with 51% of employees working 49 hours or more per week.

The ILO recommends a maximum 48-hour work week, with no more than eight hours a day. However, many Indians far exceed these limits.Indians have also reported burnout symptoms.A 2023 survey by the McKinsey Health Institute revealed that 59% of Indian respondents reported burnout symptoms—the highest rate globally.Moreover, 62% of Indian workers reported experiencing workplace exhaustion, the highest among all countries surveyed.

Maharashtra misled: Congress slams Mahayuti over delay in 'Ladki Bahin' aid increase

New Delhi. The Congress on Friday accused the BJP-led Mahayuti government in Maharashtra of failing to fulfil its promise of increasing financial assistance under the flagship 'Majhi Ladki Bahin Yojna' scheme. The program, which provides cash assistance to poor women, was a cornerstone of the Mahayuti campaign during the 2024 Maharashtra assembly elections.

"It has been a month, but the Mahayuti government in Maharashtra has not increased the financial assistance under the 'Majhi Ladki Bahin Yojna' from Rs 1,500 to Rs 2,100, as promised. This shows they misled voters and are failing to deliver on their commitments, leaving the people of Maharashtra feeling deceived. This is another jumla by BJP," Congress spokesperson Shama Mohamed said.

During the election campaign, then-Chief Minister Eknath Shinde had pledged to raise the cash assistance to Rs 2,100 if the alliance was voted to power. The Mahayuti government secured a decisive victory in the November 2024 elections, and BJP leader Devendra Fadnavis took oath as Maharashtra Chief Minister in December.

However, the state government has now initiated a scrutiny process to evaluate the eligibility of beneficiaries under the scheme. The move aims to ensure that only those meeting the scheme's norms receive financial aid.Aditi Tatkare, the Minister for Women and Child Development, reassured the public, saying, "There will be no broad-based scrutiny. Only complaint-based verification is being launched."Mahayuti leaders had earlier credited the scheme for their victory, noting that it garnered significant support from women voters who viewed the initiative as a step toward financial and social empowerment.

The BJP-led Mahayuti swept the Maharashtra Assembly elections, bagging 236 out of 288 seats.

Supreme Court Pauses Rs 746 Crore Fine On Rajasthan Over Waste Management

New Delhi. The Supreme Court on Friday stayed a hefty penalty of Rs 746 crore levied by the National Green Tribunal (NGT) on the Rajasthan government over non-compliance with waste management regulations.A division bench, comprising Justices Abhay S Oka and KV Vishwanathan, heard the matter.

Additional Advocate General Shiv Mangal Sharma informed that the NGT had not only directed payment of ₹113.10 crore within a month but also issued show cause notices for prosecution against the Chief Secretary and Principal Secretary/Additional Chief Secretary of Urban Development. He argued before the Supreme Court that the penalty was arbitrary and ignores significant compliance made by the state.The decision, Mr Sharma argued, caused widespread concern in the state government, which was working seriously to ensure compliance with environmental regulations. He also informed the court that the state has invested Rs 4712.98 crore in liquid waste management and Rs 2872.07 crore in solid waste management since 2018.

The bench acknowledged the efforts of Rajasthan and said that such a huge financial penalty and the possibility of criminal prosecution may hamper the environmental protection efforts of the state.

The fine was imposed on September 17 last year. The NGT had highlighted the state's gross negligence in handling environmental concerns related to untreated waste, adding that it poses serious risks to public health and ecological balance. The tribunal found that the state generates approximately 6,523 tons of solid waste daily, yet only 63.19 per cent of this waste is properly processed.

ED raids ex-Bihar minister, others in bank fraud case; searches on in 4 states

New Delhi. The Enforcement Directorate on Friday launched searches on 18 premises linked to an Rashtriya Janata Dal (RJD) MLA, as part of a money laundering investigation into an alleged fraud of Rs 85 crore in a state cooperative bank.The searches on the 18 premises in Bihar, West Bengal, Uttar Pradesh and Delhi were launched by the ED officials on Friday morning and were undergoing at the time of writing of this news.

The premises include properties of RJD MLA and former Bihar minister Alok Kumar Mehta (58), who is the promoter of the Bihar-based Vaishali Shahri Vikas (VSV) Cooperative Bank, apart from some other properties of other officials and customers of the bank, the sources said.

Mehta is an MLA from the Ujiarpur seat of Bihar and is a senior politician of the Lalu Prasad Yadav-led Rashtriya Janta Dal (RJD). He has earlier served as the minister for revenue and land reforms in the state.The ED investigation stems from some state police FIRs filed against the bank and its office-bearers for alleged embezzlement of funds worth about Rs 85 crore.

How strong is the Indian passport on Henley Index topped by Singapore's

The strength of a passport indicates the number of destinations its holders get visa-free access to. India's ranking in the Henley Passport Index 2025 dropped to 85 from 80 in 2024. This is how others stack up.

New Delhi. The strength of India's passport dipped five places to land at the 85th spot in the recently released Henley Passport Index. The strength of a country's passport indicates how many countries allow its holder visa-free access.India shares the 85th spot on the Henley Passport Index with Equatorial Guinea and Nigeria. Indian passport holders, like those of the other two countries, get visa-free access to 57 destinations.The Singapore passport emerged the topper on the index, with Singaporeans getting visa-free access to 195 destinations.

Japan's passport was the second-strongest, with Japanese citizens getting visa-free access to 193 destinations.The third spot was shared by six countries -- Finland, France, Germany, Italy, South Korea and Spain -- with their respective passport holders getting visa-free access to 192 countries.The Henley Passport Index ranks 199 countries, using exclusive data from the International Air Transport Association (IATA), the largest, most accurate travel information database.

WHERE DO THE BRICS COUNTRIES STAND?

Among the original BRICS countries, Brazil is ranked 18th, with Brazilians getting access to 171 destinations without prior visa, Russia at 46th (116 destinations), China 60th (85 destinations) and South Africa 48th (106 destinations).China is also among the big gainers. Its passport has jumped from 94th place in 2015 to 60th now.

India's ranking, which moved up from 84th in 2023 to 80th in 2024, dipped to 85th in 2025, on the Henley Passport Index.India's passport was ranked 71st most-strongest when the ranking began in 2006. It dipped to the lowest ever (90th) in 2021, a year that saw Covid lockdowns and travel restrictions. Other than that it was the lowest at 87th in 2017.

One of the most noticeable absentees from the top five is the American passport.

The US passport is in the ninth position with Americans getting access to 186 visa-free destinations. It was ranked No 1 in 2014.In fact, the US passport is the second-biggest loser after Venezuela's.The UAE is the only Arab country in the Top 10 on the Henley Passport Index. The UAE passport is ranked 10th and its holders get visa-free access to 185 destinations.

At the 106th spot, Afghanistan is at the rock bottom of the list. People of the Taliban-ruled country get to travel to just 26 destinations without prior visa approval.

Neighbouring Pakistan's passport is ranked 103rd, with Pakistanis getting visa-free access to 33 countries.Interestingly, in a recent meeting with India's foreign secretary, Afghanistan's acting foreign minister requested New Delhi to grant visas to Afghans for education.

NEWS BOX

"False": International Fact-Checking Network On Zuckerberg's Censorship Claim

Washington, United States. Meta founder and CEO Mark Zuckerberg's claim that the fact-checking program on Facebook and Instagram has veered into censorship is "false", the International Fact-Checking Network said Thursday."This is false, and we want to set the record straight, both for today's context and for the historical record," said the global network of fact-checking organizations, including AFP, after Zuckerberg announced an end to Meta's US program.In announcing the significant rollback of Meta's content moderation policies on Tuesday, Zuckerberg said the program had made "too many mistakes and too much censorship".While Meta's

decision to scrap fact-check operations currently only applies to the United States, the International Fact-Checking Network warned of the potentially devastating impact if the group were to end its worldwide programs covering more than 100 countries. "Some of these countries are highly vulnerable to misinformation that spurs political instability, election interference, mob violence and even genocide," the network said.

"If Meta decides to stop the program worldwide, it is almost certain to result in real-world harm in many places," it added.AFP currently works in 26 languages with Facebook's fact-checking program, in which Facebook pays to use fact-checks from around 80 organizations globally on its platform, WhatsApp and Instagram.

In that program, content rated "false" is downgraded in news feeds so fewer people will see it and if someone tries to share that post, they are presented with an article explaining why it is misleading.

Malibu Ocean-Front Hollywood Stars' Homes Wrecked In LA Wildfires

Pacific Palisades, United States. Flying south through smoky skies down the famous Malibu coast, at first the burnt-out mansions are the exception -- solitary wrecks, smoldering away between rows of intact, gleaming beachfront villas.

But draw closer to Pacific Palisades, the ground zero of Los Angeles's devastating fires, and those small scorched ruins become sporadic clusters, and then endless rows of charred, crumpled homes.From the air, the extent of the devastation wrought by the Palisades Fire on these two neighborhoods is starting to come into focus: whole streets in ruins, the remains of once-fabulous houses now nothing but ash and memories.Access to this area of utter devastation has been largely closed to the public and even to evacuated residents since the fire began Tuesday.The biggest among multiple blazes covering Los Angeles, the inferno has now ripped through over 19,000 acres (7,700 hectares) of Pacific Palisades and Malibu.A preliminary estimate of destroyed structures was "in the thousands," city fire chief Kristin Crowley told Thursday's conference.

There have been at least two separate reports of human remains found in this fire alone, though officials have yet to confirm the fatal toll."It is safe to say that the Palisades Fire is one of the most destructive natural disasters in the history of Los Angeles," said Crowley.For AFP reporters surveying the scenes from a helicopter Thursday, it was hard to argue with that view.

On some of these highly coveted Malibu oceanfront plots, beloved by celebrities, skeletal frames of buildings indicated the lavish scale of what has been destroyed.Other multi-million dollar mansions have vanished entirely, seemingly swept into the Pacific Ocean by the force of the Palisades Fire.

And looming above Malibu, a thin sliver of luxurious waterfront property, is Pacific Palisades itself -- an affluent plateau of expensive real estate, now deserted.Not the entire hilltop is blackened. Several grand homes stand unscathed. Some streets have been spared entirely.But toward the southern end of the Palisades, grids of roads that were until Tuesday lined with stunning homes now resemble makeshift cemeteries.

Deaths In Gaza During First 9-Months Of War 40% Higher Than Recorded: Lancet

Paris, France. Research published in The Lancet medical journal on Friday estimates that the death toll in Gaza during the first nine months of the Israel-Hamas war was around 40 percent higher than recorded by the Palestinian territory's health ministry.

The number of dead in Gaza has become a matter of bitter debate since Israel launched its military campaign against Hamas in response to the Palestinian militant group's unprecedented October 7, 2023 attack.Up to June 30 last year, the health ministry in Hamas-run Gaza reported a death toll of 37,877 in the war.However the new peer-reviewed study used data from the ministry, an online survey and social media obituaries to estimate that there were between 55,298 and 78,525 deaths from traumatic injuries in Gaza by that time.The study's best death toll estimate was 64,260, which would mean the health ministry had under-reported the number of deaths to that point by 41 percent.

That toll represented 2.9 percent of Gaza's pre-war population, "or approximately one in 35 inhabitants," the study said.The UK-led group of researchers estimated that 59 percent of the deaths were women, children and the elderly.

The toll was only for deaths from traumatic injuries, so did not include deaths from a lack of health care or food, or the thousands of missing believed to be buried under rubble.AFP is unable to independently verify the death toll.On Thursday, Gaza's health ministry said that 46,006 people had died over the full 15 months of war.In Israel, the 2023 attack by Hamas resulted in the deaths of 1,208 people, mostly civilians, according to an AFP tally based on official Israeli figures.

Grant Visa To Afghan Businessmen, Students: Taliban Urges India

World. Afghanistan has assured New Delhi that it does not pose a threat to any nation and expressed hope for raising the level of diplomatic relations with India, which it described as "a key regional and economic player."In a statement issued after the first publicly acknowledged engagement between Kabul and New Delhi after the Taliban government came to power, Afghanistan's Foreign Ministry urged raising the level of diplomatic relations, and easing the visa regime for Afghan businessmen, patients and students.

Afghanistan's acting Foreign Minister Mawlawi Amir Khan Muttaqi and Indian Foreign Secretary Vikram Misri met in Dubai on Wednesday.Muttaqi underlined a desire of strengthening political and economic relations with India as a key regional and economic player, in line with Afghanistan's balanced and economy-centric foreign policy, the Afganistan statement said in Kabul."Assuring the Indian delegation that Afghanistan does not pose a threat to any nation, FM Muttaqi expressed hope for raising the level of diplomatic relations, and easing the visa regime for Afghan businessmen, patients and students," the statement said.

The Afghanistan Foreign Ministry statement said that during the Wednesday's meeting, Afghanistan's Deputy Ministers of Commerce & Transport were present and comprehensive talks were held on political, economic and people-to-people relations between the two countries.

Appreciating Afghanistan's efforts in ensuring security, and combating narcotics and corruption in the country, the Indian Foreign Secretary emphasised India's interest in expanding political and economic relations with Afghanistan, and promoting trade through the Chabahar Port," it added.

After the meeting in Dubai, the External Affairs Ministry (MEA) in a statement in New Delhi said on Wednesday it would consider engaging in development projects in Afghanistan and provide material support to the country in the health sector.

The meeting saw the Afghan side underlining its "sensitivities" to India's security concerns, it said.

The Misri-Muttaqi talks came two days after India "unequivocally" condemned Pakistani airstrikes in Afghanistan that killed dozens of civilians.India has not yet recognised the Taliban set-up and has been pitching for the formation of a truly inclusive government in Kabul. New Delhi has also been insisting that Afghan soil must not be used for any terrorist activities against any country.

In response to the request from the Afghan side, India will provide further material support in the first instance to the health sector and for the rehabilitation of refugees, it said.It was learnt that New Delhi remains concerned over the presence in Afghanistan of terror elements belonging to Pakistan-based terror groups such as Lashkar-e-Taiba (LeT) and Jaish-e-Mohammed (JeM).

Dubai's New Rs 85,000 Crore Project: 2 Buildings Connected By A "Sky Pool"

World. Two new skyscrapers, each standing at 591 feet, will soon be added to Dubai's skyline as part of a $1-billion (around Rs 85,879 crore) luxury development at Marasi Marina. The twin towers will be connected by a 43-foot infinity pool perched on the rooftop, but access to this feature will be restricted to a private ultra-penthouse, reported CNN.The project is named Regent Residences Dubai, and it's expected to be ready by 2027. Developed in partnership between real estate company Sankari and IHG Hotels & Resorts, it will comprise 63 luxury apartments, with each unit occupying an entire floor and offering views of the Burj Khalifa and Dubai Creek.Described by the architects as an "ultra-penthouse," the project's signature rooftop pool won't be accessible to most residents. The penthouse, spanning 35,000 square feet, will feature six bedrooms, a private gym and a personal elevator.While the exclusive pool

remains out of reach for others, all apartments in the development will come with private swimming terraces and access to an 82-foot indoor lap pool.

Architectural firm Foster + Partners, which designed the project, said the towers' exterior was inspired by cascading water. Renderings show pool terraces extending from the buildings' facades.The architectural design splits the structure into two towers, both sharing the "same design language," said Foster + Partners in a statement. This layout allows for one expansive apartment on each floor, maximising natural light and ventilation.In addition to offering panoramic views of the Burj Khalifa, each apartment is carefully positioned to take in the stunning sunrises and sunsets over the city."At the highest level, an ultra-penthouse bridges the two towers and features a spectacular sky pool," read the statement.Beyond luxury residences, Regent Residences Dubai will offer a wide range of facilities, including tennis and padel courts, outdoor lounges, a private cinema and a virtual golf simulator. The project will also feature 10 floating homes, referred to as "water villas."

The towers' podium will include green spaces, retail outlets and dining options.The skyscrapers are part of a broader redevelopment initiative at Marasi Marina in Business Bay, a waterfront neighbourhood south of Dubai's downtown area. The project aims to transform the area into a hub for luxury living and leisure.

Elon Musk Was Asked If He Believes In God, He Said...

World. Billionaire entrepreneur Elon Musk has revealed he is open to the "idea of God", but his views remain shaped by a physics-based perspective of reality. The Tesla CEO, in a January 10 interview with German leader Alice Wiedel, shared his thoughts on the existence of a higher power."I'm open to believing in things proportionate to the information that I receive," Musk said, when asked if he believed in God. He elaborated, explaining his perspective as rooted in a "physics view of reality," adding, "I'm just open to the idea of God."

Musk reflected on the origins of the universe, suggesting that the concept of God could apply to the creation of the cosmos. "If you say, where did the universe come from? How is it created? I suppose there would be some entity that you could call God. I

don't know," the SpaceX CEO admitted.

But Musk also drew a distinction between a creative entity and a moral observer. He questioned whether such an entity is watching over our daily actions and passing moral judgment. "That doesn't appear to be the case because, you know, at least there's some very evil things that happen in the world," he said. "If there's someone observing us on a moral basis continually, then it does seem odd that some very evil things are allowed to occur."Despite his uncertainties, Musk said, "Maybe that is the case. I don't know what I learned. And as I learn more, I aspire to change my views to match what I learned."

Last year, Musk described himself as a "cultural Christian" during an interview with psychologist and author Jordan Peterson. While not a "particularly religious person", Musk said he believed in the wisdom of Christian teachings, particularly the principle of "turning the other cheek."

Musk said that Christian beliefs "result in the greatest happiness for humanity, considering not just the present, but all future humans... I'm actually a big believer in the principles of Christianity. I think they're very good."

"You Burn...": Israel's Post On Los Angeles Wildfires Draws Backlash Amid Gaza War

World. At least ten people have died in the wildfires ravaging Southern California since Wednesday, with thousands more impacted by the devastating flames. In a show of "solidarity", the Israeli embassy in Washington voiced support for the residents, but their message has been met with significant backlash online."Our hearts are with the residents of Southern California as wildfires continue to impact communities," the Israeli embassy wrote on X. "Israel stands in solidarity with those affected, and we send strength to the brave firefighters and first responders working tirelessly to protect lives and homes."

Now, social media users are questioning Israel's empathy given its ongoing war on Gaza that has lasted over 15 months.Israel has received approximately $26 billion in military aid from the Biden government. The funds have been used to target Gaza since the October 7 Hamas attack in southern Israel. The ongoing war has killed over 46,000 Palestinians, the majority being women and children, according to the Gaza Health Ministry.

One user wrote, "You burn hospitals and refugees on a live stream."

You're sending thoughts??? Lol after the US sent you billions. Thought they are your greatest ally lol. The people of the US need to wake up !!! Billions of dollars sent to Israel while Americans homes burn to the ground," a comment read.Since October 7, the Biden administration has sent over a hundred military aid transfers, including tank ammo, bombs, and small arms, to Israel. The Benjamin Netanyahu-led government has also received expedited weapons from a US stockpile. The US also agreed to lease two Iron Dome missile defence systems to Israel after the Hamas attack. In April 2024, the US considered an $18 billion military deal with Israel, including fifty F-15 fighter jets. Israel is also buying surveillance drones from smaller US companies.

The wildfires ravaging Los Angeles County have caused widespread devastation with tens of thousands forced to evacuate. Firefighters are making headway as winds weaken, but new fires near the LA-Ventura border have triggered more evacuations.

Jimmy Carter Funeral Brings Biden, 4 Ex Presidents To Honour One Of Their Own

The event saw President Joe Biden alongside former presidents Barack Obama, George W Bush, Bill Clinton, and Donald Trump.

World. Five US presidents – past and present – set aside political differences to pay their final respects to former President Jimmy Carter at his funeral in the Washington National Cathedral. Carter, who died on December 29, 2024, at the age of 100, was remembered for his legacy of public service, humility, and post-presidency humanitarian work.The event saw outgoing President Joe Biden and First Lady Jill Biden seated alongside former Presidents Barack Obama, George W Bush, Bill Clinton, and their partners. Former president Donald Trump, set to re-enter the Oval Office in ten days, attended the event with his wife, Melania Trump.The funeral brought together other political leaders, including Vice President Kamala Harris, former Vice President Mike Pence, and their predecessors as well. The atmosphere was marked by moments of solemnity, handshakes, and occasional glances and awkward smiles.

In his eulogy, Biden praised Carter's integrity and his transformative role as a private citizen post-presidency. "To make every minute of our time on earth count, that's the very definition of a good life," Biden said, as per BBC.Trump's former Vice President, Mike Pence, shared a polite handshake with Trump despite their fractured relationship following the Capitol riots of January 6, 2021. Pence's decision to certify Biden's presidential victory and his subsequent 2024 presidential bid against Trump strained their ties.

Kamala Harris, who lost to Trump in the 2024 presidential election, maintained a distance, avoiding any formal interaction with Trump. Her husband, Doug Emhoff, however, was seen shaking hands with the former president.International dignitaries, including Canadian Prime Minister Justin Trudeau, Prince Edward, Duke of Edinburgh, and UN Secretary-General Antonio Guterres were also among the attendees. Trudeau, who has often been a target of Trump's verbal jabs, appeared stoic, even as Trump referred to him as "Governor Trudeau" in recent weeks.

In a way, former President Gerald Ford was also present, with his son, Steve, delivering a eulogy penned by his late father.

The eulogy recalled the special bond between Carter and Ford, saying how the two had made a pact to speak at each other's funerals – a commitment Carter honoured when Ford died in 2006. Ford's eulogy shared, "By fate, for a brief season, Jimmy Carter and I were rivals, but later, it led to the most enduring of friendships."

NEWS BOX

ICC chairman Jay Shah to be felicitated by BCCI at Special General Meeting

New Delhi. Newly-elected International Cricket Council (ICC) chairman Jay Shah will be felicitated by the BCCI's state units on the sidelines of the Special General Meeting, scheduled here on Sunday.Former BCCI secretary Jay Shah became the youngest ICC chairman after he was elected unopposed in August last year and took over the prestigious post on December 1. He replaced Greg Barclay, who decided not to

seek a third term.Shah was the BCCI secretary since October 2019 and chairman of the Asian Cricket Council since January 2021.

Shah will be a "special invitee" to the SGM, convened to elect the new secretary and treasurer of the BCCI.The cricket administrator has been at the forefront of expanding the game's imprint globally and recently met top officials of the 2032 Brisbane Olympics organising committee to discuss the sport's inclusion in the Summer Games.Cricket will make a return to the Olympics after 128 years when it is played in the 2028 Los Angeles Games. The sport is not yet confirmed for the 2032 edition in Brisbane.Australian newspaper, The Age, recently reported that Shah will meet Cricket Australia chair Mike Baird and his England counterpart Richard Thompson later this month to discuss the finer points of a two-tier Test system to facilitate more series between the big three nations.

Real Madrid set up El Clasico vs FC Barcelona for Spanish Super Cup Final

New Delhi. Real Madrid secured their spot in the Spanish Super Cup final with a commanding 3-0 victory over Mallorca in Jeddah on January 10. The win, fuelled by a clinical second-half display, sets up a highly anticipated showdown against arch-rivals FC Barcelona for Sunday's final.

Carlo Ancelotti's men dominated the first half, creating multiple scoring opportunities. Despite relentless pressure, Mallorca's goalkeeper Dominik Greif stood firm, pulling off crucial saves to deny Jude Bellingham and Aurelien Tchouameni. His impressive performance kept the game goalless at the break.

The breakthrough finally came in the 63rd minute when English star Jude Bellingham capitalized on a chaotic sequence inside

Mallorca's penalty box. After attempts by Rodrygo and Mbappé struck the post and were scrambled clear, Bellingham slotted the ball home to give Real Madrid the lead.

Mallorca struggled to find a response as Real Madrid's relentless attack continued. The game was effectively sealed in the closing moments when Martin Valjent inadvertently turned Brahim Diaz's cross into his own net during stoppage time. Moments later, Rodrygo capped off the victory by converting Lucas Vazquez's pinpoint cross to make it 3-0.

This triumph marks Real Madrid's fourth consecutive Spanish Super Cup final appearance. Their consistency in the competition is a testament to Ancelotti's tactical acumen and the team's depth. Sunday's final against Barcelona will be their third consecutive meeting in this prestigious event, adding another chapter to the storied rivalry.As both Spanish giants prepare for a high-stakes encounter, Real Madrid will look to maintain their winning momentum while Barcelona seeks redemption. The stage is set for another thrilling El Clasico clash in Saudi Arabia as the fierce competitors vie for Spanish football supremacy.

Iga Swiatek felt 'awkward' making excuses for absence during doping ban

- **Iga Swiatek described her doping ban as the worst time in her life and revealed she had considered publicly disclosing her positive test for the banned substance trimetazidine but chose to wait until authorities resolved the case.**

New Delhi . Iga ÅšwiÄ…tek, World no. 2 and five-time Grand Slam champion, has described the emotional turmoil and uncertainty she faced during her recent doping ban, calling it "the worst time in my life." Speaking ahead of the Australian Open, Swiatek revealed her struggles in dealing with the situation and the reasoning behind her decision to remain silent about the positive doping test until the case was resolved.Swiatek tested positive for the banned substance trimetazidine in August and was provisionally banned the following month. During this period, she attributed her absence from tournaments in Asia to personal matters and fatigue. However, it was later disclosed that her withdrawal was due to a one-month doping suspension after the International Tennis Integrity Agency (ITIA) confirmed the positive test.The Polish star denied knowingly taking the banned substance, explaining that it had entered her system through contaminated non-prescription sleep medication. Following her successful appeal, the ITIA accepted this explanation, allowing her to return to competition in October. Swiatek's provisional ban officially ended on December 4, factoring in time already served.

In her remarks to the Polish media, Swiatek shared her internal conflict about whether to publicly address the issue while the case was ongoing. "For a long time, when I was in Warsaw and couldn't play, I wondered if it would be better to say publicly what happened," Swiatek said. "But the truth is that with no source at the time and no decision from the ITIA yet, we would be only half-informing that I had a doping case, and that would have caused me more stress and problems."

She acknowledged the stigma surrounding doping allegations and her fear of being judged negatively. "I always worked hard to be a good example, to show my integrity, show good behaviour. Having no control over this case really freaked me out a bit," she admitted.

Swiatek also expressed gratitude for the support she received from fellow players in the locker room. "Most of them even approached me, saying, 'Hey, how can we avoid this? Is there any way that we can be more careful?' They're worried this can happen to them as well," she said.The handling of Swiatek's case, as well as that of men's world number one Jannik Sinner, has drawn criticism from some players who allege double standards in the adjudication process. However, Swiatek emphasised her belief in the importance of resolving cases thoroughly before making them public. "Ultimately, the system that is in place now, which gives a chance to find an answer and resolve the situation before it is revealed publicly, is reasonable," she concluded.

- **Iga Swiatek faced emotional turmoil during her doping ban**
- **Swiatek tested positive for trimetazidine, was banned for a month**
- **Swiatek to begin Australian Open campaign vs Katerina Siniakova**

Swiatek is set to begin her Australian Open campaign against Katerina Siniakova in the first round on Sunday, hoping to move past a tumultuous chapter in her career.

Sam Konstas might miss out on opening spot in Sri Lanka, hints George Bailey

New Delhi . Breakout star of the Border-Gavaskar Trophy 2024/25 Sam Konstas might not have a place in the playing XI in the Test series against Sri Lanka, hinted chief selector George Bailey. Speaking after the squad announcement for the Sri Lanka series, Bailey said that Australia might promote Travis Head to the opening slot as they did against India in the BGT 2023.Konstas, who made a name for himself in the Border-Gavaskar Trophy 2024/25, played two crucial innings for his team. In Melbourne - his debut Test game, Konstas took apart Jasprit Bumrah and Mohammed Siraj in his brief stay. And in the last innings of the series, Konstas got Australia off the blocks quickly in a chase of 162 runs.

However, it seems that his position as an opener is not guaranteed. Konstas might be shifted down the order in the line-up or benched entirely, depending on the pitches in Sri Lanka."Trav's an option (to open).

We've got a number of options and there's been a few preliminary discussions around where that may land, and that may depend on the makeup of that first XI," Bailey told cricket.com.au."I think (head coach) Andrew (McDonald,) and (stand-in captain) Steve (Smith) will settle on that in due course, once we hit Sri Lanka," he added.

Head, who top-scored in the recently-concluded Border-Gavaskar series against India in the middle order, has experience of batting at the opening spot in the sub-continent. He had replaced David Warner during the 2023 tour of India and scored 90 runs at a strike rate of 55.21.Australia announced a 16-member squad on Thursday with several fresh faces added to the group that played India in Sydney last week. Smith will captain the side as Pat Cummins is on leave for the birth of his second child. The 19-year-old Sam Konstas will remain in contention to make the starting lineup in Sri Lanka after his impressive start against India in the two Tests."What we have seen is he's (Konstas) a quick learner. (He) absorbs a lot of information," Bailey said."So (we're) expecting him to get to get a lot out of it. I know from his spin play in Australia, and the opportunities he's (had) in different parts of the world, we think he's got a game that's well suited, and a technique that can stand up.

Virat Kohli, Anushka Sharma visit Vrindavan after woeful Australia series

New Delhi . India batter Virat Kohli and actor Anushka Sharma visited Vrindavan to meet Shri Premanand Govind Sharan Ji Maharaj. Kohli had a woeful outing on the tour of Australia where he was dismissed in identical fashion in 8 out of his 9 innings.A video of Virat Kohli and Anushka Sharma went viral on the internet, where the duo can be seen seeking blessings from Shri Premanand Govind Sharan Ji Maharaj. In the video, Shri Premanand Govind Sharan Ji Maharaj can be heard praising Anushka for keeping Virat Kohli on the path of humility and faith despite

being one of the most successful persons of his generation.

VIRAT KOHLI'S TOUR OF AUSTRALIA

Visiting Australia for the fifth time, Virat Kohli carried immense expectations on his shoulders. However, the 36-year-old ended the tour with a modest 190 runs in nine innings, averaging just 23.75. The series began on a high note, with Kohli reaching a significant milestone by becoming the batter with the most Test hundreds on Australian soil, registering his seventh ton during the Perth Test.

Unfortunately, his performance dipped in the latter part of the series, as he managed only 85 runs across seven innings in the final four Tests, which India lost 1-3. Kohli also made headlines for his on-field antics, including a shoulder bump with Sam Konstas, an incident for which the ICC sanctioned him. Additionally, Kohli attempted to provoke the Australian crowd with a sandpaper gesture.Several former players have been critical of Virat Kohli and Rohit Sharma after the tour. There have been calls of getting the top India stars back into the Ranji Trophy game so that they can fix their red-ball game.

Australian Open: Defending champion Jannik Sinner still in dark about doping ban

New Delhi. Defending Australian Open champion Jannik Sinner revealed on Friday that he remains uncertain about the outcome of his doping case, which continues to loom over his preparations for his title defense at Melbourne Park.Sinner, who failed two drug tests in March due to low levels of the anabolic steroid clostebol, was initially cleared by an independent tribunal in August after the body accepted his explanation of unintentional contamination. However, the World Anti-Doping Agency (WADA) appealed the ruling at the Court of Arbitration for Sport (CAS) in September, leaving the Italian still facing the possibility of a two-year ban.

Speaking to reporters ahead of the Australian Open, Sinner admitted there was little clarity about the ongoing proceedings.

"I know exactly as much as you guys know. We're in a stage where we don't know many, many things," Sinner said. "Yeah, you think about this, of course. I would lie if I said I forget. It's been with me for quite a long time. But it is what it is. I'm here trying to prepare for the Grand Slam. Let's see how it goes."Despite the ongoing uncertainty, Sinner was able to keep his focus last season,

enjoying a standout year that saw him win his second Grand Slam title at the U.S. Open.

The handling of Sinner's case, as well as that of Iga Swiatek, by tennis anti-doping authorities has faced criticism from some players, including Australian Nick Kyrgios, who called the situation a "horrible look" for the sport.However, Sinner refrained from engaging with Kyrgios or other critics. "I haven't done anything wrong," he stated. "That's why I'm still here, that's why I'm still playing. I don't want to respond to what Nick said or what other players say."Sinner begins his Australian Open campaign against Chile's Nicolás Jarry.

SWIATEK OPENS UP ON DOPING

World No.1 Iga Swiatek talked about the struggles she went through amid the doping controversy she was involved in. Last year, the Pole served a one-month ban after testing positive for a banned substance, named trimetazidine (TMZ), which is used as a heart medication.Swiatek was provisionally suspended on September 12, 2024 before she missed three tournaments: the WTA 500 Hana Bank Korea Open, WTA 1000 China Open and WTA 1000 Dongfeng Voyah Wuhan Open. Recalling the tough times, Swiatek revealed that she was prosecuted and treated like a liar.

"You can be at peace with yourself that you didn't do anything wrong, but no one actually treats you like that... Especially the people that are kind of prosecuting you. Even when you're telling the truth, you feel like they treat you like a liar," Swiatek told Tennis Insider Club."I fought for everything so hard the past years. What if people are going to, in their head, take it away from me? What if they're going to look at me differently? I was home at the time and still there were people coming for autographs or for a selfie. And I was like 'Well, are you going to do that in one month?'" Swiatek added.

East Bengal vs Mohunbagan, ISL Livestreaming: When and where to watch Kolkata Derby

New Delhi. The iconic Kolkata Derby between East Bengal FC and Mohun Bagan Super Giant in the Indian Super League (ISL) 2024-25 season promises to reignite fierce footballing passion. Scheduled for January 11 at Guwahati's Indira Gandhi Athletic Stadium, this high-stakes match was relocated from Kolkata's Salt Lake Stadium due to logistical challenges posed by the Ganga Sagar Mela.East Bengal FC, under new manager Oscar Bruzon, has been fighting to regain competitive form after a challenging start to the season. Recent victories against Jamshedpur FC and Punjab FC showed glimpses of resurgence, though their playoff hopes suffered a setback with a 2-3 defeat to Mumbai City FC. With minimal room for error, East Bengal faces an uphill task against

their arch-rivals.

In contrast, Mohun Bagan Super Giant is enjoying a remarkable run, currently sitting atop the ISL table. Their commanding performances against Punjab FC and Hyderabad FC have solidified their position as a formidable contender, making them favorites for the derby. The team will be eager to extend their dominance and maintain their supremacy in Indian football.

Historical Edge for Mohun Bagan

The head-to-head record heavily favors Mohun Bagan. East Bengal has failed to secure victory in their last nine ISL derbies, with Mohun Bagan scoring at least twice in each encounter. This history fuels Mohun Bagan's confidence as they prepare to assert dominance once again.

A Shot at Redemption

Despite past struggles, East Bengal will look to disrupt their rivals' momentum and secure a morale-boosting victory. The Kolkata Derby, known for its unpredictability, could be the perfect platform for Bruzon's men to make a statement and rally their season forward.Fans and pundits alike anticipate a fiery showdown as East Bengal and Mohun Bagan vie not only for bragging rights but also crucial points in the ISL race. Will Mohun Bagan continue their reign, or can East Bengal turn the tide? Only time will tell in this latest chapter of Indian football's most storied rivalry.

When and where is East Bengal vs Mohun Bagan in ISL?

The highly anticipated Kolkata Derby clash between Mohun Bagan Super Giant and East Bengal in the ISL 2024-25 season is set to unfold on January 11 at Guwahati's Indira Gandhi Athletic Stadium.

Where to watch East Bengal vs Mohun Bagan in ISL?

Fans can watch the Kolkata Derby clash between Mohun Bagan Super Giant and East Bengal FC on Sports 18 and Sports 18 HD and can also be live-streamed on the JioCinema app and website.

Wamiqa Gabbi

Reacts After A Paparazzo Calls Her Premika, Says 'Aap Logon Ne Diya Hai Naam'

Actress Wamiqa Gabbi, who has been making waves with her stellar performances, recently shared a lighthearted moment with the paparazzi at Mumbai airport. In a viral video, Wamiqa is seen interacting with media when one of them referred to her as "Premika." This left her smiling. She was last seen in Baby John.In the video, shared by Snehzala, we can see Wamiqa wearing a blue colour saree paired with a pink blouse. As she headed towards her car, paps came for photos. One of them called her premika. Hearing this she said, "Aap logon ne diya hai naam." Coming to Baby John, the film is an official remake of the Tamil movie, Theri. It starred Ilayathalapathy Vijay and Samantha Ruth Prabhu in the lead roles. In the remake, Keerthy stepped in to portray the role played by Samantha. Recently, the actress revealed that Samantha had recommended her to Atlee for Baby John.

Directed by Kalees, Baby John was released in theatres on December 25. The film, besides the three leads, also features Jackie Shroff, Sanya Malhotra and Rajpal Yadav in key

roles.Wamiqa Gabbi has joined the cast of the upcoming spy thriller "G2," directed by debutant Vinay Kumar Sirigineedi. "G2" is a sequel to the 2018 hit spy thriller "Goodachari", written by and starring Adivi. Wamiqa stars opposite Adivi Sesh in this next instalment of the franchise, continuing the story of Sesh's character from "Goodachari", reports variety.com.

The actress said that she is beyond excited to be part of the incredible journey of 'G2.' "The first film set a remarkable benchmark, and stepping into this world is both thrilling and challenging. Working with such a talented cast and crew inspires me to push boundaries and bring fresh energy to my character. I can't wait for the audience to experience what we're crafting – it's going to be extraordinary." She just completed the European shooting schedule for "G2" with Sesh.Produced by T.G. Vishwa Prasad and Abhishek Agarwal under People Media Factory, Abhishek Agarwal Arts, and AK Entertainments, "G2" is being developed as a pan-Indian release in the Telugu, Hindi, Tamil, Kannada and Malayalam languages, reports variety.com.

Nandamuri Balakrishna And Urvashi Rautela's Chemistry Shines In Daaku Maharaj

South producer Naga Vamsi's next film, Daaku Maharaj is making waves lately and for all the right reasons. Starring the iconic 64-year-old South actor Nandamuri Balakrishna in the lead role, the film will hit theatres on January 12. Directed by KS Ravindra and produced by Naga Vamsi and Sai Soujanya, Daaku Maharaj promises to be an action-packed thriller. The film features Balakrishna in the titular role and also boasts an ensemble cast including Shraddha Srinath, Pragya Jaiswal, Rishi, Chandni Choudhary, Jeevan Kumar and Satya Akela.Adding to the buzz is Bollywood diva Urvashi Rautela, who will be seen performing an exciting item number in the film. A recently surfaced behind-the-scenes video has fans talking, as it shows Nandamuri Balakrishna striking romantic poses with Urvashi, hinting at the exciting chemistry to expect in the film.

Balakrishna's rugged portrayal of the dacoit-turned-hero is already a talking point, setting high expectations among fans.The film's foot-tapping number Dabidi Dibidi has already become an instant sensation, with Urvashi Rautela's fiery moves and screen presence stealing the show. Fans are raving about her electrifying performance, which has made the song go viral. A few days ago, a rehearsal video from the song surfaced online, showing Urvashi practising the choreography.Urvashi herself shared the video on Instagram, giving fans a glimpse into her intense practice sessions with the choreographers. Dressed in a striking pink midi dress with full sleeves, a collared neckline and a fit-and-flare design, she exuded confidence. Paired with sneakers for comfort, her bold red socks added a playful touch to the look.

The excitement for Daaku Maharaj doesn't stop there. Bobby Deol's inclusion in the cast as the antagonist has added an extra layer of intrigue to the project. Directed by Bobby Kolli and produced under the Sitara Entertainment banner, the film is shaping up to be a treat for action lovers.Meanwhile, Urvashi Rautela has a plate full of exciting projects.

For Vijay Varma, Beige Is The New Black And We Can't Agree More

In the last few years, actor Vijay Varma has emerged as one of the most promising talents in Hindi cinema. With his impressive performances in projects like Darlings, Jaane Jaan, Dahaad, Mirzapur, and IC 814: The Kandahar Hijack, the 38-year-old has carved a niche in the industry. Apart from his acting skills, Vijay has, time and again, left everyone stunned with his impeccable fashion sense.On Wednesday, January 8, the actor was spotted in and about in the city, and his simple look for the day was a lesson in winter fashion. In a video posted on Instagram, Vijay was getting out of his car, wearing a beige sweatshirt paired with straight-fit jeans and matching sneakers. Unlike many others, the Darlings always make sure to wear some sort of accessory to add an oomph factor to his look. For his latest outing, Vijay opted for a brown baseball hat, uber-cool sunglasses and a classy watch. He was also seen carrying a brown leather bag.

In the video, as soon as he gets down from his car, Vijay can be seen greeting the person who opened the door for him.

Proving his humble nature once again, the Dahaad actor was warmly greeting the paparazzi with a victory sign. He then posed for them briefly before entering the building. Vijay, with a wide smile on his face, bid adieu to the paps.

Vijay, recognised as one of the best-dressed male celebrities in Bollywood, looked back at his "fashion-forward" moments in 2024. Just days ago, he shared a video on his Instagram account featuring glimpses of his best-dressed moments from last year, and he is a true trailblazer.

When it comes to fashion, the IC 814 actor is someone who has consistently pushed boundaries with his bold and experimental style. Whether it's wearing colourful florals, eye-catching prints, extravagant ethnic outfits or effortlessly pulling off androgynous outfits, he is not afraid to think out of the box and embrace unconventional looks with ease.

In the caption of his post, Vijay wrote, "Rewind my fashion forward 2024. You can see… I was committed to serving looks in 2024. Owe it big time to everyone who helped me put these together! My hair make-up team, magazine editors, designers, photographers and stylists.. esp @vrindaanarang."Speaking of his work front, Vijay Varma is expected to star in Ul Jalool Ishq and Matka King in 2025.

After Thailand Holiday With Family

Alia Bhatt

Is 'Back To The Grind'

After a refreshing holiday in Thailand with her loved ones, Alia Bhatt is back to work and sharing updates with her fans. On Tuesday, the actress took to Instagram to give a sneak peek into her busy day. In the first post, Alia showcased her flawless makeup look with a simple caption, "Back to the grind." In the next, she shared a picture with her team, writing, "With my team behind." These posts mark Alia Bhatt's return to her professional commitments after what appeared to be a much-needed break.

Alia Bhatt ushered in the New Year with her family on a

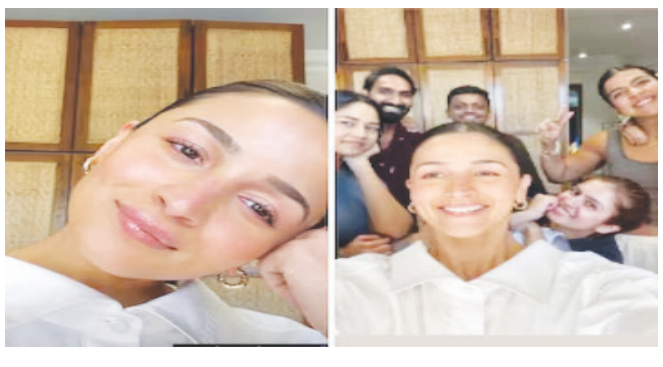

tropical getaway, sharing glimpses of the memorable trip. The pictures featured her husband Ranbir Kapoor, their baby daughter Raha Kapoor, her mother Soni Razdan, mother-in-law Neetu Kapoor, director Ayan Mukerji, and sister-in-law Riddhima Kapoor Sahni. In her heartfelt caption, she shared, "2025: where love leads & the rest just follows…!! Happy New Year all."

After a relaxing vacation, Alia Bhatt is gearing up for a busy work schedule. She is set to star in the upcoming spy thriller Alpha, alongside Sharvari, directed by Shiv Rawail. This film will further expand the renowned Yash Raj Films spy universe.

Additionally, Alia has Sanjay Leela Bhansali's much-anticipated Love and War in her lineup. Co-starring Vicky Kaushal and Ranbir Kapoor, the film was officially announced in January 2024.

The Instagram announcement read, "We Bring You Sanjay Leela Bhansali's Epic Saga 'Love & War.' See You At The Movies Christmas 2025.